नई दिल्ली
रविवार 11 जनवरी 2026
माघ मास कृष्ण पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 269
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 17
न्यून. 06

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 रो-को से बड़ी पारी की आस, आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

रूस के तेल का दिया विकल्प : अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत यह बिक्री होगी

ट्रंप भारत को वेनेजुएला का तेल बेचने को तैयार, इस पर बात जारी

कम से कम 100 अरब डॉलर खर्च करेगी कंपनी

ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि अब वेनेजुएला के तेल पर वेनेजुएला का कोई हक नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि तेल कंपनियां सीधे अमेरिका से डील करेंगी, वेनेजुएला से नहीं। उन्होंने कहा कि वह तय करेंगे कि कौन सी तेल कंपनियां वेनेजुएला जाएंगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वो अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ठप पड़े व्यापार के फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है।

जब पूछा गया कि क्या अमेरिका वेनेजुएला की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए भारत को वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करने की अनुमति देने के लिए तैयार है, तो जवाब स्पष्ट था। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया हां, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस पर अभी काम चल रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट की हालिया टिप्पणियों का अधिकारी ने जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि वॉशिंगटन लगभग सभी देशों को वेनेजुएला का तेल बेचने के लिए तैयार होगा। राइट ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला से तेल निकालने की फिर से अनुमति दे रहा है, लेकिन केवल सख्त नियमों के तहत ही ऐसा होगा।

अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था

दुनिया भर के देशों को कुल 5 करोड़ बैरल तेल बेचेगा

वेनेजुएला से अब तक अमेरिका को 3 करोड़ बैरल तेल मिला था

दावा : भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकेगी

तेल की मार्केटिंग अमेरिकी सरकार करेगी

अमेरिका, वेनेजुएला के तेल को दोबारा वैश्विक बाजार में जाने की अनुमति दे रहा है, लेकिन यह सब कड़े नियंत्रण वाले ढांचे के तहत होगा। इसकी मार्केटिंग अमेरिकी सरकार करेगी। पैसा तय खातों में ही जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही एक डील करेंगे, जिसमें यह तय होगा कि कौन सी अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला जा सकती हैं और वहां के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को फिर से बना सकती हैं। अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला में कम से कम 100 अरब डॉलर खर्च करेंगी। ट्रंप ने कहा कि अगले हफ्ते तेल कंपनियों के साथ एक और मीटिंग की जाएगी।

ट्रंप ने बड़ी तेल कंपनियों के साथ बैठक की

इस बीच ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद हुए नए समझौते के तहत अमेरिका वेनेजुएला के 5 करोड़ बैरल तक कच्चे तेल की बिक्री करेगा। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और दुनिया की कुछ सबसे बड़ी तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ एक बैठक में बोलते ▸▸ शेष पेज 5 पर

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का पैतृक गांव पेटवाड़ में भव्य सम्मान समारोह आयोजित

गांव का स्नेह और बुजुर्गों का आशीर्वाद उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजीः सूर्यकांत

कहा, बच्चे देश का भविष्य, इन्हें खूब पढ़ाएं, देश और तेजी से करेगा उन्नति

गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को मॉडल संस्कृति स्कूल बनवाया जाएगा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत शनिवार को अपने पैतृक गांव पेटवाड़, जिला हांसी पहुंचें। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद पहली बार पैतृक गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें मुख्य मंच तक लाया गया, जहां ग्रामवासियों ने पगड़ी पहनाकर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने गांव, शिक्षकों, माता-पिता, बुजुर्गों और ग्राम वासियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षकों की निष्ठा और बुजुर्गों के आशीर्वाद ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा निवेश है और प्रत्येक परिवार को बच्चों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली बच्चों को सामूहिक सहयोग से उच्च शिक्षा दिलाने का आह्वान किया तथा इसके लिए स्वयं आर्थिक सहयोग देने की भी घोषणा की।

उन्होंने आयोजन समिति, ग्रामवासियों और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव का स्नेह और आशीर्वाद उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। स्कूल के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इसी स्कूल में दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। स्कूल से हमेशा लगाव रहेगा। उन्होंने कहा कि बेशक उस समय स्कूलों में सुविधाएं अधिक नहीं होती थी, लेकिन अध्यापकों में पढ़ाने के प्रति समर्पण बहुत अधिक था। उन्होंने याद करते हुए कहा कि इस स्कूल के बड़े हॉल में धान की पराली बिछाकर पढ़ते थे और रात को भी अध्यापक काफी देर तक पढ़ाते थे, ताकि उनके स्कूल का परिणाम क्षेत्र के अन्य स्कूलों की तुलना में बढ़िया आए।

इस दौरान गांव के विकास को लेकर बस स्टैंड के पास एक एकड़ जमीन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण, नए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पुराने भवन को कंडम करवाकर नया भवन बनवाने, डोबा वाले तालाब के पीछे हर्बल पार्क ▸▸ शेष पेज 5 पर

'परीक्षा पे चर्चा-2026' ने तोड़ा अपना पिछला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, हुए 4 करोड़ से अधिक पंजीकरणः प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री बोले, पीएम के नेतृत्व में यह आयोजन महज एक वार्षिक संवाद नहीं बल्कि राष्ट्रव्यापी आंदोलन में हुआ तब्दील

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल्द ही आयोजित किए जाने वाले बहुचर्चित 'परीक्षा पे चर्चा-2026' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इस बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के कुल 4 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। जिसके साथ ही इसने अपने पिछले साल-2025 के 3.56 करोड़ पंजीकरण के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी पार कर लिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 4 करोड़ का यह आंकड़ा 8 जनवरी 2026 तक का है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम अब महज एक वार्षिक संवाद से कहीं अधिक एक सच्चा राष्ट्रव्यापी आंदोलन में तब्दील हो गया है। जो शिक्षा, कल्याण और समग्र विकास पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देता है। आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य देश के युवाओं के लिए तनावमुक्त वातावरण का निर्माण करना है।

तनाव घटाने का अहम मौकाः उन्होंने देशभर के छात्र-छात्राओं से परीक्षा पे चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। साथ ही ये ▸▸ शेष पेज 5 पर

ममता बनर्जी ने लिखा ज्ञानेश कुमार को पत्र, एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किये

मुख्यमंत्री ने लिखा, सुधार की आड़ में वैध मतदाताओं का नाम लिस्ट से हटाया जा रहा है

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिख फिर से एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किये। उन्होंने पत्र में आरोप लगाया कि सुधार की आड़ में वैध मतदाताओं का नाम लिस्ट से हटाया जा रहा है। अपने तीन पन्नों के पत्र में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर राजनीतिक भेदभाव और मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि सुनवाई की प्रक्रिया पूरी तरह मशीनी हो गई है। यह सिर्फ तकनीकी आंकड़ों पर चल रही है और इसमें मानवीय समझ या संवेदनशीलता की भारी कमी है। उन्होंने साफ कहा कि इसका मकसद सुधार करना नहीं, बल्कि लोगों को हटाना है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि नाम की स्पेलिंग या उम्र में छोटी-मोटी गलतियों की वजह से आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्हें जबरदस्ती सुनवाई के लिए बुलाया जाता है, जिससे उनका उत्पीड़न होता है और उनकी मजदूरी का भी नुकसान होता है। पश्चिम बंगाल की सीएम ने शादीशुदा महिलाओं की परेशानी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ▸▸ शेष पेज 5 पर

बैठक में चल रहे सात कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई

हरियाणा भाजपा कोर ग्रुप की बैठक कई मुद्दों पर चला डेढ़ घंटे मंथन

तीन जिलों के निकाय चुनाव, एसआईआर, प्रदेश में चल रहे पार्टी के कार्यक्रमों के अलावा संगठनात्मक कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ समेत अनेक नेता रहे मौजूद

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के हरियाणा भवन में हुई हरियाणा भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में शनिवार को कई अहम मुद्दों पर डेढ़ घंटे तक मंथन हुआ। बैठक में तीन नगर निगमों के चुनाव, हरियाणा के आगामी बजट, हरियाणा के राजनीतिक हालातों के साथ-साथ, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के हरियाणा दौरे को लेकर भी विस्तार से बातचीत की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश ▸▸ शेष पेज 5 पर

कांग्रेस अंधेरे में तीर मारती है : मनोहर लाल

हरियाणा कोर कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कांग्रेस पर तंज कसा और कहा कि कांग्रेस अंधेरे में तीर मारती है और केवल झूठ फैलाने का काम करती है। कोर ग्रुप की बैठक के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि समय-समय पर ये बैठकें होती है और इनमें सरकारी और संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से सभी चर्चा करते हैं। इस बार भी ▸▸ शेष पेज 5 पर

पति की हत्या में मुख्य गवाह थी महिला

शालीमार बाग में महिला की सिर में गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग में शनिवार को एक महिला की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका का नाम रचना यादव (44) बताया गया है। वह अपने पति की हत्या के केस में मुख्य गवाह थी। महिला के पति बिजेंद्र यादव की हत्या के लंबे समय से लंबित मामले में कुछ आरोपी अब भी फरार है, उन्हीं पर इस हत्या को अंजाम देने का शक जताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार सुबह करीब 10:59 बजे मामले की पीसीआर कॉल मिली थी, जिसके बाद लोकल पुलिस स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचा। मौके पर एक महिला की लाश पड़ी हुई थी। बाद में मृतक की पहचान रचना यादव पत्नी स्वर्गीय विजेंद्र यादव निवासी 95ए, बीसी ब्लॉक, शालीमार बाग के रूप में हुई। उनके सिर पर गोली लगने का निशान था। मौके से एक खाली कारतूस भी बरामद हुआ। क्राइम और एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। क्राइम सीन का अच्छी तरह से मुआयना किया गया। स्थानीय पूछताछ के दौरान पता चला कि मृतका के पति स्वर्गीय विजेंद्र कुमार की जहांगीरपुरी थाना इलाके में 2023 में हत्या कर दी गई थी। यह मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। महिला अपने पति की हत्या के मामले की लगातार जानकारी ले रही थी और न्याय के लिए प्रयासरत थी।

पति की हत्या के मामले में नामजद कुछ संदिग्ध अब भी फरार हैं। फरार आरोपियों को ही रचना की हत्या का मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमलावरों को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच पड़ताल करने के साथ ही स्थानीय निवासियों से पूछताछ की जा रही है।

हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शूटर अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार किये हैं। तीनों बवाना थाने के हत्या के प्रयास मामले में वांछित थे। इनके नाम पुनीत उर्फ अंकित (23), अनिकेत (21) निवासी झज्जर, हरियाणा और मोहित (24) निवासी सुल्तानपुर डबास, दिल्ली बताये गये हैं। इनके पास से तीन पिस्तौल, नौ कारतूस व एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

डीसीपी कृष्ण कुमार के अनुसार पूठ खुर्द का रहने वाला विक्की विदेश से हिमांशु भाऊ गैंग चला रहा है। निजी दुश्मनी के कारण उसने इन आरोपियों को सुल्तानपुर डबास के रहने वाले यामीन उर्फ चंदू पर गोली चलाने का निर्देश दिया था, ताकि वह अपने चाचा धर्मबीर की हत्या का बदला ले सके। धर्मबीर की यामीन के भतीजे ने हत्या की थी। 8 दिसंबर 2025 को जब यामीन सुल्तानपुर डबास की ओर जा रहा था, तो तीनों आरोपियों ने कम्युनिटी सेंटर के पास जानबूझकर उसकी स्कूटी को अपनी बाइक से टक्कर मारी। जैसे ही यामीन गिरा उस पर गोलियां चलाई। लेकिन वह किसी तरह बच निकला। आरोपियों ने घटना से एक दिन पहले इलाके की रेकी भी की थी। सेल की नॉर्दर्न रेंज टीम को हाल ही में रोहिणी इलाके में इनकी आवाजाही के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद एक रेडिंग टीम ने छापा मारकर तीनों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

पुरानी रंजिश में हत्या करने वाले तीन भाई बिहार से हुये गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में पुरानी दुश्मनी के कारण एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में तीन भाइयों को बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम मनीष, राजेश उर्फ हड्डी और राजा है। तीनों पिछले साल सितंबर में वारदात के बाद से फरार थे। पुलिस ने बताया कि दिल्ली की एक अदालत ने पहले ही उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए थे।

पुलिस के अनुसार अकबर नामक व्यक्ति की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था। आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने पहले हुए झगड़े को लेकर उसे और उसके भाई राजा को धमकी दी थी। घटना वाले दिन मनीष ने अपने भाइयों राजेश और राजा तथा उनके साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता के ग्रुप पर सुनियोजित हमला किया था। हमले के दौरान शिकायतकर्ता के करीबी दोस्त बादशाह को कई बार चाकू मारा गया था और वह मौके पर ही गिर पड़ा था। बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया था।

पुलिस को हाल ही में ऐसी सूचना मिली थी कि आरोपी बिहार के बेगुसराय जिले में छिपे हुए हैं। आठ जनवरी को तीनों आरोपियों को बेगुसराय से ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि लंबी पूछताछ के दौरान तीनों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि मनीष चोरी, आर्म्स एक्ट के तहत अपराध और हत्या के प्रयास सहित 35 से अधिक आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। राजा के खिलाफ पहले से ही तीन मामले दर्ज हैं, जबकि राजेश उर्फ हड्डी भी कई गंभीर अपराधों में शामिल रहा है।

इंटरनेशनल साइबर धोखाधड़ी में शामिल सात आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत में डिजिटल अरेस्ट के जरिये लोगों से उगाही करने वाले इंटरनेशनल साइबर धोखाधड़ी गैंग का पर्दाफाश आईएफएसओ यूनिट ने किया है। धोखाधड़ी वाले इस गैंग के पीछे चीनी-ताइवानी-पाकिस्तानी-नेपाली साइबर क्राइम सिमबॉक्स सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। कुल सात लोगों को अलग अलग जगहों से पकड़ा गया है। दिल्ली पुलिस के इतिहास में साइबर जालसाजी व उगाही के सबसे बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है।

डीसीपी विनीत कुमार के अनुसार एक अत्यधिक परिष्कृत अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट का खुलासा कई टीमों की महीनों की मेहनत के बाद किया गया है। इस रैकेट ने पूरे भारत में निर्दोष नागरिकों को आतंकवाद जैसे आरोपों का डर दिखाया और अत्याधुनिक दूरसंचार हेरफेर का इस्तेमाल किया। सितंबर 2025 से देश भर में खुद को एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के अधिकारी बताकर लोगों को डराया धमकाया और मोटी उगाही की गई। खासकर उत्तर प्रदेश के नागरिकों पर पहलगाम और दिल्ली बम धमाकों सहित आतंकवादी हमलों से संबंध होने का झूठा आरोप लगाया गया। उन्हें तुरंत गिरफ्तारी की चेतावनी दी गई और तथाकथित डिजिटल अरेस्टिंग के तहत रखाकर तत्काल पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया। अक्टूबर 2025 से इस सिंडिकेट का पर्दाफाश करने का काम आईएफएसओ यूनिट ने संभाला था।

काम करने का तरीका था बेहद शातिराना

कॉल जानबूझकर कम-आवृत्ति (टूजी) नेटवर्क पर रूट किए गए थे ताकि रीयल-टाइम लोकेशन ट्रैकिंग से बचा जा सके। आरोपी सिमबॉक्स सिस्टम चला रहे थे, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय कॉल को घरेलू भारतीय नंबरों के रूप में छिपाने में सक्षम थे। ये कॉल विशेष रूप से कंबोडिया से आ रहे थे और गुप्त सिमबॉक्स इंस्टॉलेशन के माध्यम से भारत में रूट किए जा रहे थे। एक महीने तक चले जांच व निगरानी अभियान के बाद पहली दो गिरफ्तारियां दिल्ली के गोयला डेयरी, शाहबाद डेयरी से हुईं। पकड़े गये दोनों लोगों के नाम शशि प्रसाद (53) और परविंदर सिंह (38) पता चलें। आरोपियों ने जानबूझकर भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी ऑपरेशन्स में मदद की।

विदेशी लिंक और ताइवानी नागरिक की संलिप्तता

आगे की जांच में एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय साजिश का एंगल सामने आया। पता चला कि सिमबॉक्स डिवाइस विशेष रूप से ताइवानी नागरिकों द्वारा सप्लाई, इंस्टॉल और तकनीकी रूप से कॉन्फिगर किए गए थे। भारतीय हैंडलर्स और विदेशी साजिशकर्ताओं के बीच बातचीत टेलीग्राम के माध्यम से व एनक्रिप्टेड चैट का उपयोग करके की जाती थी। जब्त किए गए डिजिटल डिवाइस के फोरेंसिक विश्लेषण से एक ताइवानी नागरिक आई-त्सुंग चेन (30) की पहचान हुई। इसे आईजीआई एयरपोर्ट से पकड़ा गया। वह विदेश से अवैध सिमबॉक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को नियंत्रित कर रहा था। आगे विश्लेषण से पता चला कि चेन अकेला काम नहीं कर रहा था। वह ताइवान स्थित एक बड़े संगठित अपराध नेटवर्क का प्रमुख ऑपरेटिव था, जिसका नेतृत्व कथित तौर पर शांग-मिन वू नाम का एक गैंगस्टर कर रहा था। इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह का आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें फिरौती के लिए अपहरण, बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी और परिष्कृत मनी लॉन्ड्रिंग ऑपरेशन शामिल हैं, जो साइबर और दूरसंचार अपराध की आड़ में कई देशों में काम कर रहा है।

मोहाली से दो इंजीनियर पकड़े

मोहाली से दो गिरफ्तारियां हुईं। सरबदीप सिंह (33) बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) और जसप्रीत कौर (28) डिप्लोमा धारक है। दोनों ने कंबोडिया स्थित स्कैम सेंटरों में काम किया था, जहां उन्हें एक पाकिस्तानी हैंडलर ने भर्ती किया था। उसने भारत में सिमबॉक्स इंस्टॉलेशन के लिए फंडिंग की और निर्देश दिए गये थे।

क्रिप्टो एंगल भी आया सामने

आगे की जांच में क्रिप्टो एंगल सामने आया और जांच को कोयंबटूर तक ले गया। मोहाली सेटअप के विश्लेषण के दौरान, यह पाया गया कि साइबर अपराधी कोयंबटूर, तमिलनाडु में एक नया सिमबॉक्स सेटअप स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। उसकी पहचान कर उसे जब्त किया गया और एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। इसकी पहचान दिनेश के रूप में हुई। दिनेश से पूछताछ ने अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के वित्तीय पहलू में एक महत्वपूर्ण जानकारी दी है। जांच से पता चला कि वह 2018 से क्रिप्टोकरेंसी इकोसिस्टम में सक्रिय है। दिनेश ने वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया और कंबोडिया की कई इंटरनेशनल यात्राएं की हैं। इन देशों को बार-बार ट्रांसनेशनल साइबरक्राइम नेटवर्क के ऑपरेशनल और फाइनेंशियल हब के तौर पर दिखाया गया है। शक है कि उसने ये यात्राएं क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज, फैसिलिटेटर और सिंडिकेट के मुख्य फाइनेंशियल हैंडलर के साथ सीधे कोऑर्डिनेट करने के लिए की थी, ताकि बड़े पैमाने पर उगाही किए गए फंड की लॉन्ड्रिंग की जा सके।

सातवीं गिरफ्तारी मुंबई के मलाड़ से हुई

आगे की जांच में पता चला कि साइबर क्रिमिनल्स ने मुंबई के मलाड़ में भी एक सिमबॉक्स सेटअप लगाया है। टेक्निकल एनालिसिस के बाद उसकी भी पहचान की गई और एक टीम भेज सेटअप को सीज किया गया। यहां से अब्दुस सलाम (33) की 7वीं गिरफ्तारी हुई। इसने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है और मलाड का रहने वाला है।

तुर्कमान गेट पथराव मामले में तीन और पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ अब तक कुल 16 लोगों की गिरफ्तारी

दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में हुई पथराव की घटना के सिलसिले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही गिरफ्तार लोगों की संख्या अब बढ़कर 16 हो गई है। जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उनके नाम मोहम्मद नावेद (44), मोहम्मद फैज (20), मोहम्मद उबैदुल्लाह (23), मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद काशिफ (25), मोहम्मद कैफ (23), मोहम्मद अदनान (37), समीर हुसैन (40), मोहम्मद अतहर (20), शहनवाज आलम (55), मोहम्मद इमरान (28), मोहम्मद इमरान उर्फ राजू (36), मोहम्मद अफ्फान (20), मोहम्मद आदिल (20), मोहम्मद आमिर हमजा (22) और मोहम्मद उबैदुल्लाह (26) हैं।

एडिशनल सीपी (मध्य) निधिन वाल्सन के अनुसार शुक्रवार रात हमने पथराव में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अब तक कुल 16 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच अभी जारी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए हैं। पुलिस ड्रोन से निगरानी और सीसीटीवी कैमरों से भी कड़ी नजर रखे हुए है। स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। जांच के दौरान पुलिस ने 10 सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर्स' की पहचान की है, जिन पर घटना से जुड़ी गलत या अपुष्ट जानकारी प्रसारित करने का आरोप है। एक 'इन्फ्लुएंसर' एमन रिजवी को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह शनिवार को भी पेश नहीं हुई। हालांकि रिजवी का दावा है कि उन्हें अब तक पुलिस की ओर से कोई समन नहीं मिला है। रिजवी ने कहा कि घटना छह जनवरी को रात करीब 12:30 बजे हुई थी। मैं एक शादी में थी और सुबह करीब चार बजे मैंने वीडियो पोस्ट किया। उस वीडियो में मैंने किसी से मस्जिद के पास इकट्ठा होने को नहीं कहा था। मैंने सिर्फ यह जानकारी दी थी कि मस्जिद के आसपास कुछ हुआ है। खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताते हुए रिजवी ने कहा कि पुलिस ने अब तक उनसे कोई संपर्क नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि अगर मुझे कोई समन या फोन आता है, तो मैं पूरा सहयोग करूंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस वहां सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थी और पुलिस पर पत्थर फेंकना अपराध है, जिसका वह समर्थन नहीं करती। पुलिस एक और इन्फ्लुएंसर सलमान को भी समन भेजे जाने की बात कह रही है। सोशल मीडिया पर कुछ संदेश फैलाने में उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पथराव की घटना की जांच कई स्तरों पर जारी है।

एलजी ने नरेला में 35 एकड़ भूमि का कब्जा सौंपा

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला में एजुकेशन हब बनाने की दिशा में सरकार ने एक और कदम बढ़ाते हुए भूमि कब्जा संबंधित निकायों को दे दिया है। शनिवार को लोक निवास में सादे समारोह के दौरान उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नरेला में 35 एकड़ से अधिक डीडीए भूमि का कब्जा औपचारिक रूप से गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) और दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी (डीटीयू) को सौंप दिया। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद विशेष रूप से उपस्थित रहे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जानकारी देते हुए कहा कि राजधानी दिल्ली के शैक्षिक परिदृश्य में आज एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने केजरीवाल की आप पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए का कि इस भूमि का आवंटन जनवरी 2024 में ही कर दिया गया था। लेकिन पिछली सरकार के दौरान यह परियोजना अधर में लटकी रही। एलजी ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने विश्वविद्यालयों के भूमि संबंधी अनुरोधों को नजरअंदाज किया और भुगतान करने से इनकार कर दिया था। गत वर्ष नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद इस दिशा में तेजी से काम हुआ और रेखा सरकार ने अपने पहले ही बजट में भूमि खरीद के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। इस जमीन के एवज में दिल्ली सरकार ने डीडीए को 452 करोड़ का भुगतान कर दिया है।

निविदा सूचना संख्या: CON/2025/DEC/04, दिनांक: 09-12-2025 के लिए शुद्धिपत्र - 2

निविदा संख्या: CE-CON-DK-EPC-2025-06 के विपरीत निविदा सूचना संख्या: CON/2025/DEC/04 के लिए शुद्धिपत्र - 2 जारी किया गया है। विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

मुख्य अभियंता/कॉन/
नागालैंड प्रोजेक्ट/मालीगाँव
पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कड़ाके की ठंड और कोहरे से दिल्ली बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लगातार दूसरे दिन शनिवार को दिल्ली वाले हाड़ कंपकंपा देने वाली कड़ाके की सर्दी से बेहाल रहे। पारा गत दो साल में सबसे न्यूनतम स्तर पर 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि कोल्ड डे व कई जगह घने कोहरे ने लोगों को घरों में कैद रहने को मजबूर किया। वहीं घने कोहरे की वजह से आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह के समय विजिबिलिटी घकर 100 मीटर रहने से हवाई सेवाएं प्रभावित हुई। हालांकि 11 बजे के बाद आसमान पर चटख धूप के साथ सूर्य देव ने लोगों को कड़ाके की सर्दी से कुछ हद तक राहत प्रदान की। करीब तीन घंटे से अधिक चमकते सूरज की गर्मी का लोगों ने जमकर आनंद उठाया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में इस सीजन का सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री दर्ज हुआ, जो गत दो वर्ष में सबसे कम भी है। दिन में चटक धूप खिलने के चलते अधिकतम तापमान बढ़कर 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

दिल्ली नगर निगम ने कई जोनों में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, कचरा हटाने और धूल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न ज़ोन में व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किए। नरेला जोन के उपायुक्त राजीव सिंह के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलाया गया। अभियान के दौरान बवाना स्थित सुभाष कॉलोनी में कई किलोमीटर क्षेत्र में व्यापक सफाई कार्य किया गया। अभियान के दौरान नरेला जोन के सभी एमसीडी विभागों ने सहभागिता निभाई। वहीं, करोल बाग ज़ोन में बुध मंदिर रोड नंबर-3, हरिदयन सिंह रोड, वार्ड नंबर-84 में एक गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान लगभग 2 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ था तथा इसे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के समन्वय से संपन्न किया गया। इसके अलावा सेंट्रल ज़ोन में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पूर्णेश कुमार**, पुत्रः गोविंद राम, निवासीः डी–199, जहांगीर पुरी, दिल्ली ने **CC No.: 1069/2021, U/s: 138 NI Act, पुलिस थाना आदर्श नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **पूर्णेश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **पूर्णेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना आदर्श नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **पूर्णेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 16.02.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
गौरव दहिया
जेएमएफसी (एनआई एक्ट), डिजिटल कोर्ट–05,
उत्तरी जिला, कमरा नंबर 5बी,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/419/NW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बबलू दास** पुत्र श्री बिंदेश्वर दास, निवासी मकान नं. ई–16, गली नं. 2, जे.जे. कॉलोनी, शिव मंदिर के पास, ख्याला, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 000143/2020 धारा 411 भा.द.स., थाना हरी नगर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बबलू दास** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बबलू दास** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 000143/2020 धारा 411 भा.द.स., थाना हरी नगर, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **बबलू दास** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **12.02.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः **सुश्री भारती गर्ग**,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–।।, (पश्चिम),
कमरा नं. 31,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/402/WD/2026

स्पेशल सेल की कार्रवाई

अवैध हथियारों के रैकेट और कई बैंक डकैतियों में शामिल महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले रैकेट से जुड़ी एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रही है, जिसमें एक मकोका एक्ट का मामला और कई बैंक डकैती के मामले शामिल हैं। गैंगस्टरों और खूंखार अपराधियों को यह महिला हथियार सप्लाई करती थी। इसके पास से चार सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और तीन अतिरिक्त मैगजीन बरामद हुई।

नॉर्दर्न रेंज की एक टीम ने रामबीरी (67) पत्नी स्वर्गीय बिजेंद्र सिंह निवासी हस्तिनापुर, मेरठ, यूपी को गिरफ्तार किया है। रामबीरी अवैध हथियारों के व्यापार में सक्रिय रूप से शामिल थी। वह कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए अपनी उम्र का इस्तेमाल करती थी। हाल ही में खुफिया जानकारी से यह भी पता चला था कि वह ट्रेन से मध्य प्रदेश जाती थी और अवैध हथियार खरीदती थी। इसके बाद खेप को दिल्ली या मेरठ ले जाती थी, जहां गैंगस्टर और अन्य अपराधी उससे हथियार खरीदते थे। इस इनपुट पर काम करते हुए टीम ने रामबीरी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। महिला के पति की मृत्यु साल 2003 में हो गई थी। इसके बाद वह एक आदतन अपराधी के संपर्क में आई और उसके साथ मिलकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गई। 2008 में रामबीरी हरियाणा के गुड़गांव में 1.48 करोड़ रुपये की बैंक डकैती में भी शामिल थी।

उसी साल वह हरिद्वार के ज्वालापुर इलाके में एक और बैंक डकैती में भी शामिल रही। इसके अलावा साल 2009 में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली के कमला मार्केट इलाके में एक और बैंक डकैती की कोशिश की थी। संगठित अपराध सिंडिकेट चलाने के आरोप में 2009 में स्पेशल सेल थाने में उसके खिलाफ महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया था।

आरोपी महिला को उसके साथियों जिनमें बलजिंदर भी शामिल था के साथ गिरफ्तार किया गया था। वह 2009 से 2017 तक न्यायिक हिरासत में रही। जेल से रिहा होने के बाद वह फिर से अपने साथियों के संपर्क में आई और अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के अवैध धंधे में शामिल हो गई।

संकरी सड़कों के लिए अब 7 मीटर की 'मिनी बसें' भी चलाएगी दिल्ली सरकार

राजधानी की सड़कों पर उतरेंगी 3330 नई इलेक्ट्रिक बसें : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए परिवहन व्यवस्था को ग्रीन बनाने के लिए 3 हजार 330 अतिरिक्त बसें खरीद रही है। इस बात की जानकारी शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है। सीएम ने कहा कि दिल्ली के परिवहन विभाग ने 3,330 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों की तत्काल खरीद के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) को एक विस्तृत प्रस्ताव भेजा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना और नागरिकों को एक आधुनिक, सुगम और सस्ती सार्वजनिक परिवहन सेवा देना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ, हाल ही में सीईएसएल के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि पीएम ई-ड्राइव योजना (फेज-2) के तहत दिल्ली के लिए बसों का कोटा बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार अपनी आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करते हुए विभिन्न आकारों की बसों की मांग रखी है ताकि संकरी सड़कों से लेकर मुख्य मार्गों तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। राजधानी के परिवहन विभाग द्वारा 7 मीटर की 500 बसें, 9 मीटर की 2,330 बसें और 12 मीटर की 500 बसों समेत कुल 3,330 की मांग की गई है। सभी बसें लो फ्लोर एसी बसें होंगी। 7 मीटर की बसें दिल्लीवासियों को संकरी सड़कों और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। 9 मीटर की बसें छोटी सड़कों और फीडर सेवाओं के लिए चलाई जाएंगी। वहीं, 12 मीटर की बसें मुख्य रूटों और भारी भीड़ वाले मार्गों पर चलाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने केंद्र सरकार और भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि दिल्ली की इस अतिरिक्त मांग (जो कि पहले से आवंटित 2 हजार 800 बसों के कोटे से अलग है) को सब्सिडी मॉडल में शामिल किया जाए।

'दिल्लीवासियों की निजी वाहनों पर निर्भरता होगी कम'

मुख्यमंत्री का मानना है कि ये 3 हजार 330 नई बसें न केवल सार्वजनिक परिवहन का साधन हैं, बल्कि दिल्ली के 'ग्रीन ट्रांजिशन' का आधार भी बनेंगी। इन बसों के आने से दिल्लीवासियों की निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही, हवा में घुलने वाले हानिकारक धुएं में भारी कमी आएगी। महिला यात्रियों और बुजुर्गों के लिए लो-फ्लोर बसों के माध्यम से यात्रा अधिक सुरक्षित और आरामदायक होगी। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले महीनों में दिल्ली का बस बेड़ा दुनिया के सबसे बड़े और सबसे स्वच्छ इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क में से एक बन जाए।

वर्तमान में चलाई जा रही हैं कुल 5,336 सरकारी बसें

दिल्ली में वर्तमान में कुल 5,336 सरकारी बसें चलाई जा रही हैं। इनमें कुल 3 हजार 535 ईवी बसें हैं, जिसमें 9 मीटर वाली 1 हजार 162 देवी बसें, 12 मीटर वाली 2 हजार 273 बसें और 100 फीडर बसें शामिल हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार इस वर्ष मार्च तक दिल्ली की सड़कों पर 5 हजार से ज्यादा ईवी बसें संचालित हो जाएंगी। उनका संकल्प है कि वर्ष 2026 के अंत तक 7 हजार इलेक्ट्रिक बसें दिल्लीवासियों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। पीएम ई-ड्राइव (चरण 1) की 2800 बसें आने के बाद दिल्ली में बसों की संख्या 10 हजार 430 हो जाएगी तथा पीएम ई-ड्राइव (चरण 2) की 3 हजार 330 बसें आने के बाद दिल्ली में बसों की संख्या 13 हजार 760 हो जाएगी।

सदन का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा बर्दाश्तः विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- सदन के वीडियो पर एफआईआर मामले में दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब के डीजीपी, जालंधर पुलिस कमिश्नर और स्पेशल डीजीपी साइबर सेल को नोटिस जारी किए
- 48 घंटे में जवाब देने के दिए निर्देश

सदन के वीडियो पर एफआईआर दर्ज होने के मामले में शनिवार को दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब के डीजीपी, जालंधर पुलिस कमिश्नर और स्पेशल डीजीपी साइबर सेल को नोटिस किया और उनसे 48 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण और सभी संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है। इस बात की जानकारी विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रैसवार्ता में दी है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह मामला अत्यंत गंभीर और संवैधानिक महत्व का है तथा सीधे सदन की गरिमा, अधिकार और विशेषाधिकारों से जुड़ा है।

गुप्ता ने कहा कि जिस वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, वह किसी व्यक्तिगत रिकॉर्डिंग नहीं, बल्कि सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग है, जो पूरी तरह से दिल्ली विधानसभा की संपत्ति है। सदन की संपत्ति का इस प्रकार दुरुपयोग करना और इस आधार पर किसी मंत्री के खिलाफ एफआईटार दर्ज करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि अत्यंत गंभीर और निंदनीय भी है। विजेंद्र ने कहा कि सदन की कार्यवाहियों की कोई भी रिकॉर्डिंग केवल सदन की संपत्ति है और किसी राजनीतिक दल, व्यक्ति या बाहरी एजेंसी की नहीं है। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि इस एफआईआर को किस अधिकार और किस आधार पर दर्ज किया गया। गुप्ता ने कहा कि पूरे प्रकरण में जालंधर के पुलिस कमिश्नर की भूमिका अत्यंत चिंताजनक है और यह प्रथम दृष्टया सदन के विशेषाधिकारों का उल्लंघन प्रतीत होता है।

इसलिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का स्पष्ट मामला बनता है, जिसे सदन गंभीरता से देखेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग पर और पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक साइंस लैब भेजा गया। हालांकि, सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग को छेड़छाड़ की गई बताना स्वयं में सदन की गरिमा पर हमला है।

एमसीडी के भेड़-बकरी मामले पर आमने-सामने आप-भाजपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के भेड़-बकरी मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शनिवार को भी आमने-सामने नजर आई। शनिवार को सिविक सेंटर स्थित महापौर कार्यालय के बाहर एमसीडी के नेता विपक्ष अंकुश नारंग के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान 'आप' पार्षदों ने भाजपा और महापौर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। 'आप' पार्षद कई भेड़ों को लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे और कहा कि भाजपा इन्हें अपनी पार्टी में शामिल कर ले। नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाते हुए कहा कि शुक्रवार को एमसीडी सदन की बैठक में महापौर ने 'आप' की महिला पार्षदों को भेड़-बकरी कहकर अपमानित किया जोकि बहुत ही निंदनीय है और हम भाजपा से महापौर के इस्तीफे की मांग करते हैं।

वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी अब एक जिम्मेदार राजनीतिक दल न रहकर "ड्रामा पार्टी" बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ढोंग की राजनीति कर रही है। सिख गुरुओं के अपमान के लिए आम आदमी पार्टी को सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगनी चाहिए। महापौर सिंह ने कहा कि सिख गुरुओं के अपमान से लेकर अवैध पार्किंग तक, सच्चाई से आप भाग रही है। महापौर ने बताया कि शुक्रवार को निगम की सदन बैठक में भी आम आदमी पार्टी ने सुनियोजित तरीके से अराजकता फैलाने का प्रयास किया।

नेता सदन प्रवेश वाही द्वारा आतिशी मार्लेना के सिख गुरुओं पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के विरोध में निंदा प्रस्ताव पढ़े जाने के साथ ही आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने जानबूझकर हंगामा शुरू कर दिया। इस हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित हुई और महत्वपूर्ण चर्चा आगे नहीं बढ़ सकी।

उत्तर-पश्चिम जिला भाजपा ने आयोजित किया 'अटल स्मृति सम्मेलन'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1600 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का किया अभिनंदन

दिल्ली भाजपा के उत्तर पश्चिम जिले में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की 100वीं जयंती वर्ष के अंतर्गत शनिवार 'अटल स्मृति सम्मेलन' का आयोजन जिलाध्यक्ष विनोद सहरावत की अध्यक्षता में किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जिले के 1600 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा, सीएम रेखा गुप्ता सहित सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने मंचासीन दिल्ली सरकार के मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, विधायक कुलवंत राणा, दीपक चौधरी एवं राजकरण खत्री, दिल्ली नगर निगम में नेता सदन प्रवेश वाही, उपमहापौर जयभगवान यादव सहित अन्य निगम पार्षदों और जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्बोधित किया। रोहिणी सेक्टर 29 स्थित प्रदेश कार्यालय के बाहर आयोजित भव्य समारोह में उत्तर पश्चिम दिल्ली के लगभग 3000 से अधिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

प्रदूषण बढ़ने की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते रेखा-केजरीवाल : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार प्रदूषण से हो रही विकट समस्या पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा व आम आदमी पार्टी को बराबर का जिम्मेदार बताया है। यादव ने कहा कि दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार और केंद्र में मोदी सरकार, सब भाजपा की है। ऐसे में अगर राजधानी में प्रदूषण जानलेवा स्तर पर पहुंच रहा है तो भाजपा सरकारें अपनी जिम्मेदारी से कैसे भाग सकती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को प्रदूषण से निपटने में बुरी तरह विफलता की जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। वहीं इससे पहले रही आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार भी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है और पल्ला नहीं झाड़ सकती। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकार बीजेपी की है, साधन उनके पास है, व्यवस्था उनके हाथ में है, फिर प्रदूषण नियंत्रण करने में कोताही क्यों बरती जा रही है। मौजूदा रेखा सरकार और पिछली आम आदमी पार्टी दोनो प्रदूषण नियंत्रण पर काम करने की बजाय नूरा कुश्ती में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि जब सरकार तुम्हारी है, साधन तुम्हारे पास है, व्यवस्था आपके हाथ में है, फिर प्रदूषण नियंत्रण करने में पंगुता क्यों दर्शायी जा रही है।

वीडियो में साबित हुआ कि आतिशी ने कहीं भी गुरु शब्द का इस्तेमाल नहीं किया : भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सदन के वीडियो को लेकर रविवार को कहा कि अंततः सत्य की जीत होती है। फोरेंसिक जांच में यह साबित हो गया की वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। फॉरेंसिक जांच में यह बात सिद्ध हुई कि आतिशी ने अपने भाषण में गुरु शब्द का इस्तेमाल किया ही नहीं था, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने यह झूठा वीडियो तैयार किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उनकी दिल्ली सरकार में विधायक एवं मंत्री धर्म की आड़ में आजकल जिस प्रकार से झूठे वीडियो चलाकर आम आदमी पार्टी को बदनाम करने और देश में आपसी सौहार्द को बिगाड़ने की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर भारतीय जनता पार्टी की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उनकी दिल्ली सरकार में विधायक एवं मंत्री धर्म की आड़ में आजकल जिस प्रकार से झूठे वीडियो चलाकर आम आदमी पार्टी को बदनाम करने और देश में आपसी सौहार्द को बिगाड़ने की राजनीति कर रहे हैं, हम उनकी सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना करने आए हैं। ताकि भाजपा इस प्रकार की घटिया और धर्म की राजनीति से बाज आए। प्रार्थना कार्यक्रम में सौरभ भारद्वाज के साथ आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह, विधायक कुलदीप कुमार, विधायक प्रेम कुमार चौहान, निगम पार्षद पंकज गुप्ता, निगम पार्षद सारिका चौधरी एवं संगठन के विभिन्न पदाधिकारी और दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

सीएम ने 47वीं राष्ट्रीय जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

रेखा का खिलाड़ियों को संदेशः सुविधाओं की नहीं होने देंगे कमी, आप बस तिरंगे की शान बढ़ाओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आप बस खेलकर तिरंगे की शान बढ़ाओ, हम आपकी सुविधाओं में कमी नहीं होने देंगे। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पीतमपुरा स्थित सरकारी स्कूल में 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बॉयज हैंडबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ करने के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए युवा खिलाड़ियों से विशेष अपनापन व्यक्त किया, उनका उत्साह बढ़ाया और खेल भविष्य को लेकर बड़ा विजन भी साझा किया।

मुख्यमंत्री ने युवा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि आपकी सफलता पूरे देश की सफलता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विजेता टीम के लिए एक लाख रुपये पुरस्कार की घोषणा भी की। इस आयोजन में युवा खिलाड़ियों का उत्साह देखकर मुख्यमंत्री भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि खेल के प्रति आपकी लगन यह दर्शाती है कि आप देश की मिट्टी से जुड़े हुए हैं। आप युवा ही इस राष्ट्र की असली शक्ति हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की नई खेल नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब से हमारी सरकार बनी है, हमने खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक काम किए हैं।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के ठप पड़े स्पोर्ट्स सिस्टम को पुनर्जीवित किया गया है। खिलाड़ियों के भत्ते बढ़ाए गए हैं और स्कूल स्तर से ही सहायता राशि दी जा रही है। इस अवसर पर भारतीय हैंडबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष महेश कुमार, स्थानीय निगम पार्षद अमित नागपाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार आने के बाद स्टेट लेवल पर खेलने वाले दिल्ली के प्रत्येक खिलाड़ी का अलाउंस बढ़ाया गया है ताकि खिलाड़ी बिना किसी बाधा के अपना अभ्यास जारी रख सकें। उन्होंने बताया कि ओलंपिक या कॉमनवेल्थ जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल जीतने वालों को दी जाने वाली राशि भी उनकी सरकार ने बढ़ा दी है। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 7 करोड़ रुपये, रजत पदक जीतने वाले को 5 करोड़ रुपये और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 3 करोड़ रुपये की सम्मान राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में और देश में स्पोर्ट्स का एक नया युग शुरू हो रहा है। आज भारत की 60 प्रतिशत आबादी युवा है, जो हमें दुनिया का सबसे जीवंत 'युवा देश' बनाती है। खेल हमें केवल शारीरिक शक्ति ही नहीं, बल्कि रणनीति, धैर्य और टीम वर्क की शिक्षा देते हैं, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक हैं। युवाओं को प्रेरित करने के लिए उन्होंने महान क्रिकेटर रहे सचिन तेंदुलकर के शब्दों को दोहराया- 'अपने खेल का आनंद लें और अपने सपनों का पीछा करें, क्योंकि सपने सच होते हैं।'

Fortis HOSPITAL Manesar

मानेसर का पहला,
दुनिया का सबसे अत्याधुनिक सर्जिकल रोबोट
Da Vinci Xi Robot
फोर्टिस हॉस्पिटल, मानेसर में

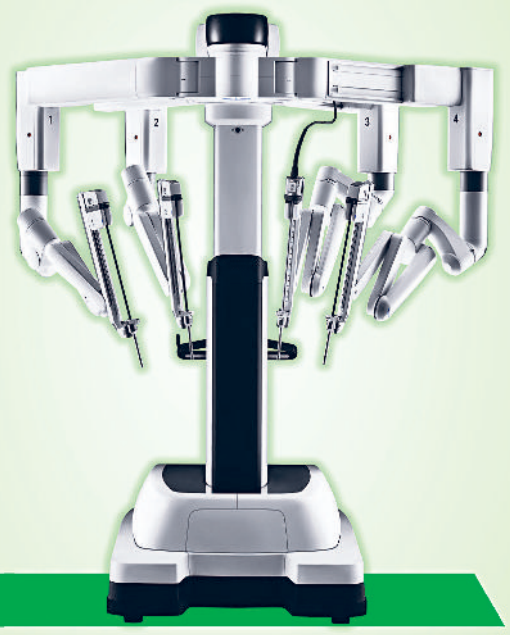

लाभ
छोटा चीरा एवं सटीक सर्जरी
कम दर्द एवं कम रक्त हानि
तेज रिकवरी
बेहतर रोगी परिणाम

रोबोटिक सर्जरी द्वारा इलाज उपलब्ध
पेट का कैंसर | किडनी कैंसर | प्रोस्टेट कैंसर | सिर एवं गर्दन का कैंसर | स्तन कैंसर | सर्वाइकल कैंसर
अन्य सर्जरी – गर्भाशय की गांठ एवं बच्चेदानी निकालना, हर्निया, अपेंडिक्स एवं पित्त की थैली की सर्जरी

अधिक जानकारी के लिएः 73000 73888
प्लॉट नं. पी 2, सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम
MyFortis ऐप डाउनलोड करने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें

फोर्टिस नेटवर्क – दिल्ली–एनसीआरः गुरुग्राम | मानेसर | नोएडा | ग्रेटर नोएडा | फरीदाबाद | ओखला | शालीमार बाग | वसंत कुंज | ला फेम | डिफेन्स कॉलोनी | सी–डीओसी

खबर संक्षेप

सीएम नायब सैनी को भेंट की प्रेरणादायी पुस्तक

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को हरियाणा भवन में डॉ. प्रीता पंवार ने

सैनिक जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायी पुस्तक भेंट की। यह पुस्तक लेखिका के पिता, दिवंगत सैन्य अधिकारी मेजर शिवराज सिंह पंवार द्वारा अपने सेवा काल में लिखी गई डायरियों पर आधारित है, एक सैनिक के संघर्ष, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। डा. प्रीता पंवार ने सीएम को एक प्रार्थना पत्र भी सौंपा, राज्य के सभी जिला पुस्तकालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों में उक्त पुस्तक को संग्रहित कराने का अनुरोध किया गया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाः कैंप का आयोजन

फरीदाबाद। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत बल्लभगढ़ के अग्रवाल धर्मशाला

में कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप के आयोजन में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री के बड़े भाई के टिपरचंद शर्मा पहुंचे। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता जितेंद्र ढुल और कार्यकारी अभियंता संजय मंगला का भी कैंप में पहुंचने पर स्वागत किया गया। अग्रवाल धर्मशाला के प्रधान भगवान दास गोयल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

डम्पर ने साइकिल सवार को कुचला, मौत

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ सेक्टर-3 गुरुग्राम नहर के नए पुल पर डंपर ने

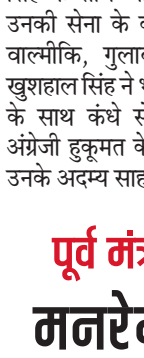

एक साइकिल सवार को कुचल दिया। भूदत्त कालोनी का रहने वाला सुभाष शर्मा सेक्टर-छह में एक फैक्ट्री में शनिवार सुबह साइकिल से ड्यूटी जा रहा था। सेक्टर-तीन गुरुग्राम नहर के पुल पर पीछे तेज गति से डंपर आया और उसकी साइकिल को टक्कर मार दी। इससे सुभाष शर्मा साइकिल सहित सड़क पर गिर गया और डंपर ने उसे कुचल दिया।

भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के हरियाणा दौरे को लेकर गुरुग्राम में भव्य तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन के हरियाणा में पहली बार हो रहे दौरे को लेकर भाजपा ने बड़ी तैयारियां की है। तैयारियों को लेकर प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने गुरुग्राम के गुरुकमल कार्यालय में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और नीतिन नबीन के पहले गुरुग्राम दौरे को ऐतिहासिक रूप से भव्य बनाने का संकल्प लिया। युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को गुरुग्राम में भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर पूरे शहर को सजाने के लिए कार्यकर्ता जुट गए हैं। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी के सामने अपनी तैयारियों की जानकारी भी रखी। प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने एक-एक कार्यकर्ताओं से खासकर युवाओं से अपील की कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के प्रथम आगमन पर युवाओं की भागीदारी अधिक हो। डॉ. पूनिया ने कहा कि भाजपा को मजबूत करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतिन नबीन भी युवा और ओजस्वी नेतृत्व देने वाले नेता हैं। कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी राजनीति में युवाओं को आगे आने में प्रेरित करेगी। वहीं केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ. सुधा यादव, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, डॉ. अर्चना गुप्ता, मंत्री कृष्ण बेदी, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, मंत्री राव नरबीर, विधायक तेजपाल तंवर, मुकेश शर्मा, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ सहित गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, गुरुग्राम महानगर जिला अध्यक्ष अजीत यादव समेत पार्टी पदाधिकारी सहित तमाम नेताओं और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव भी रखे।

गुरुग्राम दौरे को ऐतिहासिक रूप से भव्य बनाने का संकल्प लिया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने उपस्थित सभी नेताओं और पदाधिकारियों को कहा कि यह गुरुग्राम के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव की बात है कि कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन हरियाणा में पहली बार दौरा कर रहे हैं और यह दौरा गुरुग्राम में होगा। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है और कार्यकर्ताओं में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के गुरुग्राम दौरे के लेकर जबरदस्त उत्साह है।

सुरेंद्र पूनिया ने बताया कि भाजपा कार्यालय गुरुकमल पहुंचने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन का स्वागत करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, प्रदेश के प्रदेश के तीनों महामंत्री, सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

नपा कर्मचारी संघ, फायर विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल से की वार्ता

मंत्री गोयल ने 5 फरवरी तक बैठक कर मांगों का समाधान करने का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा व फायर विभाग का मॉस डपोटेशन विशाल जनप्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को सेक्टर-16 सागर सिनेमा पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल से मुलाकात की। कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री कर रहे थे। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने नगर पालिका, परिषद, निगम व फायर के कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के लिए 5 फरवरी तक बैठक कर मांगों का समाधान करने का आश्वासन दिया है। संघ ने फायर के अनुबंधित कर्मचारियों की वेतन बढ़ोतरी, विभाग में समायोजन करने, नगर निगम फरीदाबाद के दैनिक वेतन भोगी 111 कर्मचारियों एवं हाई कोर्ट के 27 दिसंबर व 31 दिसम्बर 2025 के फैसले को ज्यूं का त्यों लागू करते हुए सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग उठाते हुए फायर एवं हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों व अन्य तृतीया व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को एक मुस्त पक्का करने की मांग उठाई। गुरुग्राम के 3480, कैथल 165 व पानीपत, हिसार, सिरसा, सोनीपत, करनाल आदि नगर निगमों, परिषदों व पालिकाओं से निकाले गए सफाई कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेने, सफाई व सीवर कर्मचारियों के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती के लिए बनाई गई कमेटी का चेयरमैन पालिका व परिषदों के जिला नगर आयुक्त व नगर निगमों के आयुक्तों को चेयरमैन बनाने की मांग पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया है।

12 फरवरी को करेंगे राष्ट्रव्यापी हड़ताल

संघ के प्रतिनिधि मंडल में अन्य के अलावा संघ के महासचिव मांगेराम तिगरा वरिष्ठ प्रधान रमेश मुख्य संगठनकर्ता शिवचरण संगठनकर्ता राजपाल, उप महासचिव सुनील चिण्डालिया, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह, उपकोषाध्यक्ष राजेश बागड़ी, अग्निशमन के प्रधान राजेंद्र, महासचिव गुलशन भारद्वाज, राजीव खत्री सहित सैकड़ों नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्य कमेटी ने फरीदाबाद जिला कमेटी के प्रधान दलित बोहत, सचिव अनिल चांडाल व सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलवीर बालगुहेर भी उपस्थित रहे। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने मंत्री से मुलाकात के बाद राज्य कमेटी के साथियों से बैठक की बैठक में नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा में 15 जनवरी को जींद में होने वाली मजदूर, कर्मचारी, किसान महापंचायत 19 जनवरी को जिला उपायुक्त कार्यालय पर 23 दिसंबर व 27 दिसंबर 2025 के फैसले अनुसार सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के दिए गए फैसले को लागू करवाने के लिए किए जाने वाले प्रदर्शनों में शामिल होने तथा 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भी भाग लेने का फैसला किया है। शास्त्री ने बताया कि नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा ऑल सफाई कामगार संघर्ष समिति के आह्वान पर सफाई कर्मचारियों की पक्की भर्ती करने न्यूनतम वेतन 27 हजार रुपए देने क्षेत्रफल आबादी के अनुपात में सफाई कर्मचारी, सीवर मैनो के नए पदसर्जित करने व संघर्ष समिति की अन्य मांगों के समाधान के लिए 7 व 8 फरवरी को सभी विधायकों को ज्ञापन देने तथा 1 मार्च से 15 मार्च तक सफाई सीवर कर्मचारी मुक्ति यात्रा को सफल बनाने तथा 20 व 21 मार्च को सफाई कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल में भी पालिका, परिषद और निगमों के कर्मचारी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।

जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नमन किया

पहली महापौर दमयंती गोयल की जन्म जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि की अर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद की पूर्व प्रथम महिला महापौर, जनसेवा, सुशासन एवं महिला सशक्तिकरण की सशक्त प्रतीक स्वर्गीय श्रीमती दमयंती गोयल की जन्म जयंती के अवसर पर शनिवार को उनके निज निवास बी-17, अशोक नगर, गाजियाबाद में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक श्रद्धा, सम्मान और स्मरण के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्व. दमयंती गोयल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में स्व. दमयंती गोयल के पति एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के पिता महेश गोयल ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि, दमयंती जी का संपूर्ण जीवन सेवा, त्याग और जनकल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने न केवल एक महापौर के रूप में बल्कि एक आदर्श गृहिणी और समाजसेविका के रूप में हर भूमिका को पूरी निष्ठा से निभाया। गाजियाबाद की जनता के प्रति उनका प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा ही उनकी सबसे बड़ी पहचान रही। आज भी उनके विचार और संस्कार हमें जनसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि स्व. दमयंती गोयल ने गाजियाबाद को एक नई दिशा और पहचान देने का कार्य किया। उनका जीवन महिलाओं के लिए प्रेरणा और जनप्रतिनिधियों के लिए आदर्श है। गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि स्व. दमयंती गोयल जी ने नगर की राजनीति में सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन की मजबूत नींव रखी। उनका योगदान गाजियाबाद के विकास इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। विधायक दिनेश गोयल ने कहा कि स्व. दमयंती गोयल जी का सार्वजनिक जीवन ईमानदारी, पारदर्शिता और जनहित को समर्पित रहा।

विकास में देरी पर मंत्री राजेश नागर ने अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई के लिए कहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने शनिवार को सेक्टर 16 स्थित सर्किट हाउस में नगर निगम अधिकारियों के साथ मंथन बैठक की जिसमें उन्होंने आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा को विकास कार्यों में ढिलाई बरतने वाले ठेकेदारों एवं अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए कहा। बैठक में तिगांव विधानसभा क्षेत्र के सभी निगम पार्षद भी मौजूद रहे। मंत्री राजेश नागर ने एक-एक पार्षद से उनकी समस्याएं और मांगें जानी और निगम आयुक्त को सभी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने के लिए कहा। मंत्री नागर ने कहा कि सडक़, नाली, सीवर, पानी, सफाई जैसी चीजों पर प्राथमिकता से काम करें क्योंकि यह व्यक्ति की रोजमर्रा की व्यवस्थाएं हैं। इनके लिए तो शिकायत आनी ही नहीं चाहिए। उन्होंने आयुक्त से कहा कि देखने में आ रहा है कि विकास कार्यों में जानबूझकर ढिलाई बरती जा रही है जो कि बहुत गलत व्यवहार है।

1857 की क्रांति के अमर शहीदों को नमन किया

राजा नाहर, भूरा सिंह और गुलाब सिंह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में बल्लभगढ़ रियासत के राजा नाहर सिंह के साथ अग्रणी पंक्ति में रहे उनकी सेना के कमांडर भूरा सिंह वाल्मीकि, गुलाब सिंह सैनी व खुशहाल सिंह ने भी राजा नाहर सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजी हुकूमत के दांत खट्टे किए। उनके अदम्य साहस और देशभक्ति ने लाखों भारतीयों को प्रेरित किया, जिसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। 9 जनवरी 1858 को दिल्ली के चांदनी चौक पर अंग्रेजी हुकूमत ने आजादी के मतवाले राजा नाहर सिंह, भूरा सिंह वाल्मीकि व गुलाब सिंह को एक साथ फांसी दे दी और उनकी समस्त सम्पति जब्त कर ली। उनके शहादत दिवस पर वाल्मीकि समाज ने उन अमर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वाल्मीकि अंबेडकर शिक्षा मिशन के जिला अध्यक्ष जयपाल बैनीवाल, नगरपालिका कर्मचारी यूनियन से मनोज बालगुहेर, सूरजभान, रामकुमार, नितिन भगवानाल आदि।

नगर निगम द्वारा टैक्स बढ़ोतरी का मामला

टैक्स को लेकर बालेश्वर की नसीहत से भीषण ठंड में राजनीतिक गर्माहट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम द्वारा टैक्स बढ़ोतरी का मामला एक बार फिर हाई हो गया है। भीषण ठंड के मौसम में यह गर्माहट दी है पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठतम नेता बालेश्वर त्यागी ने।

अपनी बेबाकी के लिए पहचान रखने वाले बालेश्वर त्यागी ने यह मामला उछाल कर उन विपक्षी दलों को भी झन्नाटेदार तमाचा है, जो इतने जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दे पर भी या तो दूरी बनाए हुए हैं, या फिर हल्का-पुलका विरोध कर केवल और औपचरिक्त पूरी कर रहे हैं। बालेश्वर त्यागी ने बिना लाग लपेट के जनप्रतिनिधियों को नसीहत दी है कि अब जनप्रतिनिधियों को हाउस टैक्स का निर्णय करना चाहिए। बालेश्वर ने साफ-साफ कहा है कि अगर टैक्स यही रहना है तो प्रतिनिधियों को टैक्स बढ़ाने की जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। जिन जिन जनप्रतिनिधियों को चुनाव लड़ना है , उनको चुनाव में मतदाता को बताना पड़ेगा कि तीन हजार रुपए से एकदम तीस हजार रुपए टैक्स क्यों हो गया ? योगी जी दो या तीन बार गाजियाबाद आ चुके हैं । क्या किसी जनप्रतिनिधि ने उनके सामने बढ़े टैक्स का मामला उठाया? क्या जब प्रभारी मंत्री गाजियाबाद में पधारे क्या किसी जनप्रतिनिधि ने उन्हें बढ़े टैक्स और उससे उत्पन्न जन असंतोष की बात उठाई? प्रभारी मंत्री जी कन्नौज से विधायक हैं । क्या वह बता सकते हैं कि कन्नौज में नगर पालिका ने कितना टैक्स बढ़ाया है। अगर मुख्य मंत्री जी चाहते हैं कि टैक्स बढ़े तो क्या गोरखपुर नगर निगम ने भी गाजियाबाद नगर निगम जितना टैक्स बढ़ाया है ? जनता पर टैक्स बढ़ना चाहिए तो फिर क्या प्रदेश सरकार इस बजट में प्रदेश की जनता पर टैक्स बढ़ाएगी? बजट के बाद वित्त मंत्री जी और मुख्य मंत्री नो टैक्स का बजट बताकर वाहवाही लूटेंगे और अधिकारियों को टैक्स बढ़ाने का गुरु मंत्र फूंक कर मेयर को अलोकप्रिय निर्णय लेने का भार क्यों डाल रहे हैं? बालेश्वर त्यागी ने कहा है कि सच्चाई ये है कि अधिकारी अपनी वाहवाही के लिए टैक्स बढ़ाने पर तुले हैं ? जबकि बोर्ड टैक्स न बढ़ाने का निर्णय ले चुका है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी (1) अमरनाथ, पुत्रः गुनेशेर, (2) मुर्गेश, पुत्रः** मुर्गन **पताः** मकान नं. II-58, मदनगीर, अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली **FIR No. 269/2013, U/s: 379/411/34 IPC, पुलिस थानाः बदरपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है), और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) अमरनाथ (2) मुर्गेश,** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) अमरनाथ (2) मुर्गेश,** फरार हो गए है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **(1) अमरनाथ (2) मुर्गेश, FIR No. 269/2013, U/s: 379/411/34 IPC, पुलिस थानाः बदरपुर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.02.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री दीपक वत्स
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
दक्षिण पूर्व जिला, कमरा नंबर 515
दक्षिण पूर्व साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/326/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.PC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **राजाबुल उर्फ आलम, पुत्रः नौसीर खान, निवासीः मकान नंबर सी–68, जहांगीर पुरी, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 565/2017 दिनांक 20.11.2017 धारा 77 JJ एक्ट** के तहत एक मामला **थाना जहांगीर पुरी, उत्तर पश्चिम जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **राजाबुल उर्फ आलम** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **राजाबुल उर्फ आलम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 565/2017 दिनांक 20.11.2017 धारा 77 JJ एक्ट, थाना जहांगीर पुरी, उत्तर पश्चिम जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **राजाबुल उर्फ आलम** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 18.03.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री ज्योति नैन,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07,
उत्तर–पश्चिम, कमरा नंबर 6, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/441/NW/2026
(अदालती मामला)

पूर्व मंत्री .यादव ने कहा कहा कि मनरेगा कांग्रेस पार्टी की देन है

मनरेगा का नाम बदलकर गरीबों के अधिकारों को कमजोर करना चाहती है भाजपाः कैप्टन अजय यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर भाजपा सरकार द्वारा विकसित भारत गारंटी-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) किया जाना केवल प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर और किसान के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने की एक सुनियोजित कोशिश है। यह बात पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने शनिवार को कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों के समक्ष कही।

पूर्व मंत्री ने कहा कहा कि मनरेगा कांग्रेस पार्टी की देन है, जिसे वर्ष 2006 में लागू कर देश के करोड़ों गरीब परिवारों को 100 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई थी। लेकिन भाजपा सरकार इस गारंटी को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति स्पष्ट है-नाम बदलो, नियम बदलो और काम की गारंटी कमजोर करो। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020-21 में जहां लगभग 11.19 करोड़ मजदूरों को मनरेगा के तहत काम मिला, वहीं 2025-26 तक यह संख्या घटकर लगभग 6.25 करोड़ रह गई। यह आंकड़े बताते हैं कि भाजपा सरकार के लिए रोजगार प्राथमिकता नहीं है।

वहीं जिला कांग्रेस कमेटी गुरुग्राम (शहरी) के अध्यक्ष पंकज डावर ने कहा कि भाजपा सरकार की पहचान अब काम करने से ज्यादा योजनाओं के नाम बदलने तक सीमित रह गई है। कांग्रेस ने गरीब को काम का अधिकार दिया, जबकि भाजपा उस अधिकार का नाम बदलकर उसकी मूल भावना को ही कमजोर कर रही है। नाम बदलने से न तो मजदूर को ज्यादा काम मिलता है और न ही उसकी मजदूरी बढ़ती है। मनरेगा के नाम पर भाजपा सरकार लगातार नियम बदलकर गरीब मजदूरों को परेशान कर रही है। भुगतान में देरी, काम की कमी और जटिल प्रक्रियाओं ने मजदूरों को हतोत्साहित किया है।

यात्रा में हुड्डा गुट नदारद दिखा

कांग्रेस की फूट आई सड़क पर सद्भावना यात्रा से हुड्डा गुट ने बनाई दूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

कांग्रेस को प्रदेश में जमीनी स्तर पर मजबूती देने के लिए पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह द्वारा निकाली जा रही सद्भावना यात्रा के फरीदाबाद में पहुंचने पर फूट उजागर हो गई। सद्भावना यात्रा में हुड्डा गुट नदारद दिखा तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं से ज्यादा जींद व सोनीपत के कार्यकर्ता ज्यादा दिखाई दे रहे थे। सद्भावना यात्रा में बृजेन्द्र सिंह के साथ पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौ. विरेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री योगानन्द शास्त्री, जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक, सत्यवीर डागर, अशोक रावल, ओमप्रकाश पांचाल मौजूद रहें।

गौरतलब है कि गुरुग्राम जिले को पार करने के बाद आज सद्भावना यात्रा फरीदाबाद में प्रवेश कर गई। फरीदाबाद में प्रवेश करने पर यात्रा का जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 19-28 के चौक पर भव्य स्वागत किया। इसके बाद जब यात्रा ओल्ड फरीदाबाद के मुख्य बाजार में पहुंची तो वहां पर

हुड्डा गुट के लखन सिंगला ने यात्रा का स्वागत करना भी मुनासिब नहीं समझा। यहां तक की लखन सिंगला के कार्यालय के पास ही एक कांग्रेस नेता सुरेश बेनीवाल यात्रा का स्वागत किया गया था तथा लखन सिंगला की अनुपस्थित चर्चा का विषय बनी रही। फरीदाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव चौधरी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने सैक्टर-12 में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, सेक्टर-7-10 मार्केट, सेक्टर-7, हनुमान मंदिर होते हुए सीही गांव पहुंची।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग), उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल अनुभवी और सक्षम निविदाकारों से **'एक लिफाफिय प्रणाली'** निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के LHB कोचों में ICF ड्राइंग सं. 32963203 एवं परिशिष्ट–A के अनुसार S-Trap को पकड़ने व सुरक्षा हेतु F-Type माउंटिंग ब्रैकेट स्टैंड तथा लॉकिंग व्यवस्थान की आपूर्ति एवं स्थापना, तथा रेलवे बोर्ड पत्र संख्या 2021/M(C)/141/2Pt2 दिनांक 08.05.2025 के परिशिष्ट–B के अनुसार S-Trap (90–94 मि.मी. OD) में SS केज / स्ट्रेनर की आपूर्ति एंव स्थापना।
कार्यस्थल	दिल्ली — **कार्य की अवधि** तीन (03) महीने
विज्ञापित मूल्य	₹47,30,172.60 (जीएसटी के प्रावधान सहित)
बयाना राशि जमा की जानी है	₹94,600/-, केवल नेट बैंकिंग या गेटवे के माध्यम से
निविदा प्रपत्र मूल्य	₹0/-
ई–निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 08.01.2026 को 11:55 बजे से 30.01.2026 को 12:00 बजे तक
ई–निविदा बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 30.01.2026 को 12:00 बजे
ई–निविदा खुलने की तिथि और समय	दिनांक 30.01.2026 को 12:00 बजे के बाद, यदि खुलने की तारीख पर अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस पर ई–निविदा खोली जाएगी।
ई–निविदा खोलने का स्थान	यांत्रिक विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्र रोड, नई दिल्ली–55

नोटः निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में मिल सकता है।

सं.: NR-DLI0MCNW912025 दिनांक: 08.01.2026 104/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी

आगरा। आगरा में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने क्रिप्टो करेंसी के नाम पर ठगी करने वाले बड़े गिरोह

के दो मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। एडीसीपी क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि साइबर थाना में दर्ज प्राथमिकी की जांच में सामने आया कि गैंग ने छह राज्यों के हजारों लोगों से 50 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की। आगरा के कई लोगों से आरोपियों ने करोड़ों रुपए ठगे थे।

बनारस में बनेगा प्रदेश का पहला संस्कृत गांव

बनारस। सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा और शास्त्रीय ज्ञान की वैश्विक धरोहर काशी अब एक बार

फिर इतिहास रचने जा रही है। इसके लिए पहले चरण में प्रदेश के पहले पांच संस्कृत गांव काशी में तैयार होंगे। संस्कृत भारती काशी प्रांत की टीम ने इसके लिए सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। 14 जनवरी के बाद इसकी घोषणा होगी। संस्कृत भारती ने प्रदेश के पहले संस्कृत गांवों को बनाने की दिशा में सर्वे का काम शुरू कर दिया है। पांच गांवों को गोद लिया जाएगा। पहले गांव के नाम की घोषणा की जाएगी।

मुंहबोले चाचा को ईंट मारकर मौत के घाट उतारा

कानपुर। कल्याणपुर में शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर

मौत के घाट उतार दिया। नशे में धुत चाचा ने भतीजे से दो तीन बार पैसे की मांग की जब भतीजे ने पैसे देने से मना किया तो उसने भतीजे पर ईंट से हमला कर दिया। इसी दौरान भतीजे ने भी उस पर ईंट से कई वार कर दिए। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। कुछ दिन पहले काम छोड़ दिया था। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया गया।

यूपी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे और ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट योजना लागू: सीएम योगी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं को मजबूत करने और स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए यूपी टूरिज्म ने होम स्टे और ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट योजना को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पर्यटन विभाग 14 से 30 जनवरी तक प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगा। इस अभियान का मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना से जोड़ना और लंबित आवेदनों का मौके पर निपटारा करना है। इस दौरान पर्यटन विभाग की टीमें प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों वाले शहरों और जिलों में पहुंचेंगी। स्थानीय लोगों को योजना के फायदे बताए जाएंगे और जो आवेदन पहले से लंबित हैं, उनकी जांच कर पात्र आवेदकों को तुरंत रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इससे उन लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, जो जानकारी के अभाव में अब तक इस योजना से नहीं जुड़ पाए थे।

अभियान का मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना से जोड़ना

पर्यटन और रोजगार दोनों को मिलेगा बढ़ावा

होम स्टे और योजना-2025 का उद्देश्य सिर्फ पर्यटकों को सस्ती और बेहतर सुविधा देना ही नहीं है, बल्कि स्थानीय परिवारों के लिए अतिरिक्त आय का जरिया भी तैयार करना है। इस योजना के तहत लोग अपने घर के कुछ कमरों को होम स्टे के रूप में रजिस्टर कर सकते हैं और पर्यटकों को ठहरने के साथ घरेलू भोजन और स्थानीय संस्कृति का अनुभव करा सकते हैं। पर्यटन विभाग का मानना है कि इससे महंगे होटलों पर निर्भरता कम होगी और पर्यटकों को स्थानीय परिवेश में रहने का मौका मिलेगा।

हर जिले में बजट, मजबूत प्रचार-प्रसार

इस जागरूकता अभियान के लिए सरकार ने हर जिले को करीब 2 लाख रुपए का बजट दिया है। इस राशि का उपयोग प्रचार सामग्री, जनसंपर्क कार्यक्रम और स्थानीय स्तर पर जागरूकता फैलाने में किया जाएगा। विभाग का कहना है कि यह अभियान प्रदेश के को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

इन शहरों पर रहेगा खास फोकस

मथुरा, वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख पर्यटन जिलों में इस योजना पर विशेष जोर दिया जाएगा। महाकुंभ, अयोध्या दीपोत्सव और मथुरा रंगोत्सव जैसे बड़े आयोजनों के दौरान होम स्टे योजना पर्यटकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।

कमजोर पड़ रही सीटों के प्रति चिंता जताई

सियासी खेमों को डरा रहा एसआईआर का आंकड़ा, कटे वोटों से बढ़ी चिंता

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद दावे-आपत्तियों का चरण शुरू हो चुका है। कटे वोटों का आंकड़ा जीत के अंतर से कहीं अधिक है। खुद मुख्यमंत्री इस दिशा में सचेत करते रहे हैं। परिणाम आने के बाद भी उन्होंने कमजोर पड़ रही सीटों के प्रति चिंता जताई है।

एसआईआर का काम पूरा हो चुका है। अलीगढ़ जिले में कुल 5 लाख 20 हजार 189 वोट कटे हैं। एसआईआर का यह आंकड़ा सियासी खेमों को डरा रहा है। सबसे ज्यादा चिंता जिले की उन पांच विधानसभा सीटों पर है, जिनमें कटे वोटों का आंकड़ा 2022 के हार-जीत के परिणाम से कहीं अधिक है। किस खेमे के वोट कटे ? ये तो स्पष्ट नहीं, मगर अनुमान के आधार पर सभी चिंतित हैं। एसआईआर के बाद सबसे ज्यादा चिंता शहर व कोल सीट पर हो रही है। यहां वर्तमान विधायकों की जीत के अंतर से कई गुना वोट एसआईआर में कट गए हैं। खुद वर्तमान विधायक कटे हुए वोटों को अपने खेमे का वोट मान रहे हैं। इसके बाद तीसरे नंबर पर छर्रा, फिर अतरौली व इगलास की स्थिति है। यहां भी कटे वोटों का आंकड़ा जीत के अंतर से कहीं अधिक है। खुद मुख्यमंत्री इस दिशा में सचेत करते रहे हैं। परिणाम आने के बाद भी उन्होंने कमजोर पड़ रही सीटों के प्रति चिंता जताई है। इसलिए घबराहट की इस स्थिति में संगठन व जनप्रतिनिधियों ने वोट बढ़वाने की दिशा में

कटे वोटों में 60-40 की खेमेबंदी

सियासी आंकड़ों के जानकार कहते हैं कि जिले की शहर व कोल सीट का चुनाव हमेशा धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर होता रहा है। दोनों सीटों पर पर जो वोट कटे हैं, उनमें 60 फीसदी का आंकड़ा एक पक्ष से संबंधित बताया जा रहा है। वहीं 40 फीसदी का आंकड़ा दूसरे पक्ष से संबंधित होने का अनुमान है।

वोट घटाने नहीं बढ़ाने के चक्कर में भाजपा, ईसीआई ले संज्ञानः यादव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हाल में एसआईआर की एक्सरसाइज कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों को लगाया गया था, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने इसका विरोध नहीं किया। अब जब मतदाता सूची सामने आई है तो यह साफ हो रहा है कि लगभग तीन करोड़ वोट काटे जाने की आशंका सच साबित हो रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह वही आशंका थी, जो पहले जताई गई थी, जबकि ड्राफ्ट लिस्ट आने से पहले यूपी के मुख्यमंत्री स्वयं लगभग चार करोड़ वोट कटने की बात कह चुके थे।

एसआईआर पर अखिलेश यादव ने कहा- मतदाता सूची को आधार से जोड़ा जाए

अखिलेश यादव ने मांग की कि कम से कम उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची को आधार से जोड़ा जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि बीएलओ एक ही हैं, लेकिन नेशनल और यूपी के आंकड़े अलग-अलग सामने आ रहे हैं, जो संदेह को और गहरा करता है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार ने 200 वोट बढ़ाने का निर्देश दिया है और इसके लिए एफआईआर का प्रारूप भी तैयार किया गया है, जिसमें कार्यकर्ताओं को केवल नाम भरना होगा। समाजवादी पार्टी की जीत वाले जिलों में मतदाता सूची से नाम कटौती आमतौर पर 15 से 25 प्रतिशत के बीच रही, हालांकि कुछ जगह इससे

ज्यादा या कम भी दिखी. सीटो की बात करें तो कन्नौज लोकसभा सीट में 21.57 प्रतिशत मैनपुरी में 16.17 प्रतिशत, कैराना सीट से जुड़े शामली जिले में 16.75 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 16.29 प्रतिशत, मुरादाबाद में 15.76 प्रतिशत वोटरों के नाम कटे. रामपुर जिले में कटौती 18.29 प्रतिशत, संभल में 20.29 प्रतिशत, फिरोजाबाद में 18.13प्रतिशत, एटा में 16.80 प्रतिशत और बदायूं में 20.39 प्रतिशत रही। वहीं आंवला लोकसभा सीट से जुड़े बरेली जिले में 20.99 प्रतिशत नाम हटे। खीरी जिले में आने वाली खीरी और धौरहरा दोनों सीटों पर 17.50 प्रतिशत कटौती दर्ज हुई। मोहनलालगंज सीट वाले लखनऊ जिले में सबसे ज्यादा 30.04 प्रतिशत नाम कटे। एसपी अध्यक्ष ने बाई इलेक्शन का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान भी चुनाव आयोग पर सवाल खड़े हुए थे। रामपुर चुनाव के समय फोटो और वीडियो सार्वजनिक होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इतनी बड़ी एक्सरसाइज हो रही है।

ऑनलाइन डिलीवरी पर भी लगा बैन

अयोध्या धाम और पंचकोशी परिक्रमा मार्ग में नॉनवेज पर पूर्ण प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या धाम और पंचकोशी परिक्रमा मार्ग में नॉनवेज पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। होटल, ढाबे, गेस्ट हाउस के साथ अब ऑनलाइन फूड डिलीवरी पर भी रोक रहेगी। प्रशासन ने नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। रामनगरी अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रशासन ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है. अयोध्या धाम और पंचकोशी परिक्रमा मार्ग के भीतर अब नॉनवेज भोजन की बिक्री और परोसने पर पूरी तरह प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। यह प्रतिबंध केवल होटल, ढाबे और दुकानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों पर भी समान रूप से लागू होगा।

प्रशासन के आदेश के अनुसार अब गेस्ट हाउस और होम स्टे में भी नॉनवेज भोजन परोसने की अनुमति नहीं होगी। इससे पहले भी इस क्षेत्र में नॉनवेज पर प्रतिबंध लागू था, लेकिन इसके बावजूद लगातार नियमों के उल्लंघन की शिकायतें सामने आ रही थीं। जांच में यह सामने आया कि कुछ पर्यटकों को ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप के जरिए नॉनवेज मंगाकर परोसा जा रहा था। इससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही थीं।

होटल, ढाबे और दुकानदारों को खास निर्देश

सहायक खाद्य आयुक्त मानिक चंद्र सिंह ने आदेश की पुष्टि करते हुए बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की जाएगी और यदि कोई होटल, गेस्ट हाउस, ढुकान या ऑनलाइन कंपनी आदेश का पालन नहीं करती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई तय है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि धार्मिक मर्यादा से जुड़े इस आदेश में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इस फैसले से अयोध्या की आध्यात्मिक पहचान और धार्मिक वातावरण को और मजबूत किया जा सकेगा।

श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ा अहम फैसला

प्रशासन के इस कदम को स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ा अहम फैसला माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य अयोध्या की परंपराओं और धार्मिक मर्यादा को बनाए रखना है।

पेज एक का शेष

ट्रंप ने बड़ी तेल ...

हुए ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बहुत सफल होने जा रहा है। उन्होंने देश के तेल क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि हम वह वापस ले रहे हैं जो हमसे छीन लिया गया था।

भारत भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था: अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था, जो उसकी जटिल रिफाइनरियों को चलाने के लिए भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था। ये दोबारा शुरू होने से भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि मांग लगातार बढ़ रही है। न्यूयॉर्क में एक एनर्जी कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए राइट ने कहा कि अमेरिका वर्तमान में वेनेजुएला के 30 से 50 मिलियन बैरल तेल को बेचने की योजना बना रहा है, जिसके बाद भविष्य के प्रोडक्शन की लगातार बिक्री होगी।

गांव का स्नेह और...

बनवाने, ई-पुस्तकालय स्थापित करवाने, डोबा तथा डोबी तालाब का सौंदर्यकरण करवाने, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सौलर पैनल लगवाने सहित कई मांगे रखी गई, जिन पर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि कल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा था कि गांव की जो भी मांगे रखी जाएंगी, उन सभी को पूरा करवाया जाएगा। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने सीजेआई सूर्यकांत तथा अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को मॉडल संस्कृति स्कूल बनाने की घोषणा की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मेधावी बच्चों को सम्मानित भी किया। इससे पूर्व सीजेआई सूर्यकांत ने गांव स्थित मंदिर में जाकर माथा टेका। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी बातों में गांव की खुशबू महसूस होती है। सम्मान समारोह के दौरान बच्चों ने अपने हाथों से बनाई मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पेंटिंग को भीड़ के बीच से अपने हाथों में उठाकर दिखाया। सीजेआई सूर्यकांत की नजर जैसे ही बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने हाथ हिलाकर बच्चों को मंच पर बुलाया और दुलार करते हुए सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान सीजेआई सूर्यकांत की धर्मपत्नी सविता वशिष्ठ को भी गांव की ओर से सम्मानित किया गया। गायक लोकेश शर्मा ने सीजेआई सूर्यकांत के सम्मान में उनके जीवन पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा, सफीदों विधायक रामकुमार गौतम, विधायक रणधीर पनिहार व नारनौंद विधायक जस्सी पेटवाड़, हिसार डिवीजन की प्रशासनिक न्यायाधीश अलका सरीन, हिसार की जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक तथा कई न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'परीक्षा पे चर्चा-2026' ...

भी कहा कि जैसे-जैसे परीक्षा का समय पास आ रहा है। छात्र, प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास, एकाग्रता और स्वास्थ्य पर दिए गए व्याख्यान से अपने तनाव को कम कर सकते हैं। प्रधान ने 4 करोड़ से अधिक पंजीकरणों को एक ऐतिहासिक मील के पत्थर की संज्ञा दी और बताया कि कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ परीक्षा को लेकर सकारात्मक, आत्मविश्वास-पूर्ण और तनावमुक्त दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में इसकी निरंतर सफलता को दर्शाती है।

1 दिसंबर से शुरू हुए पंजीकरण : गौरतलब है कि परीक्षा पे चर्चा के लिए ऑनलाइन मायगॉव पोर्टल पर पंजीकरण पिछले साल 1 दिसंबर 2025 से शुरू हो गए थे। शिक्षा मंत्रालय की ये पहल एक बहुप्रतीक्षित मंच बन गई है। जो छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को प्रधानमंत्री से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करती है। जैसे-जैसे परीक्षाओं का समय नजदीक आ रहा है। छात्रों को इस कार्यक्रम में भाग लेने, परीक्षा संबंधी तनाव को प्रबंधित करने और आत्मविश्वास के साथ सीखने को अपनाने के संबंध में पीएम के मार्गदर्शन से लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मंत्रालय द्वारा जारी पंजीकरण की ये कवायद अभी भी जारी है, जिसके लिए छात्र **https://innovateindia1.mygov.in/** लिंक का प्रयोग कर सकते हैं।

ममता बनर्जी ने ...

शादी के बाद सरनेम बदलने वाली महिलाओं को अपनी पहचान साबित करने के लिए बुलाया जा रहा है, जो उनका गंभीर अपमान है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ खास चुनाव क्षेत्रों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है और बंगाल के लिए अलग पोर्टल का इस्तेमाल होने से अधिकारियों में भ्रम है।

हरियाणा भाजपा कोर...

अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित तमाम दिग्गज नेताओं ने बिंदुवार हर मुद्दे को बैठक में रखा और गहनता से उस पर चर्चा की। इस बैठक में वर्तमान में चल रहे सात कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बताया कि शनिवार सुबह 11 बजे शुरू हुई इस बैठक में सबसे पहले 12 जनवरी को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन के गुरुग्राम प्रवास की तैयारियों की रूपरेखा तैयार की गई। इसके बाद हरियाणा में आगामी नगर निगम निकाय चुनाव पर चर्चा की गई और इस पर कमेटी बनाने की बात हुई। बड़ौली ने कहा कि कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन का गुरुग्राम पहुंचने पर भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर ग्रुप की बैठक में अंबाला, सोनीपत और पंचकूला में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर भी सभी नेताओं ने चर्चा की है। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में बीएलए -1 की नियुक्ति हो चुकी है और बीएलए-2 की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए बजट पूर्व चर्चा विभिन्न वर्गों में जाकर की है। उन्होंने कहा कि बजट शानदार होगा और मुख्यमंत्री के प्रयास निश्चित रूप से हरियाणा को विकसित बनाने में कारगर साबित होंगे। सैनी ने सरकार द्वारा की जा रही योजनाओं पर भी चर्चा की। कोर ग्रुप के सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्री के कार्यों की प्रशंसा की और आगामी कार्ययोजनाओं को तैयार करने के लिए सुझाव दिए। सभी नेताओं ने संगठनात्मक विषयों और सरकार की चल रही योजनाओं व आगामी योजनाओं पर अपने विचार और सुझाव रखे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिसमें वीबी जीरामजी जागरण अभियान, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में अटल स्मृति वर्ष, एसआईआर पर गृहमंत्री अमित शाह के भाषणों को सुनने के कार्यक्रम, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान और नेक्स्टजेन जीएसटी रिफार्म पर रखे गए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि सभी कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया और प्रदेश भर में विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के सेवा कार्यों से प्रदेश के लोगों में पार्टी के प्रति सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हमारा फोकस अब स्थानीय नगर निकाय, नगरपरिषद जैसी संस्थाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर के लिए भी हरियाणा तैयार है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनकल्याण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जो संकल्प लिए थे उनमें से नायब सैनी सरकार ने 57 संकल्पों को पूरा किया है। बड़ौली ने कहा कि सीएम सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री सैनी ने कोर ग्रुप की बैठक में बजट पर विस्तार से चर्चा की है। मुख्यमंत्री ने जिन संस्थाओं से जो सुझाव बजट के बारे में आए हैं उन्हें बैठक में रखा, साथ ही मंत्रियों को भी सुझाव देने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा का बजट जनता के सुझाव वाला और एक अच्छा बजट होगा।

कांग्रेस अंधेरे में...

सभी ने लगभग एक दर्जन विषयों पर चर्चा की। वीबी जीरामजी योजना पर पूछे गए एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की अंधेरे में तीर मारने की आदत है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दे नहीं होते, इसलिए लोगों को भ्रमित करने का काम कांग्रेस करती रहती है। उन्होंने कहा कि जीरामजी योजना ऐतिहासिक योजना है, अब मजदूरों को 125 दिन का काम मिलेगा। यह योजना पूरी तरह से पारदर्शी है और ग्रामीण क्षेत्र में क्रांति लाने वाली योजना है, लेकिन कांग्रेस इस पर झूठ फैलाने की कोशिश में लगी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता जीरामजी योजना के तथ्य लेकर जनता में जा रहे हैं जिससे कांग्रेस का झूठ उजागर हो रहा है।

विश्व हिंदी दिवस उत्कृष्टता और आत्मविश्वास की भाषा का दिन

बिहार में हिंदी के माथे की 'बिंदी' हैं ये बोलियां

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की हिंदी में कुछ खास है। यहां की बोलियां और क्षेत्रीय भाषाएं देश की राष्ट्रभाषा को 'बिहारी हिंदी' बनाती हैं। यदि हिंदी के विकास की बात करें तो वे बोलियां ही हैं जिन्होंने हिंदी को भारत में अति सहज और सम्प्रेषणीय बनाया है।

आज तोहरा से बात करे के बा कवन का बात बात, सोचिए यदि बिहार में बोली जाने वाली हिंदी में इस तरह के वाक्य न हों, तो वह कैसी हिंदी? हिंदी भाषा को बड़ा देश-दुनिया की कई भाषाओं, जैसे उर्दू, अरबी, फारसी, अंग्रेजी ने बनाया, लेकिन इसे देश में जन-जन की भाषा वास्तव में देशज क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों ने बनाया है। ये बोलियां ही हैं जो देश के अलग-अलग इलाकों में हिंदी को अलग पहचान देती हैं। हिंदी नई है, बोलियां प्राचीन हैं। जब हिंदी नहीं थी, तब बोलियां ही थीं। बिहार में क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में अद्भुत विविधता है। और खास बात यह भी है कि यह भाषाएं और बोलियां साहित्य से भी समृद्ध हैं। बिहार में भोजपुरी , मगही, मैथिली, अंगिका, बज्जिका के बिना हिंदी पूरी नहीं हो सकती है। दुनिया भर की भाषाओं के शब्दों को अंगीकार करने की अद्भुत क्षमता रखने वाली भाषा हिंदी की उत्कृष्टता का पर्व मनाने का दिन 10 जनवरी है। इस दिन विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। बिहार में हिंदी को अलग पहचान इस राज्य की क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों ने दी है। इसलिए इन बोलियों को बिहार में हिंदी के माथे की 'बिंदी' कहना चाहिए।

हिंदी में बिहार की बोलियों के सैकड़ों शब्द

बिहार में हिंदी में बातचीत में अरे, का, बा, हो, बड़की, छोटकी, कहे, रहा, रहल या रहलु, ठीक बा, हां बा, अईसे... जैसे सैकड़ों ऐसे शब्दों, वाक्याशों का प्रयोग होता है जो यहां की बोलियों का हिस्सा हैं। ये वे शब्द हैं जो बिहार में हिंदी को अनूठी स्थानीयता देते हैं। ये बड़े ही स्वाभाविक ढंग से यहां की बोलचाल की हिंदी में शामिल हैं। बड़ी बात यह भी है कि क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में लिपि के तौर पर देवनागरी का ही उपयोग किया जाता है। इसलिए यह बोलियां हिंदी में सहजता से ग्रहण कर ली गई हैं। इस साल, यानी सन 2026 में बिहार की जनसंख्या 13.28 करोड़ से 13.5 करोड़ के बीच होने का अनुमान है। बिहार की इस आबादी में शामिल लगभग 77.5 फीसदी से अधिक लोग हिंदी, जिसमें इसकी विभिन्न बोलियां भी शामिल हैं, बोलते हैं। इस आधार पर राज्य में हिंदी बोलने वालों की कुल संख्या लगभग 10.3 करोड़ से 10.5 करोड़ के बीच अनुमानित की जा सकती है।

बिहार में 95 फीसदी से अधिक हिंदी भाषी

बिहार में शुद्ध मानक हिंदी का उपयोग करीब 25.5 प्रतिशत लोग करते हैं। यानी वे इसे इसे अपनी पहली भाषा बताते हैं। लेकिन राज्य के करीब 95.2 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो हिंदी का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं, भले ही वे घर में किसी बोली में बातचीत करते हों। राज्य में भोजपुरी लगभग 24.9 लोग बोलते हैं। मैथिली करीब 12.5 प्रतिशत जनसंख्या की भाषा है। बातचीत में मगही का उपयोग करीब 10.9 फीसदी लोग करते हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश कुमार, पुत्र बद्री नाथ, निवासी मकान नंबर एफ-431, झुग्गी रेलवे लाइन, सी-60/1 के सामने, वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, अशोक विहार, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 858/2016 भा.द.सं. की धारा 454/380/411/34 के तहत, थाना विजय विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 858/2016 भा.द.सं. की धारा 454/380/411/34 के तहत, थाना विजय विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **28.02.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शगुन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, उत्तर-पश्चिम
कमरा नं.109, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/314/RD/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जहांगीर, पुत्रः** मो. रफीक, **निवासीः** ई–333, जेजे कॉलोनी, वजीरपुर, दिल्ली ने **FIR No. 261/18, U/s 392/394/506/411/34 IPC, थानाः भारत नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जहांगीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जहांगीर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 261/18, U/s 392/394/506/411/34 IPC, थानाः भारत नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जहांगीर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विवेक बेनीवाल
एलडी. अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/407/NW/2026
(Court Matter)

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार, 11 जनवरी 2026

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

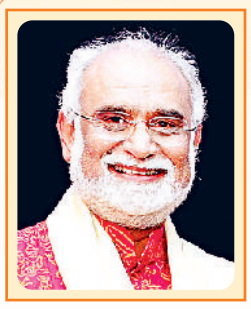

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

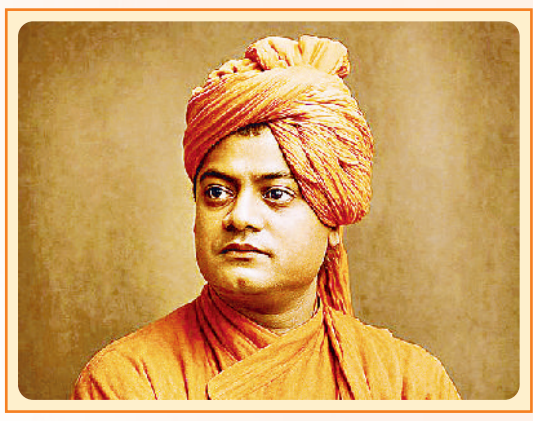

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }

शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }

भूपेंद्र भारतीय

तपेली में तरी ही बची

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

बहरी में खुलेगा नया कॉलेज, सिंहावल और देवसर कॉलेज में शुरू होंगे नए संकाय

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

सीधी की गोपद नदी पर 500 मीटर नया पुल बनाया जाएगा: सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने सीधी जिले के लिए लगाई घोषणाओं की झड़ी

बहरी से चुरहट तक 64.54 किमी लंबे टू-लेन रोड निर्माण की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सीधी जिले की सिहावल विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय बहरी में विभिन्न शासकीय विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी। इस अवसर पर उन्होंने सीधी जिले के लिए 201 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इसके अतिरिक्त 11 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से एक बगिया मां के नाम के अंतर्गत 505 कार्यों का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 133 करोड़ 62 लाख रुपए के 30 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 68 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 179 विकास कार्यों का लोकार्पण कर सीधी जिलेवासियों को कई निर्माण कार्यों की सौगातें दीं।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहरी में नया कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम बहरी से चुरहट तक 129 करोड़ की लागत से 64.54 किमी लंबे टू-लेन रोड निर्माण की भी घोषणा इस मौके पर की। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सिंहावल में वर्तमान में संचालित पार्ट टाइम एडिशनल कलेक्टर कोर्ट को अब फुल टाइम संचालित किए जाने की घोषणा की। साथ ही सीधी जिले की गोपद नदी पर 500 मीटर लंबा एक नया पुल तथा महान नदी पर रपटा बनवाने की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जनता का अभिवादन करते हुए।

घोषणा भी की। डॉ. यादव ने सिहावल विधानसभा क्षेत्र के कुछ स्कूलों को हाईस्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रोन्नत करने तथा कुछ गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बहरी तहसील क्षेत्र के सभी गांवों में सिंचाई की स्थायी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

201 करोड़ के 209 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के दौरान घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी से 31 मार्च तक प्रदेश में 'संकल्प से समाधान महाअभियान-1' चलाया जाएगा। इसमें नागरिकों को राज्य सरकार की 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की घर पहुंच सेवा उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान पूरे प्रदेश की हर विधानसभा, ब्लॉक, तहसील, जिले, गांव-गांव और नगरों के वार्डों-मोहल्लों तक भी शासकीय अधिकारी पहुंचेंगे और पात्र हितग्राहियों को सभी योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महाभियान के पहले चरण में 12 जनवरी से 15 फरवरी तक घर-घर जाकर आवेदन लिए जाएंगे। दूसरे चरण में 16 फरवरी से 16 मार्च तक क्लस्टर स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। तीसरे चरण में 16 से 26 मार्च तक ब्लॉक स्तर पर निराकरण से शेष रहे आवेदनों एवं शिकायतों, नए आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। चौथे चरण में 26 से 31 मार्च तक जिला स्तर पर शिविर लगाकर सभी अनिराकृत शेष आवेदनों एवं शिकायतों, नए आवेदनों का अंतिम निराकरण किया जाएगा।

विकास कार्यों का लोकार्पण करते सीएम डॉ. यादव।

सीधी की पंजा दरी को दिलाएंगे वैश्विक पहचान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीधी जिले में सभी प्रकार के उद्योग-धंधे लगाए जाएंगे। पंजा दरी सीधी की पहचान है। सिहावल ब्लॉक के क्लस्टर में पंजा दरी और कालीन बुनाई की विभिन्न इकाइयां हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सीधी की पंजा दरी को जीआई टैग दिलाने के लिए प्रयासरत है, हम पंजा दरी को वैश्विक पहचान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में भारी निवेश आ रहा है। डॉ यादव ने इस दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

खबर संक्षेप

कारोबारी ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

रायपुर। रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में आत्महत्या का मामला सामने आया है। एक व्यवसायी ने अपने ही घर में जान दे दी। मृतक की पहचान रंजन पुरोहित के रूप में हुई है, जो राजधानी में विज्ञापन व्यवसाय से जुड़े हुए थे। जानकारी के मुताबिक, रंजन पुरोहित कुछ समय से आर्थिक परेशानियों और कारोबार में आ रहे घाटे के कारण मानसिक दबाव में थे। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह को लेकर पुलिस ने फिलहाल कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाला है। बताया जा रहा है कि रंजन अपने परिवार के साथ न्यू राजेंद्र नगर स्थित एक अपार्टमेंट में रहते थे। घर के एक कमरे में उन्हें फंदे पर लटका हुआ पाया गया। जब काफी देर तक बाहर नहीं आए तो परिजनों ने कमरे में जाकर देखा, जिसके बाद घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच के दौरान घर से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

तीन प्रयोगशालाओं को नई टीबी दवाओं की जांच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन

भोपाल। मध्य प्रदेश ने क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत राज्य की तीन प्रमुख प्रयोगशालाओं आयरएल भोपाल, एमआरटीबी इंदौर और जीआरएमसी ग्वालियर को नई एवं अत्यंत महत्वपूर्ण टीबी दवाओं बेडाक्विलिन और प्रेटोमैनिड के लिए लिक्विड कल्चर ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग करने का राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणन सुप्रा नेशनल रेफरेंस लेबोरेटरी (एसएनआरएल), एनआईआरटी चेन्नई एवं केंद्रीय क्षय प्रभाग द्वारा प्रदान किया गया है।

कृषि वर्ष कार्यक्रम में 800 बसों से किसान आएंगे, भोपाल-इंदौर बायपास पर निकाली जाएगी विशाल रैली

2026 होगा 'कृषि वर्ष', सीएम डॉ. मोहन 1100 ट्रैक्टरों के साथ करेंगे मेगा शो, तीस हजार किसान करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जंबूरी मैदान में किसान सम्मेलन आयोजित होगा

आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारियां शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में बड़ा संदेश देने की तैयारी के साथ 11 जनवरी को भोपाल में किसानों के बीच मेगा शो करेंगे। इस आयोजन में भोपाल और आसपास के एक दर्जन जिलों से करीब 1100 ट्रैक्टरों के साथ किसान राजधानी पहुंचेंगे। पहले चरण में भोपाल- इंदौर बायपास पर किसानों की विशाल रैली निकाली जाएगी, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं शामिल होंगे।

इसके बाद जम्बूरी मैदान में किसान सम्मेलन आयोजित होगा, जहां मुख्यमंत्री कृषि वर्ष 2026 की औपचारिक घोषणा करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से भोपाल-इंदौर बायपास स्थित एक निजी कॉलेज परिसर में उतरेंगे। यहां से वे सीधे किसानों की रैली में शामिल होंगे और ट्रैक्टर रैली के साथ जम्बूरी मैदान तक पहुंचेंगे। आयोजन स्थल तक मुख्यमंत्री का किसानों के साथ सड़कों पर होना सरकार की किसान केंद्रित नीति का बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश माना जा रहा है। यह इसलिए भी किया जा रहा है कि इस वर्ष किसानों और कृषि पर सरकार का पूर्व से ज्यादा फोकस होगा। रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसान अपने-अपने ट्रैक्टरों के साथ हिस्सा लेंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

- *किसानों और कृषि पर सरकार का विशेष ध्यान*
- *सभी जिलों में कंट्रोल रूम बना कर होगी निगरानी*

कृषि सम्मेलन को लेकर जंबूरी मैदान पर विशाल टेंट लगाया जा रहा है।

खाद-बीज में कालाबाजारी पर मध्य प्रदेश सरकार सख्त

समृद्ध किसान समृद्ध मध्य प्रदेश इस वर्ष को कृषि वर्ष के रूप में मानाने के साथ ही सरकार यह समृद्ध किसान समृद्ध मध्य प्रदेश का नारा देगी। इस रैली के संबंध में मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपनी कैबिनेट बैठक से पहले सभी मंत्रियों को जानकारी दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि वर्ष भर किसानों को लेकर संभाग स्तर और जिला स्तर पर कई आयोजन होंगे। साथ ही खाद बीज की कालाबाजारी रोकने को लेकर भी जिला प्रशासन को सख्त रहने के भी निर्देश दिए जाएंगे।

सीएम बताएंगे कृषि वर्ष 2026 का रोडमैप

जम्बूरी मैदान में होने वाले किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृषि वर्ष 2026 को लेकर सरकार की रूपरेखा प्रस्तुत कर सकते हैं। सम्मेलन में मुख्यमंत्री सरकार के आगामी तीन वर्षों के कृषि और कृषकों पर आधारित लक्ष्य भी सार्वजनिक कर सकते हैं। सम्मेलन में प्राकृतिक खेती, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, फसल विविधीकरण और मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर भी सरकार की योजनाओं का खाका रखा जा सकता। इस मौके पर मुख्यमंत्री किसानों से सीधा संवाद भी कर सकते हैं।

डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदारों को सौंपी जिम्मेदारी, ट्रैक्टर के साथ नहीं आएगी ट्रॉली

कृषि वर्ष-2026 कार्यक्रम के लिए जंबूरी मैदान में 11 सौ ट्रैक्टर आएंगे, जिन्हें संभालने की जिम्मेदारी अफसरों को सौंपी गई है। अफसरों से कहा गया है कि कोई भी ट्रैक्टर के साथ ट्रॉली नहीं होना चाहिए। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इसके लिए डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदारों की ड्यूटी लगाई है। यह अफसर ट्रैक्टर का इंतजाम देखेंगे। शुक्रवार को संभाग कमिश्नर संजीव सिंह ने इंतजामों को लेकर बैठक रखी। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि ट्रैक्टर रैली को लेकर विशेष इंतजाम किए जाएं। बैठक में बताया गया कि इस कार्यक्रम में भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम और राजगढ़ से तीस हजार किसान आएंगे। जिन्हें आठ सौ से अधिक बसों में लाया जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि रैली के लिए रूट चार्ट और ट्रैफिक मैनेजमेंट का ध्यान रखा जाए। जिससे ट्रैफिक में बाधा नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाकर कार्यक्रम की निगरानी की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर समय से तैयारियां पूरी करने और कृषि विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को सौंपी जिम्मेदारियां टाइम लिमिट में पूरी की जाएं। कमिश्नर ने जिला कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम को कार्यक्रम स्थल पर इंतजामों की मॉनीटरिंग करने की हिदायत दी।

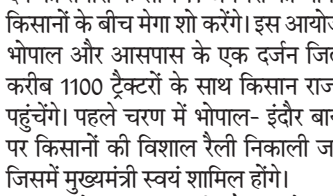
आयोजन पर चर्चा करते अफसर।

कृषि कल्यान वर्ष कार्यक्रम के चलते कल बदली रहेगी राजधानी की यातायात व्यवस्था

राजधानी भोपाल में रविवार को कृषि कल्यान वर्ष का शुभारंभ के अवसर पर दो अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सीएम डॉ. मोहन यादव द्वारा फ्लेगऑफ एवं संबोधन किया जाना प्रस्तावित है। इस मौके पर पहली बारी में जहां आरटीओ ऑफिस तिराहा कोकता बायपास पर 1101 क्रमशः जिला भोपाल से 601, जिला विदिशा से 250 एवं जिला रायसेन से 250 ट्रैक्टर रैली के रूप में सम्मलित होंगे। दूसरे कार्यक्रम कृषि कल्याण वर्ष का शुभारंभ जम्बूरी मैदान में होगा। इसमें भोपाल से 12000, जिला सिहोर व रायसेन से 6000-6000 तथा जिला विदिशा से 4000, राजगढ़ एवं नर्मदापुरम से 1000-1000 कुल 30000 की संख्या में कृषकगण उक्त कार्यक्रम में 800-900 बसों से कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के चलते यातायात पुलिस की ओर से ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है।

30 हजार किसान होंगे कार्यक्रम में शामिल

ऐसी रहेगी यातायात व्यवस्था

- भोपाल के मिसरोद सलैया की ओर से आने वाले ट्रैक्टर 11 मील बायपास रोड से खजूरी कला, पटेल नगर चौराहा होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- भोपाल के फंदा ब्लॉक, बैरासिया रोड से आने वाले ट्रैक्टर खजूरी सड़क से मुबारकपुर बायपास, लांबाखेड़ा बायपास चौराहा, चोपड़ाकला बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, सीएपीटी के सामने होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- रातीबड़, नीलबड़ क्षेत्र से आने वाले ट्रैक्टर नीलबड़ से नाथूबरखेड़ा रोड होते हुए खजूरी सड़क से मुबारकपुर बायपास, लांबाखेड़ा बायपास चौराहा, चोपड़ाकला बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, सीएपीटी के सामने होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- रायसेन का बाडी बरेली, गोहरगंज की ओर से आने वाले ट्रैक्टर 11 मील बायपास रोड से खजूरी कला, पटेल नगर चौराहा होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगें।
- रायसेन के आस पास के ग्राम से आने वाले ट्रैक्टर बिलखिरिया, पटेल नगर चौराहा से लेफ्ट टर्न होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- विदिशा से आने वाले ट्रैक्टर-चोपड़ाकला बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय सीएपीटी के सामने होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।

जंबूरी मैदान यह रहेगी व्यवस्था

- सिरोद सलैया की ओर से आने वाली बसें अशिमा मॉल, बागसेवनिया चौराहा, आर.आर.एल. तिराहा, एम्स रोड, बरखेडा पठानी होकर सेंट जेवियर स्कूल के पीछे पार्किंग स्थल में पार्क होगी।
- फंदा ब्लॉक, बैरासिया रोड से आने वाली बसें खजूरी सड़क से मुबारकपुर बायपास, लांबाखेडा बायपास चौराहा, चोपड़ाकला बायपास चौराहा, मानपुर चौराहा से ओवर ब्रिज चढ़कर अयोध्या बायपास, अर्जुन नगर तिराहा से अन्दर होते हुए पिपलानी पेट्रोल पंप, एसओएस बाल ग्राम रोड होकर जंबूरी मैदान में पार्क होगी।
- रातीबड़, नीलबड़ क्षेत्र से आने वाली बसें जवाहर चौक, अटल पथ, लिंक रोड-1, गोविंदपुरा टर्निंग, महात्मा गांधी चौराहा से होकर सेंट जेवियर स्कूल के पीछे पार्किंग स्थल में होगी।
- सीहोर, की रोड से आने वाली बसें खजूरी सड़क मुबारकपुर बायपास, अयोध्या बायपास, पिपलानी पेट्रोल पंप, इलाहबाद बैंक तिराहा होकर जंबूरी मैदान में प्रवेश कर पार्क होगी।

गांधी नगर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

युवक की चाकू मारकर हत्या, पुलिस गिरफ्त में संदेही महिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक 48 वर्षीय व्यक्ति बबलू मंडल की चाकू मारकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना ने इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक युवती को हिरासत में लिया है, जबकि दो अन्य युवक अभी भी फरार हैं।

शनिवार सुबह गांधीनगर स्थित डेयरी फार्म के पास एक घर के सामने बबलू मंडल का शव मिला। वह सुभाषनगर वार्ड क्रमांक-2 के निवासी थे और शुक्रवार रात घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। फोरेंसिक जांच में मृतक के सीने में चाकू के गहरे घाव पाए गए, साथ ही गले पर भी चोट के निशान थे। सीएसपी राहुल बंसल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके का मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में देर रात दो युवक और एक युवती बबलू मंडल के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दिए और घटना के बाद वहां से जाते हुए भी कैद हुए। सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध मृतक के बेटे दीपू मंडल ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे तक उनके पिता घर के आसपास ही थे। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार को बबलू मंडल का एक युवती और दो युवकों के साथ विवाद हुआ था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रही युवती की पहचान सोनिया के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सोनिया आदतन नशेड़ी बताई जा रही है। घटना में शामिल दो अन्य युवक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं और उनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद को ही हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतक बबलू मंडल लोहे के स्क्रैप का व्यवसाय करते थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

चावल निर्यातकों और किसानों के लिए बड़ी घोषणा

मंडी शुल्क में दी जा रही छूट की अवधि एक वर्ष बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में चावल निर्यातकों और किसानों के लिए बड़ी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंडी शुल्क में दी जा रही छूट की अवधि को एक साल और बढ़ाने का ऐलान किया। इस फैसले से चावल उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा और निर्यात को और गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने समिट को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

दंतेवाड़ा सहित प्रदेश के कई इलाकों में ऑर्गेनिक चावल की खेती हो रही है, जिसे आगे और प्रोत्साहित किया जाएगा। इस दौरान कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट का यह दूसरा संस्करण छत्तीसगढ़ के लिए खास है। इस आयोजन में 12 देशों के खरीदारों और 6 देशों के दूतावास प्रतिनिधियों की मौजूदगी से प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को यूं ही 'धान का कटोरा' नहीं कहा जाता, यहां हजारों किस्म की धान की प्रजातियां उगाई जाती हैं। सरगुजा अंचल के जीराफूल और दुबराज जैसे सुगंधित चावल देश-विदेश में अपनी खास पहचान रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चावल निर्यातक लंबे समय से मंडी शुल्क में छूट की मांग कर रहे थे। पिछले साल दी गई छूट की अवधि दिसंबर 2025 में समाप्त हो रही थी, जिसे अब एक साल और बढ़ा दिया गया है। इससे छत्तीसगढ़ से चावल के निर्यात को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ से करीब 90 देशों को लगभग एक लाख टन चावल का निर्यात किया जा रहा है। राज्य की नई औद्योगिक नीति के तहत लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे चावल के प्रसंस्करण और निर्यात को मजबूती मिलेगी। साथ ही किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है।

उज्जैन में आयोजित राज्य सैनिक रैली को डॉ. यादव ने किया वर्चुअली संबोधित

भारत की सीमाओं के साथ देश के स्वाभिमान की भी रक्षा करते हैं सैनिक : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सैनिक केवल भारत की सीमाओं की ही नहीं, देश के स्वाभिमान की भी रक्षा करते हैं। जो वर्दी पहन कर देश के लिए खड़ा होता है, उसके सामने पूरा राष्ट्र नतमस्तक होता है।

मातृभूमि के प्रति सैनिकों के प्रेम और समर्पण के कारण ही भारत का तिरंगा शान से लहरा रहा है। उन्होंने भारत माता की सेवा में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. यादव उज्जैन में राज्य सैनिक रैली को भोपाल के राजकीय विमानतल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

सैनिकों के परिवारों के साथ सरकार हर कदम पर खड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन वीर सैनिकों देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए, उनकी कमी तो पूरी नहीं की जी सकती, लेकिन ऐसे वीरों के परिवारों के साथ सरकार हर कदम पर खड़ी है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शहीद आश्रितों को पेंशन, वित्तीय सहायता, रोजगार और सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर और सम्मानपूर्वक प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यकता होगी, इन योजनाओं को और अधिक सशक्त किया जाएगा। राज्य सरकार ने शहीदों के माता-पिता को दी जाने वाली मासिक सहायता राशि अब 10 हजार रूपए प्रतिमाह कर दी है। शहीदों की पुत्रियों और बहनों के विवाह पर 51 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। युद्ध एवं सैन्य कार्रवाई में शहीद हुए सेना एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए की गई है।

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते सीएम।

मासिक पेंशन राशि बढ़ाकर 15 हजार प्रतिमाह की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवासरत द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों और उनकी पत्नियों की मासिक पेंशन राशि 8 हजार से बढ़ाकर 15 हजार प्रतिमाह की गई है, जो देश मे सर्वाधिक है। विभिन्न शौर्य एवं विशिष्ट सेवा अलंकरणों से नवाजे गए सैनिकों एवं उनके आश्रितों को राज्य शासन द्वारा सर्वाधिक सम्मान राशि दी जाती है। मध्यप्रदेश निवासी ऐसे माता-पिता, जिनकी पुत्री सेना में है, उनकी सम्मान निधि 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 20 हजार रुपए प्रतिवर्ष की गई। इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश सैनिक कल्याण निदेशालय को रक्षा मंत्री द्वारा 'प्रोगेसिव स्टेट ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया। डॉ. यादव ने कहा कि सैनिक रैली राष्ट्र गौरव और एकता की भावना को और सुदृढ़ करे, यही कामना है। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

तीन जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है, ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? इस मुद्दे पर एक तरफ़ कई देश अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन भी कर रहा है। दूसरी तरफ इस मुद्दे पर भारत ने कहा कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को आखिरकार अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ट्रंप के बयानों से ग्रीनलैंड में बढ़ी गर्मी

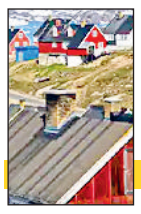

विश्लेषण

सेंट्रल डेस्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ग्रीनलैंड में डेनमार्क की डॉग-स्लेज टीमों का मजाक उड़ाने के बाद ट्रंप ने यहां घूम रहे रहस्यमय चीनी और रूसी जहाजों को लेकर भी तंज कसा है। वह इस विचार पर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं कि अमेरिका को इस विशाल बर्फीले द्वीप पर नियंत्रण कर लेना चाहिए। एक अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति इसे खरीदना चाहते हैं और दूसरे ने सुझाव दिया कि अमेरिका इसे जबरन कब्जा भी सकता है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें?

कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यह समझौता उसे पूरे ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डे स्थापित और संचालित करने, कर्मचारियों को ठहराने और जहाजों, विमानों तथा जलयान के लैंडिंग, टेक-ऑफ, एंकरिंग, मूवमेंट और संचालन को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। डेनमार्क ने 300 वर्षों से अधिक समय पहले ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया था और आज भी इसके कुछ मामलों पर नियंत्रण रखता है। डेनिश इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, कोपेनहेगन के शोधकर्ता मिकेल रुंगे ओलेसेन कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड में इतनी छूट है कि वह लगभग हर वह काम कर सकता है जो वह चाहता है। ग्रीनलैंड को खरीदना ट्रंप की नई योजना है। यह अलग बात है ग्रीनलैंड बिकना नहीं चाहता. विशेषकर अमेरिका को तो बिल्कुल नहीं। डेनमार्क के पास इसे बेचने का अधिकार भी नहीं है। उनके अनुसार यह असंभव है। अतीत में फैसला डेनमार्क करता था। 1946 में उसने ट्रूमैन प्रशासन का 10 करोड़ डॉलर (सोने में) का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

जनमत संग्रह का हक

आज परिस्थितियां अलग हैं। ग्रीनलैंडवासियों के पास अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह कराने का अधिकार है और डेनमार्क ने कहा है कि द्वीप के 57,000 निवासियों पर उनका भविष्य निर्भर करता है। पिछले वर्ष हुए एक सर्वेक्षण में 85% निवासियों ने अमेरिकी नियंत्रण के विचार का विरोध किया था। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन ने कहा कि हमारा देश बिक्री के लिए नहीं है। अमेरिका और डेनमार्क के बीच रक्षा समझौता 2004 में अपडेट किया गया, ताकि ग्रीनलैंड की अर्ध-स्वायत्त सरकार को भी उसमें शामिल किया जा सके और स्थानीय आबादी पर पड़ने वाले प्रभाव पर उसे राय देने का अधिकार मिले। इसकी जड़ें द्वितीय विश्व युद्ध के समय के सहयोग में हैं। तब डेनमार्क पर नाजियों का कब्जा था।

वाशिंगटन में उसके दूतावास ने कोपेनहेगन से संपर्क टूटने पर स्वयं ही अमेरिका के साथ ग्रीनलैंड के लिए रक्षा समझौता किया। डर था कि नाजी ग्रीनलैंड को अमेरिका पर हमला करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। अंततः अमेरिकी सैनिकों ने उन्हें बाहर निकाला और वहां दर्जनों ठिकाने स्थापित किए, रनवे बनाए और हजारों सैनिक तैनात किए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भी अमेरिका कई बेस और शुरुआती चेतावनी रडार साइटें चलाता रहा। शीत युद्ध के अंत में उसने सभी को बंद कर दिया सिवाय एक के। अब इसे पिटुफिक स्पेस बेस कहा जाता है और यह उत्तरी ध्रुव के ऊपर से गुजरने वाली मिसाइलों पर नजर रखता है।

एक नजर

- **1721** डेनमार्क ने ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया
- **1916** : अमेरिका ने यहां डेनमार्क की संप्रभुता को औपचारिक मंजूरी दी
- **1951** अमेरिका और डेनमार्क के बीच समझौता हुआ
- **1979** ग्रीनलैंड को स्वायत्त शासन की अनुमति मिली
- **2004** अमेरिका व डेनमार्क ने ग्रीनलैंड समझौते को संशोधित किया

क्या अगला कदम ग्रीनलैंड है?

पिछले सप्ताह अमेरिकी विशेष बलों द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके सुरक्षित ठिकाने से पकड़ने के बाद ट्रंप और भी उत्साहित दिख रहे हैं। उनके शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने दावा किया कि ग्रीनलैंड संयुक्त राज्य का होना चाहिए और कोई भी अमेरिका से लड़ने नहीं आएगा। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने का अनुरोध किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बैठक कब होगी या नहीं भी होगी। ट्रंप और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेते फ्रेडरिक्सन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ग्रीनलैंड को पाने की बात करते रहते हैं और फ्रेडरिक्सन झुकने से इनकार कर रही हैं। कुछ दिन पहले फ्रेडरिक्सन ने 1951 के समझौते का हवाला देते हुए कहा कि हमारे पास पहले से ही एक रक्षा समझौता है, जो अमेरिका को ग्रीनलैंड में व्यापक पहुंच देता है। उन्होंने अमेरिका से धमकियां बंद करने का आग्रह किया और कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का अंत होगा। अब यदि अमेरिका इस रक्षा समझौते का बहाना बनाकर भारी संख्या में सैनिक भेजने या ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करे तो वह भी गैरकानूनी होगा।

ग्रीनलैंड डेनिश का हिस्सा

2004 के संशोधन के अनुसार अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य गतिविधियों में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव से पहले डेनमार्क और ग्रीनलैंड से परामर्श करना होगा। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल द्वारा हस्ताक्षरित यह समझौता ग्रीनलैंड को डेनमार्क के साम्राज्य का समान हिस्सा मानता है। डेनिश रक्षा विश्लेषक पीटर एर्स्टवेड रासमुसेन कहते हैं कि व्यावहारिक रूप से यदि अमेरिका उचित अनुरोध करता है तो उसे हमेशा हां ही मिलती है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रंप की रुचि खनिजों में भी

ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति ही उन्हें आकर्षित नहीं कर रही। इस विशाल द्वीप का एक और बड़ा आकर्षण है महत्वपूर्ण खनिज, जो बर्फ के नीचे विशाल मात्रा में दबे हुए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इन्हें पाने के लिए भी अमेरिका को ग्रीनलैंड पर अधिकार करने की आवश्यकता नहीं है। ग्रीनलैंडवासियों ने कहा है कि वे कारोबार के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी कार्रवाई पर भारत की चुप्पी क्यों

मुद्दा

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की कार्रवाई ने वैश्विक राजनीति को दो धुवों में बांट दिया है। एक तरफ़ कई देश ऐसे रहे, जो अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं, तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन कर रहा है। मगर भारत दोनों में से किसी खेमे में नहीं है। भारत ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर जरूर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारत, वेनेजुएला की स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। भारत ने कहा है कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। साफ है, भारत के बयान में किसी का विरोध या समर्थन जैसा भाव नहीं है। मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने हमले पर खुलकर वेनेजुएला के प्रति एकजुटता दिखाई और अमेरिकी कार्रवाई का कड़े शब्दों में विरोध किया। सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा। यह वही संतुलन है जो भारत अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-अमेरिका तनाव, इजराइल-फिलस्तीन संघर्ष में अपनाता आया है। भारत के किसी एक गुट के साथ न दिखने की ये नीति हाल की नहीं है। भारत की तटस्थता की जड़ें उसकी गुटनिरपेक्ष नीति में हैं, जिसकी नींव जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी। उसके बाद की जितनी सरकारें आईं, सबने इस नीति का पालन अपने-अपने हिसाब से किया है। नेहरू का मानना था कि निंदा से ज़्यादा जरूरी है संवाद और समाधान। यही कारण है कि 1956 के हंगरी संकट से लेकर 2003 के इराक़ युद्ध और 2022 के यूक्रेन युद्ध तक, भारत ने अक्सर सार्वजनिक निंदा से दूरी बनाए रखी। यह नीति भारत को उन स्थितियों में लचीलापन देती है, जहां उसके साझेदार आपस में टकराव में हों। वेनेजुएला के मामले में भी भारत उसी ऐतिहासिक निरंतरता का पालन करता दिख रहा है। हालांकि, भारत की चुप्पी की एक वजह और भी है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुका है। इसमें रूस से तेल खरीदने को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारत का मानना है कि इस मामले में उसे अलग तरह से निशाना बनाया गया, क्योंकि चीन और यूरोप भी रूस से तेल खरीदते रहे हैं, लेकिन उन पर वैसी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में वेनेजुएला मुद्दे पर भारत के लिए अमेरिका के खिलाफ खुलकर बोलना आसान नहीं है।

सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा।

बहरहाल, लैटिन अमेरिका के देश वेनेजुएला में अमेरिका के हमलों ने सिर्फ़ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति को भी चिंता में डाल दिया है। इस संकट का असर उन देशों पर भी पड़ेगा, जिनके वेनेजुएला से रणनीतिक रिश्ते रहे हैं। तेल और व्यापार इसमें अहम है। अब सवाल यह है कि अगर अमेरिका-वेनेजुएला टकराव लंबा और हिंसक होता है तो भारत-वेनेजुएला संबंधों पर इसका क्या असर पड़ेगा? आर्थिक नजरिए से देखें तो भारत और वेनेजुएला के रिश्ते अब बहुत बड़े नहीं रह गए हैं। हालांकि, एक समय ऐसा था जब वेनेजुएला भारत के लिए तेल का बड़ा स्रोत था। भारत लंबे समय तक वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने आधिकारिक रूप से तेल आयात काफी हद तक घटा दिया, लेकिन ऊर्जा साझेदारी पूरी तरह खत्म नहीं हुई। दरअसल, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। भारत और वेनेजुएला के राजनीतिक संबंधों का सबसे मजबूत दौर 2005 में देखा गया, जब राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज भारत आए और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से बातचीत हुई। इसके बाद 2012 में निकोलस मादुरो, तब वेनेजुएला के विदेश मंत्री के रूप में, भारत आए थे। शावेज के निधन के बाद भी भारत ने शोक संदेश दिया और उनके अंतिम संस्कार में प्रतिनिधि भेजा। संभावना यही है कि भारत जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया जाहिर किए बिना सही समय पर कूटनीतिक भाषा में अपनी चिंता जाहिर करेगा, ताकि न तो अमेरिका के साथ रिश्ते बिगड़े और न ही सिद्धांतों के मोर्चे पर उसकी स्थिति कमजोर हो।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व एकजुट हो

रणनीति

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा है, "सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीवे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतरराष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी जरूरत।" तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी रही है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है।

हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो ध्रुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी के साथ नाटो देश सक्रिय थे।

ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।

इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे। अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की फितरत को देखते हुए उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियों को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं। अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। ट्रंप की मनमानी नहीं रुकी, अमेरिकी दादागिरी का ऐसा ही दौर उन्होंने जारी रखा तो आने वाले दिन दुनिया के लिए भले ही चुनौतीपूर्ण होंगे,अमेरिका भी कई तरह की चुनौतियों और वैश्विक प्रतिरोध को झेलने के लिए अभिशप्त हो जाएगा। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी।

वेनेजुएला मामले में रूस-चीन की सिर्फ बातें, कोई एक्शन नहीं

कूटनीति

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

बीती 3 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। ये एक तरह से सैन्य हमला था, जिसमें कुछ मौतें भी हुईं, और अब अमेरिका वहां तेल टैंकरों पर कब्जा कर रहा है। पूरी दुनिया में हंगामा मच गया, लेकिन रूस और चीन ने बस सांकेतिक निंदा की। ज्यादा कुछ किया नहीं। अब सवाल ये है कि इतने बड़े मसले पर ये दोनों सुपरपावर इतने हल्के क्यों रहे? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? सबसे पहले तो ये समझ लें कि रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। मादुरो की सरकार को उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया है। रूस ने तो वेनेजुएला में अरबों डॉलर का निवेश किया है, खासकर तेल और हथियारों में। चीन का भी वहां बड़ा खेल है। उसने उसे करीब 10-12 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है, और उससे तेल आयात करता है। जब अमेरिका ने हमला किया तो रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, आक्रामकता है। चीन ने भी कहा कि वो सदमे में हैं। चीन ने मादुरो को फौरन रिलीज करने की मांग भी की। ईरान, क्यूबा, साउथ अफ्रीका जैसे देशों ने भी निंदा की। नोटिस करें, ये सब बस बातें हैं – कोई सैन्य मदद नहीं, कोई बड़ा एक्शन नहीं, कोई जंग की धमकी नहीं। असली कारण क्या हैं? चलो, एक-एक करके देखते हैं।

रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है।

कमजोरियां और व्यस्तताएं : रूस तो अभी यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। जंग 2022 से चल रही है। जंग के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है। अगर वो वेनेजुएला में कूदता, तो अमेरिका के साथ सीधा टकराव होने का खतरा है। वो अपना यूरोपियन फ्रंट संभाल रहा है, जहां यूक्रेन के जरिए नाटो से लड़ रहा है। वेनेजुएला दूर है, लॉजिस्टिक्स मुश्किल है। वहीं, चीन साउथ चाइना सी और ताइवान पर फोकस्ड है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर चल रहा है, इकोनॉमी स्लो हो रही है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने को कूटनीतिक विरोध जताने तक ही सीमित रखेगा।

आर्थिक हित : दोनों देशों के पास वेनेजुएला में निवेश हैं। चीन का तेल आयात वेनेजुएला से है, लेकिन वो सऊदी अरब, रूस और अन्य जगहों से भी लेता है। अगर अमेरिका वेनेजुएला का तेल कंट्रोल करता है, तो चीन को नुकसान होगा, लेकिन वो नए विकल्प ढूंढ लेगा। रूस भी वेनेजुएला को हथियार बेचता है, लेकिन उसकी मुख्य कमाई यूरोप और एशिया से है। अब अगर वो ज्यादा विरोध करता है,तो अमेरिका उनके निवेशों को टारगेट कर सकता था।

वैश्विक रणनीति : दोनों देश अमेरिका को चैलेंज करना चाहते हैं स्मार्ट तरीके से। वो अमेरिका की डॉलर डोमिनेंस को कम करना चाहते हैं,लेकिन सीधी जंग से नहीं। अगर एक्शन लेते हैं, तो तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ सकता है। रूस और चीन जानते हैं कि अमेरिका की आर्मी अभी सबसे मजबूत है

इंटरनेशनल लॉ : यूएन में निंदा करके वो दिखा रहे हैं कि अमेरिका बिगडैल देश है, अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ रहा है। रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है। अब देखना ये है कि आगे क्या होता है – क्या मादुरो रिलीज होगा, या अमेरिका वहां स्थायी अड्डा बना लेगा?

अकूत तेल की अतृप्त ललक में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

दृष्टिकोण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभर कर आया है कि आखिरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण अंजाम देने और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण करने के पीछे वास्तविक मकसद क्या है? क्या वास्तव में ड्रग तस्करों के सरगना होने के संगीन इल्जाम में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अमेरिका द्वारा अपहरण किया गया है? अथवा इसके पीछे क्या अन्य विशिष्ट कारण विद्यमान रहे हैं? तकरीबन साढ़े तीन करोड़ आबादी वाले वेनेजुएला में भारी तेल के अकूत भंडार मौजूद हैं। तेल संपदा के अतिरिक्त रेयर मिनरल्स का भी विराट भंडार वेनेजुएला में विद्यमान है, जिसमें कॉपर, चांदी, सोना, आदि शामिल हैं। वेनेजुएला का तेल वस्तुत भारी किस्म का तेल माना जाता है। अमेरिका की सरजमीं में जो तेल विद्यमान है, वह तो बहुत हल्के किस्म का तेल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून का घनघोर उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु राष्ट्र वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का आक्रामक तौर पर अपहरण अंजाम दिया गया।

वेनेजुएला में अमेरिकन तेल कंपनियों ने बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश किया और वेनेजुएला के तेल भंडारों से तेल का बड़ी मात्रा में दोहन भी किया। 1976 को कार्लोस आंद्रेस पेरेज नामक राष्ट्रपति वेनेजुएला में सत्तानशीन हुआ, जिसके द्वारा तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इसके बावजूद अनेक अमेरिकन तेल कंपनियां वेनेजुएला में तेल का दोहन निरंतर करती रहीं। 1999 ह्यूगो शावेज नामक एक साम्यवादी फितरत का राष्ट्रपति वेनेजुएला की राजसत्ता पर आसीन हुआ और उसके द्वारा अमेरिकन तेल कंपनियां को वेनेजुएला से निकाल बाहर किया गया। राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की अत्यधिक निकटता साम्यवादी क्यूबा और चीन जैसे वामपंथी मुल्कों के साथ अत्यंत घनिष्ठता के साथ स्थापित हो गई। 2013 में ह्यूगो शावेज की मृत्यु हो गई और उसके उत्तराधिकारी के तौर पर निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो द्वारा भी ह्यूगो शावेज की कठोर वामपंथी नीतियों का बाकायदा अनुसरण जारी रखा गया। साम्यवादी क्यूबा की तरह वेनेजुएला भी अमेरिका की आंखों का विकट कांटा बन गया और वेनेजुएला पर भी अमेरिकन हुकूमत द्वारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद कर दिए गए। अमेरिका व्यावहारिक तौर पर समस्त लैटिन अमेरिका को अपने प्रभाव क्षेत्र वाला गलियारा मानता है। आज के दौर में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वेनेजुएला में सैन्य दखल दोते हुए साम्राज्यवाद विरोधी मुनरो डॉक्ट्रिन का हवाला दिया जाना, वस्तुत नव- साम्राज्यवादी व्यवहार करते हुए एक विद्रुपता के अलावा कुछ भी नहीं है। वेनेजुएला पर आक्रमण के पीछे वस्तुतः एक टायकून बिजनेसमैन की पृष्ठभूमि से दूसरी दफा अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए डोनाल्ड ट्रंप का वास्तविक मकसद वेनेजुएला के अकूत तेल भंडार को सैन्य शक्ति के बल पर हथियाना है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में दूरदर्शी राजनीति निहित नहीं है ना ही कुशल कूटनीति निहित है, डोनाल्ड ट्रंप की नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुलंद किए गए अमेरिका ग्रेट अगेन निर्मित करने के मकसद के पीछे केवल अमेरिका को और अधिक दौलतमंद बनाना है।

राष्ट्रपति ट्रंप की सोच में दूरदर्शी राजनीति या कूटनीति निहित नहीं है, उनकी नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण के पश्चात उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। वेनेजुएला की संसद में डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा है कि हम ऊर्जा क्षेत्र की महाशक्ति हैं। इसी कारण से हमको बहुत सारी समस्याओं का सामना करना है। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिका का ऊर्जा लालच हमारे देश के संसाधनों पर कब्जा करना चाहता है। वेनेजुएला की हुकूमत पर मादक पदार्थ तस्करी और लोकतंत्र मानव अधिकार से जुड़े हुए सभी झूठे दावों का उन्होंने खंडन किया। वेनेजुएला ऐसे तमाम ऊर्जा संबंधों के लिए खुला है, जहां सभी पक्षों को फायदा हो और यही हमारे ऊर्जा संबंधों की विविधता भी है।

डोनाल्ड ट्रंप का आर्थिक लोभ लालच आखिरकार अमेरिका के लिए खतरनाक भी सिद्ध हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्ताव पेट्रो को भी परिणाम भुगतने की चेतावनी दी तो फिर गुस्ताव पेट्रो ने पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति को जान लेना चाहिए कि लैटिन अमेरिका साम्राज्यवाद के विरुद्ध बहुत लंबी लड़ाई लड़कर आजाद हुआ है। लैटिन अमेरिकन देश अमेरिकन नव साम्राज्यवाद के विरुद्ध भी छापामार युद्ध के लिए मजबूर हो जाएंगे।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत मंडपम में 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 का भव्य उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने टैम्बोरिन बजाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 53 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा दिल्ली पुस्तक मेला आज प्रकाशन जगत का एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद मंच बन चुका है।

नई दिल्ली में 53वें विश्व पुस्तक मेले का प्रधान ने किया उद्घाटन

टैंबोरिन बजाकर की कार्यक्रम की शुरुआत, भारत को बताया दुनिया का एक प्रतिष्ठित व भरोसेमंद तीसरा बड़ा प्रकाशन केंद्र

भारत मंडपम में 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 की शुरुआत

रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता

'पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे' का किया उल्लेख

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

यह देश की बौद्धिक -सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक

उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा प्रकाशन और पुस्तक व्यापार केंद्र बनकर उभरा है, जो देश की बौद्धिक और सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं, पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे। सरकार देश में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

चाबिल साईं के बलिदान पर आधारित पुस्तक प्रकाशित

प्रधान ने बताया कि 19वीं सदी की शुरुआत में ओडिशा के संबलपुर में अंग्रेजों के खिलाफ हुए एक बड़े संघर्ष में वीर सुरेंद्र साईं के भाई चाबिल साईं ने कुडोपाली में अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस बलिदान की कहानी अब एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित की गई है, जिसका अनुवाद कई विदेशी भाषाओं में किया गया है।

ई-लाइब्रेरी से 23 भाषाओं में 6,000 मुफ्त ई-बुक्स होंगी

डिजिटल युग पर बात करते हुए प्रधान ने कहा कि आज सरकार का लक्ष्य ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाना है, जहां भाषा बाधा नहीं बल्कि सेतु बने। इसी सोच के तहत राष्ट्रीय ई-लाइब्रेरी जैसी पहलें डिजिटल इंडिया के विजन को साकार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इन प्लेटफॉर्म्स पर 23 से अधिक भाषाओं में 6,000 से ज्यादा मुफ्त ई-बुक्स उपलब्ध होंगी, जिनमें टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

'वंदे मातरम' को बताया भारत के जन्म का सांस्कृतिक उत्सव

कार्यक्रम में उन्होंने 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया रेडियो पर ओंकारनाथ ठाकुर द्वारा गाया गया वंदे मातरम केवल एक संगीत प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि स्वतंत्र भारत के जन्म का सांस्कृतिक उत्सव था। इस ऐतिहासिक विरासत को आज दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में प्रदर्शित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में 'आप' के जेजे ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। यहां आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दो दिन पहले येंकी कालिया के इस्तीफा देने

के बाद शनिवार को जेजे सिंह ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सिंह आम आदमी पार्टी के शिकायत निवारण कमेटी के चेयरमैन थे। जेजे सिंह ने बताया कि आप में अब कुछ भी नहीं रह गया है। यह पार्टी नेतृत्व विहीन हो गई है। पार्टी में दम घुट रहा था।

टकराने के बाद हवा में उछली कार, हानि नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक कार सवार अचानक

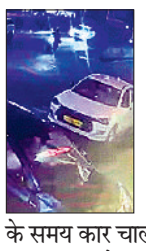

अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा। गनीमत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के समय कार चालक नशे में था, जिस वजह से यह हादसा हो गया। कार सवार बाईं मुड़ने की जगह सीधे आता है और डिवाजर से टकराकर हवा में उछलता है।

बेकाबू ऑडी कार ने ली 1 की जान

जयपुर। यहां के मानसरोवर इलाके में शुक्रवार की रात तेज रफ्तार कार कहर बनकर टूटी।

पत्रकार कॉलोनी के पास दो कारों की कथित रेसिंग में एक शख्स की जान चली गई। एक बेकाबू ऑडी कार ने सड़क किनारे खड़े ठेलों और लोगों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

दक्षिण 24 परगना में धमाका, 4 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को एक पटाखा बनाने की फैक्टरी

में जोरदार धमाका हो गया। इस हादसे में 4लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह विस्फोट दोपहर करीब 1 बजे चंपाहाटी इलाके में स्थित फैक्टरी में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्टरी की इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और आसपास के कई घर भी प्रभावित हुए।

बृजभूषण शरण अचानक मुंह के बल गिर पड़े

गोंडा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंच पर अचानक मुंह के बल गिर गए और

गुलाटी खा गए। इस दौरान पास में खड़े सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते रह गए लेकिन उन्हें गिरने से रोक नहीं पाए। थोड़ी देर के लिए सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ हर कोई हक्का-बक्का रह गया लेकिन गिरने के तुरंत बाद बृजभूषण शरण सिंह उठे और मुस्कुराने लगे।

वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने लगाई गुहार

पंजाब ने तनाव और भीषण बाढ़ की दोहरी मार का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से विशेष वित्तीय पैकेज की मांग की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वर्ष 2025 के दौरान भारत–पाकिस्तान सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों तथा इसके बाद दशकों में आई भीषण बाढ़ से राज्य को हुई भारी क्षति का हवाला देते हुए पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र सरकार से तत्काल वित्तीय सहायता और एक विशेष आर्थिक पैकेज प्रदान करने की मांग की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ प्री-बजट बैठक के दौरान वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्रीय बजट 2026–27 के लिए राज्य की प्रमुख वित्तीय आवश्यकताओं और नीतिगत मांगों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत मांग-पत्र सौंपा। एडवोकेट चीमा ने इस बात पर बल दिया कि भौगोलिक दृष्टि से देश की रक्षा की अग्रिम पंक्ति में स्थित होने के कारण पंजाब को सीमाओं पर बढ़े सुरक्षा तनाव का सामना करना पड़ा, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। इसके पश्चात आई बाढ़ को गृह मंत्रालय द्वारा गंभीर आपदा घोषित किया था। वित्त मंत्री ने बताया कि बाढ़ से 2,300 से अधिक गांव और 20,000 परिवार गंभीर रूप से प्रभावित हुए तथा प्रारंभिक आकलन के अनुसार लगभग 12,905 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस बड़े पैमाने पर पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए उन्होंने वित्त वर्ष 2025–26 हेतु राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 1 प्रतिशत के बराबर एकमुश्त अतिरिक्त उधारी सीमा की अनुमति मांगी। इसके लिए उन्होंने एफआरबीएम अधिनियम के उन प्रावधानों का हवाला दिया, जो प्राकृतिक आपदाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा संकटों के दौरान विशेष छूट की अनुमति देते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर जोर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गतिविधियों को देखते हुए राज्य के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को और मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पुलिस बल के आधुनिकीकरण, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को सुदृढ़ करने तथा सीमा पार खतरों और नशीले पदार्थों की तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उन्नत एंटी-ड्रोन तकनीक हेतु 1,000 करोड़ रुपये की विशेष केंद्रीय सहायता की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीमावर्ती राज्य होने के कारण उठाए जा रहे अतिरिक्त सुरक्षा बोझ को सहायता के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी रियायत के तौर पर यह सहकारी संघवाद का प्रतीक होना चाहिए।

7,757 करोड़ रुपए का बकाया आरडीएफ फंड को तुरंत जारी करें

चीमा ने लंबित फंडों, विशेषकर ग्रामीण विकास फंड का मुद्दा उठाया। उन्होंने जून 2025 तक के कुल 7,757 करोड़ के बकाया आरडीएफ फंड को तुरंत जारी करने की अपील की और कहा कि ये फंड ग्रामीण सड़कों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और भूजल संरक्षण के उद्देश्य से उन्होंने धान विविधीकरण के लिए विशेष बजट आवंटन का प्रस्ताव रखा तथा किसानों में व्यवहारिक परिवर्तन लाने के लिए मौजूदा प्रोत्साहन को अपर्याप्त बताते हुए इसे 15,000 रुपए प्रति एकड़ तक बढ़ाने की मांग की।

6,000 करोड़ का वार्षिक राजस्व घाटा हो रहा

वित्त मंत्री ने जीएसटी 2.0 सुधारों के बाद पंजाब को हुए भारी राजस्व नुकसान की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि राज्य को लगभग 6,000 करोड़ का वार्षिक राजस्व घाटा हो रहा है, जो राज्य की अपनी कर राजस्व प्राप्तियों का लगभग 44 प्रतिशत है। उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए ऐसे राज्यों हेतु एक अनुमानित जीएसटी स्थिरीकरण या मुआवजा तंत्र स्थापित करने की पुरजोर वकालत की।उन्होंने मनरेगा योजना में प्रस्तावित बदलावों का कड़ा विरोध किया और कहा कि नया ढांचा रोजगार गारंटी को कमजोर करता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में करोड़ों की राशि घटाई

चीमा ने बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रारंभ में स्वीकृत 452.78 करोड़ की राशि को घटाकर 252 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने आवश्यक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मूल आवंटन को बहाल करने की मांग की।

मुख्य मांगें राजस्व में भागीदारी

1. एस डी आर एफ के बकाया पर ब्याज देनदारी से छूट तथा संचित निधियों के उपयोग की अनुमति।
2. जीएसटी 2.0 सुधारों के बाद लगभग 6,000 करोड़ रुपए के वार्षिक राजस्व नुकसान की भरपाई हेतु मुआवजा तंत्र लागू किया जाए।

सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था:

1. पुलिस आधुनिकीकरण, सीमावर्ती सुरक्षा बुनियादी ढांचे और एंटी-ड्रोन तकनीक के लिए 1,000 करोड़ रुपए की ग्रांट।

कृषि और सहकारिता:

1. धान की खेती कम करने हेतु किसान प्रोत्साहन 7,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रति एकड़ करने के लिए विशेष बजट वितरण।
2. आर डी एफ रिलीज:7,757 करोड़ रुपए का बकाया ग्रामीण विकास फंड (आर डी एफ) तुरंत जारी किया जाए।
3. ब्याज सहायता: सहकारी फसल ऋणों पर ब्याज सहायता 1.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत की जाए।
4. ग्रामीण सहकारी बैंकों को रियायती दरों पर न्यूनतम 40 प्रतिशत तक पुनर्वित्त सुविधा प्रदान की जाए।

जल संसाधन और बाढ़ प्रबंधन:

1. पीएमकेएसवाई के अंतर्गत सतलुज नदी आधारित सिंचाई परियोजनाओं के लिए 1,053 करोड़ रुपए की बजट सहायता।
2. वर्षा ऋतु के दौरान बीबीएमबी जलाशयों के संचालन का नियंत्रण पंजाब को सौंपा जाए।
3. डैम बकाया: रंजीत सागर डैम (297 करोड़) और शाहपुरकंडी डैम (665 करोड़) के लिए जम्मू-कश्मीर से बकाया राशि जारी की जाए।
4. जल जीवन मिशन के लिए 443 करोड़ रुपए की बकाया केंद्रीय हिस्सेदारी जारी की जाए।

ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और रोजगार:

1. मनरेगा: विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन में प्रस्तावित बदलावों का विरोध करते हुए,मूल मांग-आधारित फंडिंग मॉडल बहाल किया जाए।
2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का नकद आवंटन पुनः 452.78 करोड़ रुपए किया जाए (वर्तमान में 252 करोड़)।

बिजली क्षेत्र:

1. कोयले की ढुलाई पर 20 प्रतिशत रेलवे फ्रेट रियायत बहाल की जाए।
2. कोयले का इस्तेमाल: टैरिफ कम करने हेतु निजी थर्मल प्लांटों (तलवंडी और नाभा) को पच्छवाड़ा केंद्रीय खान से कोयले के उपयोग की अनुमति।
3. नवीकरणीय ऊर्जा व्यापार मार्जिन 7 पैसे से घटाकर 2 पैसे प्रति केडब्ल्यूएच किया जाए।

ख्यात प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में आज होगा 'प्रत्याघात' का लोकार्पण

श्रीमती चित्रा मुद्गल

श्रीप्रताप सोमवंशी

पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रसिद्ध लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार ब्रह्मवीर सिंह के ख्यात प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित नव उपन्यास 'प्रत्याघात' का लोकार्पण 11 जनवरी 2026, रविवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 में किया जाएगा। लोकार्पण में सुप्रसिद्ध

लेखिका चित्रा मुद्गल, प्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी, लेखक-कवि एवं हिंदुस्तान के प्रबंध संपादक, प्रताप सोमवंशी एवं डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक, हरिभूमि समाचार पत्र समूह की विशेष उपस्थिति रहेगी। उपन्यास 'प्रत्याघात', ब्रह्मवीर सिंह की चर्चित कृति 'बुत मरते नहीं' का दूसरा भाग है। इससे पहले ब्रह्मवीर सिंह नक्सलवाद पर केंद्रित उपन्यास 'दंड का अरण्य' साहित्यिक जगत में चर्चा का विषय रहा है। उपन्यास पर अनेकों शोधकार्य हुए हैं, वहीं'बुत मरते नहीं' जातिवाद के भेद से उठकर मित्रता के चरम की कहानी है। इस तरह 'दंड का अरण्य', 'बुत मरते नहीं' और 'प्रत्याघात' लेखक की नियमित सशक्त रचनात्मक यात्रा के रूप में देखे जा रहे हैं।

उनके लिए जो टूटे हैं, पर मिटे नहीं हैं

लेखक ने प्रत्याघात को...उनके लिए, जो टूटे हैं पर मिटे नहीं हैं कि संवेदनात्मक टैगलाइन के साथ प्रस्तुत किया है। प्रत्याघात का केंद्रीय भाव हताशा से उपजा मौन और मौन से उपजे प्रतिरोध को रेखांकित करता है। प्रत्याघात हताश मनुष्य के फिर से उठ खड़े होने की कहानी है। उल्लेखनीय है कि ब्रह्मवीर सिंह ढाई दशकों से पत्रकारिता में सक्रिय हैं। वर्तमान में हरिभूमि समाचार पत्र में संपादक, समन्वय के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कई कहानियां भी लिखी हैं, जिनमें 'उधार की दुल्हन', 'लहंगे वाला लड़का' दशरथ का वनवास और 'प्यार का लास्ट स्टेज' बेहद चर्चित हैं। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'प्रत्याघात' को लेकर साहित्यिक जगत में विशेष उत्सुकता देखी जा रही है।

कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में मांगा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी का इस्तीफा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा सरकार पर पार्टी के उच्च पदाधिकारियों को बचाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का इस्तीफा मांगा है। पार्टी ने कहा कि यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण और चुप्पी की राजनीति का एक घिनौना चेहरा है।

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा और कांग्रेस संचार विभाग के सचिव वैभव वालिया ने कहा कि व्यापक जन आंदोलन के दबाव में मुख्यमंत्री धामी को इस मामले में सीबीआई जांच की घोषणा करनी पड़ी। उन्होंने मांग की कि यह जांच किसी वर्तमान जज की निगरानी में फास्ट ट्रैक मोड में छह महीने के

भीतर पूरी की जाए।

लांबा ने बताया कि भंडारी पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर स्थित भाजपा नेता विनोद आर्य के रिसोर्ट में 28 अगस्त 2022 को नौकरी पर लगी थी। 18 सितंबर 2022 को उस पर वीआईपी मेहमानों को अनैतिक सेवाएं देने का दबाव बनाया गया, जिसे उसने साहसपूर्वक ठुकरा दिया। उसी दिन उसकी हत्या कर शव चीला नहर में फेंक दिया गया। भाजपा सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए लांबा ने कहा कि हत्या के बाद पांच दिनों तक न तो एफआईआर दर्ज की गई और न ही कोई गंभीर जांच हुई। 23 सितंबर को स्थानीय भाजपा विधायक रेनू बिष्ट ने धामी के निर्देश पर बिना किसी न्यायिक आदेश के रिसोर्ट पर बुलडोजर चलवाकर अहम सबूत नष्ट करवा दिए, जबकि 24 सितंबर को अंकिता का शव बरामद हुआ। इसके बाद जनआक्रोश बढ़ा तो मजबूरी में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। 3साल बीत जाने के बावजूद आज तक यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वह वीआईपी कौन था, जिसके लिए अंकिता पर दबाव बनाया गया था। उन्होंने पूछा कि यदि एसआईटी जांच में वीआईपी का नाम सामने आया है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया और यदि नाम सामने नहीं आया तो सरकार ने इसका स्पष्ट खंडन क्यों नहीं किया।

त्यागी ने कहा था नीतीश कुमार को दिया जाना चाहिए भारत रत्न

त्यागी के बयान से पार्टी का कोई लेना देना नहीं, नीतीश जनता की सेवा कर रहे: जेडीयू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जनता दल (यूनाइटेड) ने केसी त्यागी के उस बयान से असहमति जतायी है जिसमें उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की थी। जेडीयू ने साफ कहा है कि त्यागी का बयान पूरी तरह व्यक्तिगत है और उसका पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन ने त्यागी के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वस्थ हैं। वे लगातार राज्य की जनता की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसी त्यागी का

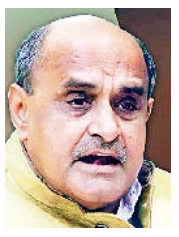

पार्टी की गतिविधियों से बिल्कुल कोई संबंध नहीं है, उनके बयान व्यक्तिगत हैं और पार्टी का उनसे कोई संबंध नहीं है।

यह घटनाक्रम जेडीयू के भीतर विभिन्न नेताओं के बीच समन्वय और आधिकारिक लाइन पर सवाल खड़े करता है। गौरतलब है कि शुक्रवार को जेडीयू नेता केसी त्यागी ने नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि बिहार के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन के संस्थापक सदस्यों में से हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवंगत चौधरी चरण सिंह और दिवंगत कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया था। हम इसके लिए आभार व्यक्त करते हैं। त्यागी ने कहा था कि नीतीश कुमार समाजवादी आंदोलन से जुड़े सबसे प्रतिभाशाली नेताओं में से एक हैं जो अभी जीवित हैं। वे एनडीए के संस्थापकों में से एक हैं। वे 'सुशासन बाबू' हैं। हमने आग्रह किया है कि उन्हें भी जीवित रहते हुए भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-26' में उत्तर-प्रदेश के युवाओं को संबोधित कर बोले रक्षा मंत्री

विकसित भारत की यात्रा को आगे बढ़ाने वाले मुख्य संचालक हैं 'युवा': राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राजधानी के दिल्ली कैंट में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उत्तर-प्रदेश के 78 युवाओं से मुलाकात की। यह सभी विकसित भारत युवा लीडर्स संवाद-2026 में राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि देश की विकसित भारत की यात्रा में युवा ही हैं, जो इसका नेतृत्व करेंगे यानी मुख्य संचालक होंगे। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आपकी ऊर्जा, आकांक्षाएं और नवाचार क्षमताएं देश को अपने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। विकसित भारत युवा लीडर्स संवाद-2026 का आयोजन इस वर्ष 10 से 12 जनवरी 2026 तक केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में किया जा रहा है। जिसमें उत्तर प्रदेश के दल में 78 युवा शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

बहुविषयी शिक्षा पर दिया जोर

राजनाथ सिंह ने युवाओं से आग्रह किया कि उन्हें बहुविषयी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जिससे वह तेजी से तकनीक संबंधी बदलावों से रूबरू होते हुए आगे बढ़ सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कम्प्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और स्पेस शोध जैसे विषयों को रक्षा मंत्री ने बहुविषयी शिक्षा में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने ये भी कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती है। इसलिए आप अपनी खुद की हालिया गलतियों से भी सीख सकते हैं और इसमें भी सबसे महत्वपूर्ण ये है कि दूसरों के अनुभव भी आपको बहुत कुछ सिखा सकते हैं। बड़े सपने देखिए लेकिन उन्हें कभी अपने ऊपर बोझ की तरह मत नहीं बल्कि अवसर के रूप में लीजिए।

चुनौती जीवन का सामान्य हिस्सा

उन्होंने चुनौतियों को अपवाद न बताते हुए कहा कि ये जीवन का एक सामान्य हिस्सा हैं। परीक्षा की घड़ी से ही किसी व्यक्ति की वास्तविक सच्चाई और चरित्र सामने आता है। यह आसान है कि चीजों की योजना से आगे बढ़ने पर आपका संयमित होना स्वाभाविक है। लेकिन आलोचना और विफलताओं से ही किसी व्यक्ति की भविष्य की दिशा के प्रति प्रतिबद्धता की पहचान की जा सकती है। इसलिए कभी भी न घबराने का यह मतलब नहीं है कि आप समस्याओं को हल्के में लें। इसका सही अर्थ ये है कि हम सभी को समस्याओं का सामना साहस, ज्ञान और आत्मविश्वास के दम पर करना चाहिए। राजनाथ ने युवाओं से चुनौतियों को एक दबाव या बोझ के रूप में नहीं, एक अवसर की तरह से लेने का आह्वान किया। जिससे आपकी क्षमताओं का विकास होगा और चरित्र भी मजबूत बनेगा। आसान रास्ता अक्सर हमें कमजोर बना देता है। जबकि मुश्किल मार्ग हमें मजबूत, लचीला और पूरी तरह से सक्षम बनाता है।

शिकायतों से नहीं निकलते समाधान

शिकायतों से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता है। इसके लिए प्रयास करने पड़ते हैं। आत्मविश्वास ही हर मसले का हल है, जिसे अहंकार के दम पर हासिल नहीं किया जा सकता है। कड़ी मेहनत और ईमानदारी ही इसे प्राप्त करने की चाबी है। इस मंत्र को ध्यान में रखते हुए हर किसी को अपनी उपलब्धियों को लेकर विनम्र बने रहना चाहिए। क्योंकि इन्हें प्राप्त करने में केवल आपके अकेले का ही योगदान नहीं है। आपके परिवार, शिक्षकों, और मित्रों की भी इस कवायद में अहम भूमिका है। विनम्रता आपको जमीन से जुड़े रहने में मदद करेगी। कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, तीनों सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और मंत्रालय के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सिबिल स्कोर अच्छा होने के बावजूद क्रेडिट कार्ड क्यों हो जाता है रिजेक्ट

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। लोग ऑनलाइन शॉपिंग, बिल पेमेंट, ट्रैवल और कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड का सहारा लेते हैं। आम धारणा यह है कि अगर आपका सिबिल स्कोर अच्छा है तो बैंक आसानी से आपका क्रेडिट कार्ड अप्रूव कर देगा, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हमेशा जरूरी नहीं है। कई बार सिबिल स्कोर मजबूत होने के बावजूद भी बैंक क्रेडिट कार्ड रिजेक्ट कर देते हैं।

कार्ड की कैटेगरी व इनकम का मेल जरूरी

जानकारों का कहना है कि क्रेडिट कार्ड रिजेक्शन का सबसे बड़ा कारण कार्ड की कैटेगरी और आवेदक की इनकम होती है। उन्होंने कहा, "जिस क्रेडिट कार्ड के लिए आप आवेदन कर रहे हैं, क्या आपकी सैलरी उस कार्ड के लिए तय मानकों के अनुरूप है?" कई बार लोग प्रीमियम या हाई-कैटेगरी कार्ड के लिए आवेदन कर देते हैं, जबकि उनकी इनकम उस स्तर के कार्ड के लिए पर्याप्त नहीं होती। ऐसे मामलों में बैंक अप्रूवल देने से बचता है।

नौकरी की स्थिरता की अहम भूमिका

क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में नौकरी की प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। स्थायी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को बैंक अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हैं। वहीं, कॉन्ट्रैक्ट या अस्थायी नौकरी करने वालों के प्रोफाइल को बैंक ज्यादा जोखिम भरा मान सकते हैं, जिससे कार्ड रिजेक्ट होने की संभावना बढ़ती है।

बार-बार आवेदन नुकसानदेह

कम समय में कई बैंकों से क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करना भी नेगेटिव सिग्नल माना जाता है। बार-बार आवेदन करने से क्रेडिट प्रोफाइल प्रभावित होती है और बैंक इसे वित्तीय दबाव का संकेत मान सकते हैं।

मौजूदा लोन व ईएमआई भी देखता है बैंक

अगर किसी व्यक्ति पर पहले से कई लोन या भारी ईएमआई का बोझ है, तो बैंक नए क्रेडिट कार्ड के लिए मंजूरी देने में हिचकिचाता है। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ग्राहक की आय और खर्चों में संतुलन बना हुआ हो।

खाते वाले बैंक से कार्ड लेना फायदेमंद

विशेषज्ञों की सलाह है कि क्रेडिट कार्ड के लिए सबसे पहले अपने मौजूदा बैंक को प्राथमिकता दें। जिस बैंक में आपका सेविंग अकाउंट है, वह आपके ट्रांजैक्शन पैटर्न और फाइनेंशियल बिहेवियर को बेहतर तरीके से समझता है, जिससे अप्रूवल के चांस बढ़ जाते हैं।

कम क्रेडिट कार्ड, ज्यादा भरोसेमंद प्रोफाइल

- अंत में विशेषज्ञों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक या दो क्रेडिट कार्ड तक ही सीमित रहना चाहिए।
- ज्यादा क्रेडिट कार्ड होने पर बैंक आपके प्रोफाइल को जोखिम भरा मान सकता है, जिससे नए आवेदन रिजेक्ट होने की आशंका बढ़ जाती है।

क्या है सिबिल स्कोर

सिबिल स्कोर एक 3-डिजिट का नंबर होता है जो आपकी क्रेडिट हिस्ट्री को दर्शाता है। यह नंबर 300 से 900 के बीच होता है, और यह आपकी क्रेडिटवर्थीनेस को मापता है। सिबिल स्कोर आपके लायन, क्रेडिट कार्ड, और अन्य क्रेडिट प्रोडक्ट्स के भुगतान इतिहास, क्रेडिट उपयोग, और अन्य कारकों के आधार पर गणना किया जाता है।

सिबिल स्कोर के फायदे

- लायन और क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने में मदद करता है
- कम ब्याज दर पर लायन प्राप्त करने में मदद करता है
- क्रेडिटवर्थीनेस को बढ़ाता है
- वित्तीय योजना बनाने में मदद करता है

सिबिल स्कोर को कैसे बढ़ाएं

- समय पर भुगतान करें
- क्रेडिट उपयोग को कम रखें
- क्रेडिट रिपोर्ट में गलतियों को सुधारें
- नए क्रेडिट अकाउंट न खोलें
- क्रेडिट हिस्ट्री को लंबा रखें

निवेशक सोने और चांदी की तरफ कर रहे रुख, पोर्टफोलियो में बनाएं विविधता

अस्थिरता के दौर में गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ?

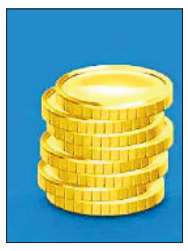

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी जोड़कर विविधता लाएं

सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं।

अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, निवेशक तेजी से सोना और चांदी जैसे पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए मुख्य सवाल अब यह है कि क्या उन्हें गोल्ड ईटीएफ, सिल्वर ईटीएफ या दोनों का मिश्रण चुनना चाहिए? बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के दौरान पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए। क्योंकि सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है। सिल्वर ईटीएफ को कम अनुपात में रखा जा सकता है क्योंकि इनमें अधिक उतार-चढ़ाव होता है और इनकी मांग काफी हद तक औद्योगिक उपयोग पर निर्भर है।

अलग-अलग भूमिका है दोनों धातुओं की

दोनों धातुएं पारंपरिक रूप से अलग-अलग भूमिकाएं निभाती हैं। पोर्टफोलियो पोजिशनिंग के दृष्टिकोण से अधिकांश निवेशकों को दोनों में संतुलित निवेश रखना चाहिए। सोना प्राथमिक सुरक्षित-निवेश एंकर बना रहना चाहिए, जबकि चांदी पूरक भूमिका निभाते हुए कुछ चरणों में अधिक रिटर्न दे सकती है। निवेशक यह कभी न भूलें कि कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता। इसलिए इक्विटी और डेट सहित मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है।

मौजूदा समय में पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए

■

सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है

■

निवेशक ध्यान रखें कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता

नए निवेशक क्या करें?

इस सप्ताह सोना और चांदी मजबूत बढ़त के साथ खुले और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अनिश्चितता के इस दौर में यह सवाल भी उभरता है कि पहली बार निवेश करने वालों के लिए फोकस कहां होना चाहिए? ऐतिहासिक रूप से भू-राजनीतिक तनाव के समय सोना मजबूत सुरक्षित-निवेश माना गया है और केंद्रीय बैंकों की अधिक भागीदारी, व्यापक वैश्विक स्वीकार्यता और गहरी लिक्विडिटी के कारण सोना आमतौर पर संकट के समय बेहतर प्रदर्शन करता है। पहली बार निवेश करने वालों को सोने के ईटीएफ में मुख्य सुरक्षित-निवेश करना चाहिए, लेकिन पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी भी जोड़कर विविधता लाई जा सकती है।

मुद्रा विनिमय दर का भी होता है असर

मुद्रा विनिमय दरों का उतार-चढ़ाव भी सोना और चांदी ईटीएफ से मिलने वाले रिटर्न को प्रभावित करता है। सोना एक कीमती धातु के रूप में, आम तौर पर डॉलर और ब्याज दरों में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जबकि चांदी मुद्रा उतार-चढ़ाव के अलावा वैश्विक वृद्धि की उम्मीदों पर भी प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष ने तेल की कीमतों और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। बढ़ती तेल कीमतें मुद्रास्फीति को ऊपर धकेल सकती हैं, जिससे आम तौर पर कीमती धातुओं को समर्थन मिलता है क्योंकि निवेशक बढ़ती लागत के खिलाफ हेज की तलाश करते हैं।

डॉलर की कीमत कैसे करेगी प्रभावित?

वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद दिए गए बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब हम वेनेजुएला को चलाने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अन्य देशों को वेनेजुएला का काफी तेल बेचेगा। इन हालात में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि डॉलर की मजबूती और मुद्रा-विनिमय उतार-चढ़ाव सोना और चांदी की कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं? असल में सोना और चांदी दोनों ही आम तौर पर डॉलर के विपरीत दिशा में चलते हैं। मजबूत डॉलर कीमतों पर दबाव डालता है, जबकि कमजोर डॉलर उन्हें सपोर्ट करता है। सोना मुद्रा और ब्याज-दर के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील है, जबकि चांदी पर आर्थिक और औद्योगिक गतिविधि का भी प्रभाव होता है। सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, चांदी के औद्योगिक उपयोग के कारण कमजोर डॉलर अक्सर इस कीमती धातु में तेज बढ़त को ट्रिगर करता है क्योंकि विदेशी विनिर्माण मांग बढ़ जाती है।

आक्रामक रणनीति नहीं रीबैलेंसिंग करें

एक सवाल यह भी है कि निवेशकों के लिए मौजूदा परिस्थिति में क्या यह समय एक्सपोजर बढ़ाने का है या सिर्फ मौजूदा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने का? दूसरी बात क्या बढ़ती मुद्रास्फीति या तेल कीमतें गोल्ड बनाम सिल्वर के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं? ऐसे में मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है, क्योंकि कोई भी एसेट हमेशा नहीं जीतता। इसके बावजूद मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कीमती धातुएं अब भी पोर्टफोलियो की सुरक्षा और विविधता के लिए आकर्षक विकल्प हैं। साथ ही निवेशक आक्रामक रूप से एक्सपोजर बढ़ाने के बजाय मौजूदा होल्डिंग्स को रीबैलेंस करें और बढ़ती मुद्रास्फीति और तेल कीमतें आम तौर पर सोने को समर्थन देती ही हैं।

नए साल में करें नई शुरुआत कुछ बातों पर रखें फोकस शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे

निवेश, बचत और वेल्थ बनाने के लिए तैयार करें बेहतर रणनीति

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"आज के समय में स्वास्थ्य का खर्च इतना ज्यादा हो गया है कि अगर आपको या परिवार के किसी सदस्य को अस्पताल में भर्ती होना पड़ जाए तो आपकी अच्छी खासी बचाई गई रकम इलाज और अस्पताल का बिल भरने में खर्च हो सकती है। इससे आपके निवेश की योजना और निवेश के लक्ष्यों के लिए कदम आगे बढ़ा पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

नए साल पर सभी कुछ न कुछ संकल्प लेते हैं। इसलिए निवेश के क्षेत्र में भी यह समय कुछ न कुछ बेहतर रणनीति बनाने का है। नया साल 2026 शुरू हो गया है। कमाई, बचत और निवेश को लेकर भी नए साल में कुछ न कुछ रिजॉल्यूशन जरूर लें। नए निवेशक जहां नई शुरुआत के लिए विकल्प और तरीकों पर बात करेंगे, वहीं जो लोग पहले से निवेश कर रहे हैं, वो कुछ न कुछ बदलाव या डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोच रहे होंगे। हर कोई अपनी-अपनी समझ और तरीकों से अपनी फाइनेंशल प्लानिंग बनाता और उस पर आगे बढ़ता है। निवेश के तेजी से उभरते विकल्पों की बात करें तो शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नए साल की नई शुरुआत के बीच एक्सपर्ट के नजरिए से समझते हैं कि निवेशक को 2026 में किन बातों पर फोकस करना चाहिए, जिससे कि कमाई, बचत और निवेश का संतुलन बना रहे, वेल्थ बनता रहे और फाइनेंशियल लक्ष्यों को हासिल करना आसान रहे।

जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा लिया है?

निवेश की शुरुआत करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना बेहद जरूरी है कि क्या आपने पर्याप्त जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा कवर लिया है या नहीं? अगर नहीं है या पर्याप्त नहीं है, तो 2026 में सबसे पहले आप ये दोनों कवर जरूर करा लें। जीवन बीमा आपके परिवार और आप पर निर्भर लोगों को उस समय आर्थिक मदद करता है, जब कोई अनहोनी होती है। इसी तरह, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा भी रखना जरूरी है।

क्या फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा की

नए साल में सबसे अहम बात कि अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा करें। ऐसा इसलिए जरूरी है कि हर साल बाजार में उठापटक, रिस्क प्रोफाइल, इनकम और खर्चों में उतार-चढ़ाव है। ऐसे में इस बात का आकलन करना अहम हो जाता कि क्या आपने निवेश के जिन एसेट क्लास में पैसा लगाया है, उनकी परफार्मेंस कैसी चल रही है, जोखिम उठाने की क्षमता कम-ज्यादा हुई है या फिर आपके फाइनेंशियल लक्ष्य हासिल करने को लेकर कैसा संकेत है?

मार्केट साइकिल समझना क्यों जरूरी?

नए साल के साथ हमेशा यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बाजार में निवेश का साइकिल कैसा भी हो आपको धैर्य रखना चाहिए। मार्केट साइकिल में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक बात है। कभी बाजार तेजी में होता है तो कभी मंदी में, लेकिन ऐसे समय में निवेश बनाए रखना सबसे जरूरी होता है। घबराकर निवेश निकालने से नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है।

धैर्य रखें, लाभ जरूर मिलेगा

ऐसे में अगर पर धैर्य रखते हैं और लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें बाजार के पूरे साइकिल का लाभ भी आपको मिलेगा। नियमित निवेश, जैसे एसआईपी, बाजार की गिरावट में भी औसत लागत कम करने में मदद करता है। मार्केट साइकिल का इतिहास बताता है कि यह समय के साथ संभलता है और नया हाई बनाता है। इसलिए शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव में पैनिक होने की बजाय लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने पर फोकस करना चहिए।

एसआईपी शुरू करें या निवेश बढ़ाएं

कहा जाता है कि नई शुरुआत करने से ही नए मौके बनते हैं। इसलिए अगर म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं। वहीं अगर पहले से निवेश कर रहे हैं तो एसआईपी की राशि बढ़ा सकते हैं। एसआईपी शुरू करना या मौजूदा निवेश को बढ़ाना दोनों ही समझदारी भरे फैसले हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करने से बाजार की गिरावट का फायदा मिलता है और औसत लागत कम होती है। वहीं, जिन निवेशकों की कमाई स्थिर है और वे अपने लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट हैं, वे अपने निवेश की राशि बढ़ाकर लंबे समय में बेहतर रिटर्न पा सकते हैं। निवेश हमेशा जोखिम उठाने की क्षमता और समय सीमा के अनुसार करना जरूरी है।

लोन चुकाने के लिए न निकालें ईपीएफ से पैसा हो सकता है नुकसान

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। कई सैलरीड लोगों के लिए ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) की बचत से लोन चुकाना बहुत लुभावना लगता है। लोग सोचते हैं कि इससे बड़ा लोन खत्म, हर महीने का तनाव कम और जीवन कर्जमुक्त हो जाता है। लेकिन पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट चेतावनी देते हैं कि खासकर होम लोन चुकाने के लिए ईपीएफ की रकम निकालना लंबे समय में काफी महंगा पड़ सकता है, जिसे ज्यादातर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

ईपीएफ है रिटायरमेंट का सहारा

ईपीएफ को रिटायरमेंट के लिए बनाया गया है। ये एक मजबूरी वाला लंबे समय का निवेश है। कर्मचारी और कंपनी दोनों की तरफ से पैसा जाता है और सालाना करीब 8.25 प्रतिशत ब्याज मिलता है, वो भी कंपाउंडिंग के साथ। सबसे खास बात यह है कि ब्याज टैक्स-फ्री है। इसलिए ये सैलरीड लोगों के लिए सबसे अच्छा और कम रिस्क वाला तरीका है पैसा बढ़ाने का। ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) के नियमों के मुताबिक, ईपीएफ से निकासी बहुत सीमित है ताकि रिटायरमेंट का पैसा सुरक्षित रहे। आम लोन जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने के लिए ईपीएफ से पैसा नहीं निकाल सकते। सिर्फ हाउसिंग लोन चुकाने के लिए ही कुछ खास शर्तों के साथ निकासी की इजाजत है, जैसा कि ईपीएफ स्कीम, 1952 में लिखा है।

होम लोन समय के साथ हल्का क्यों लगता है

होम लोन के मामले में समय के साथ बोझ कम होता जाता है। ईएमआई चलते-चलते ब्याज का हिस्सा घटता है और मूल रकम का हिस्सा बढ़ता है। साथ ही, आमतौर पर सैलरी बढ़ती है, इन्फ्लेशन के साथ करियर आगे बढ़ता है, तो ईएमआई का बोझ रिलेटिव तरीके से कम लगने लगता है। टैक्स का भी फायदा है। पुराने टैक्स रिजीम में प्रिंसिपल और ब्याज दोनों पर छूट मिलती है, जिससे लोन की असली लागत कम हो जाती है। नए टैक्स रिजीम में ये फायदा नहीं है, लेकिन एक्सपर्ट कहते हैं कि ईपीएफ का लंबे समय तक कंपाउंडिंग इतना मजबूत है कि वो लोन जल्दी चुकाने से मिलने वाली बचत से ज्यादा फायदा देता है।

ब्याज दर का जाल

पहली नजर में आंकड़े थोड़े भ्रमित कर सकते हैं। अभी होम लोन की दरें करीब 7-7.5 प्रतिशत के आसपास हैं, जो ईपीएफ के 8.25 प्रतिशत से थोड़ी कम लगती हैं। फर्क छोटा-सा दिखता है। लेकिन ईपीएफ का ब्याज टैक्स-फ्री है, तो 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले के लिए ये 8.25 प्रतिशत करीब 11 प्रतिशत के बराबर टैक्सेबल रिटर्न देता है। इतना पोस्ट-टैक्स रिटर्न बहुत कम सुरक्षित निवेश देते हैं।

कब ईपीएफ निकालना सही

ईपीएफओ के नियमों के अनुसार, हाउसिंग लोन चुकाने के लिए ईपीएफ से पैसा सिर्फ एक बार जीवन में निकाला जा सकता है। इसके लिए कुछ शर्तें हैं, जैसे कम से कम 10 साल की सदस्यता, निकासी की सीमा वेतन, बैलेंस या बकाया लोन से जुड़ी होती है। पैसा सीधे लेंडर को जाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ईपीएफ निकालना सिर्फ कुछ खास स्थितियों में सोचना चाहिए, जैसे: रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके हों और ईपीएफ में काफी ज्यादा बचत हो। बहुत ज्यादा कैश-फ्लो का दबाव हो और कोई दूसरा रास्ता न बचा हो। लोन की बाकी रकम कुल रिटायरमेंट कोष के मुकाबले बहुत छोटी हो। ऐसे मामलों में भी पहले अच्छे से कैलकुलेशन करना और किसी प्रोफेशनल से सलाह लेना बहुत जरूरी है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 6% घटा, पर फ्लेक्सी-कैप ने बनाया रिकॉर्ड

रिपोर्ट | बिजनेस डेस्क

दिसंबर में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड निवेश पर भी साफ नजर आया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 6% घटकर 28,054 करोड़ रुपये रह गया। जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 29,911 करोड़ रुपये था। अगर साल-दर-साल के आधार पर तुलना करें, तो गिरावट और भी साफ दिखती है। दिसंबर 2024 के मुकाबले दिसंबर 2025 में इक्विटी फंड्स में निवेश 32% कम रहा। पिछले साल दिसंबर में इक्विटी फंड्स में 41,155 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। हालांकि पूरे कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 3.03 लाख करोड़ रुपये लगाए।

फ्लेक्सी-कैप फंड्स पर निवेशकों का भरोसा बरकरार

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की कुल 11 कैटेगरी में से 9 में दिसंबर के दौरान निवेश आया। सिर्फ डिविडेंड यील्ड फंड और ईएलएसएस फंड्स से पैसा निकला। इन सभी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे आगे रहे। इस कैटेगरी में दिसंबर के दौरान 10,019 करोड़ रुपये का नेट निवेश हुआ, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। निवेशक में इस बात पर ज्यादा भरोसा नजर आया कि फ्लेक्सी-कैप फंड्स के मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयर्स में निवेश को एडजस्ट कर सकते हैं।

मिडकैप और लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी चर्चा में

फ्लेक्सी-कैप के बाद मिडकैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। दिसंबर में इन फंड्स में 4,175 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं लार्ज एंड मिडकैप फंड्स में 4,093 करोड़ रुपये की आमद दर्ज की गई। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक अभी भी ग्रोथ की संभावनाओं वाले शेयरों में रुचि बनाए हुए हैं।

सेक्टोरल और स्मॉलकैप फंड्स में गिरावट

सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स के लिए दिसंबर थोड़ा फीका रहा. इन फंड्स में निवेश महीने-दर-महीने आधार पर 49% घटकर 945 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 1,864 करोड़ रुपये था। स्मॉलकैप फंड्स में भी 13% की गिरावट देखने को मिली. दिसंबर में इन फंड्स में 3,823 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। बाजार की वैल्यूएशन और अस्थिरता को देखते हुए निवेशक स्मॉलकैप से थोड़ा सतर्क नजर आए।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड पर भी दिखा

ईएलएसएस और डिविडेंड यील्ड फंड्स से पैसा निकला

दिसंबर में टैक्स सेविंग ईएलएसएस फंड्स से 717 करोड़ की निकासी हुई। वहीं, डिविडेंड यील्ड फंड्स से 254 करोड़ बाहर चले गए। निवेशकों की बदली प्राथमिकताओं का असर यहां साफ दिखा।

पूरे साल 2025 में कौन सी इक्विटी कैटेगरी रही आगे

कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो फ्लेक्सी-कैप फंड्स पूरे साल निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस कैटेगरी में साल भर में 80,978 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 52,321 करोड़ रुपये और मिडकैप फंड्स में 49,939 करोड़ की नेट इनफ्लो दर्ज की गई।

डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर निकाले गए पैसे

जहां इक्विटी में निवेश धीमा पड़ा, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स में दिसंबर के दौरान भारी निकासी देखने को मिली। इस महीने डेट फंड्स से कुल 1.32 लाख करोड़ रुपये बाहर निकल गए। नवंबर में यह निकासी 25,692 करोड़ रुपये थी। दिलचस्प बात यह है कि दिसंबर 2024 में भी डेट फंड्स से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

16 में से 14 डेट फंड कैटेगरी में आउटफ्लो

डेट फंड्स की 16 कैटेगरी में से सिर्फ ओवरनाइट फंड्स और फ्लोटर फंड्स में निवेश आया। बाकी 14 कैटेगरी में पैसा निकला। लिक्विड फंड्स से सबसे ज्यादा 47,307 करोड़ रुपये की निकासी हुई। इसके बाद मनी मार्केट फंड्स से 40,464 करोड़ रुपये बाहर निकले।

साल भर में डेट फंड्स का हाल

पूरे 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स में कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये का नेट निवेश आया। मनी मार्केट फंड्स इस दौरान सबसे आगे रहे, जिनमें 66,993 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं गिल्ट फंड्स में पूरे साल में 5,680 करोड़ रुपये की सबसे ज्यादा निकासी दर्ज की गई।

हाइब्रिड फंड्स में निवेश भी घटा

दिसंबर में हाइब्रिड फंड्स में निवेश 19% घटकर 10,755 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 13,299 करोड़ रुपये था, जबकि दिसंबर 2024 में हाइब्रिड फंड्स में सिर्फ 4,369 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। पूरे 2025 में हाइब्रिड फंड्स में कुल 1.56 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया। हाइब्रिड फंड्स की 6 कैटेगरी में से कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स को छोड़कर सभी में निवेश पॉजिटिव रहा। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में दिसंबर में नेट इनफ्लो 7,425 करोड़ रुपये का हुआ। इसके बाद एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 1,513 करोड़ रुपये का निवेश आया।

पैसिव फंड्स और ईटीएफ में उछाल

इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसी दूसरी स्कीम्स में दिसंबर के दौरान निवेश में 74% की तेज बढ़ोतरी हुई। नवंबर में जहां इन फंड्स में 15,385 करोड़ रुपये आए थे, वहीं दिसंबर में यह आंकड़ा बढ़कर 26,723 करोड़ रुपये हो गया। दिसंबर 2024 में पैसिव फंड्स में कुल निवेश सिर्फ 784 करोड़ रुपये था, ऐसे में इस साल की बढ़त काफी मजबूत मानी जा रही है।

सबालेंका ने मुचोवा को हराया, फाइनल में बनाई जगह

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल

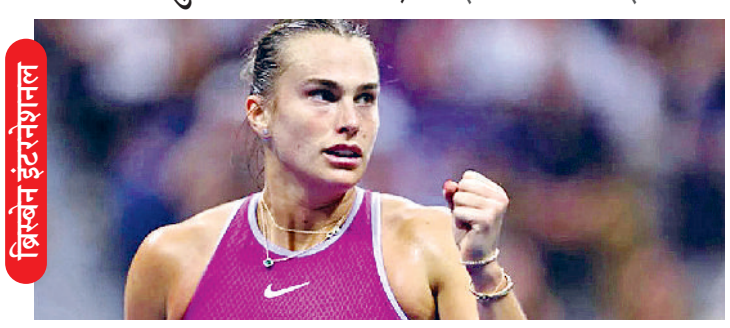

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

विश्व नंबर एक एरीना सबालेंका ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने पैट राफ्टर एरिना में खेले गए मुकाबले में चौथे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। सबालेंका के सामने रविवार को होने वाले फाइनल में मार्ता कोस्तयुक की चुनौती होगी। मार्ता ने चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-0, 6-3 से हराकर रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले शुक्रवार को सबालेंका ने मैडिसन कीज को 6-3, 6-3 से मात दी थी। कीज ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सबालेंका को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम महिला एकल खिताब जीता था। ब्रिसबेन में चल रहे पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट में अमेरिका के दो खिलाड़ियों के बीच हुए सेमीफाइनल में ब्रैंडन नकाशिमा ने एलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6 , 6-4 से हराया।

एलिना स्वितोलिना की फाइनल में एंट्री, अब शिंजु से मुकाबला

ऑकलैंड टेनिस

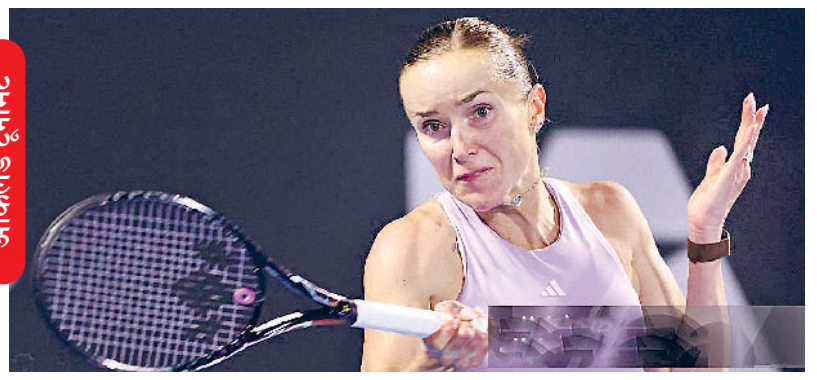

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने अमेरिकी युवा इवा जोविक को 7-6 (5), 6-2 से हराकर दूसरी बार ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना इससे पहले 2024 में भी इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं, जिसमें उन्हें अमेरिकी स्टार कोको गॉफ से हार का सामना करना पड़ा था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में स्वितोलिना का मुकाबला चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त वांग शिंजु से होगा। वांग ने दूसरे सेमीफाइनल में फिलीपींस की चौथी वरीय एलेक्जेंड्रा ईला को 5-7, 7-5, 6-4 से हराया।

बेलिंडा का शानदार प्रदर्शन, पहली बार फाइनल में स्विट्जरलैंड

यूनाइटेड कप

एजेंसी ▶▶| सिडनी

बेलिंडा बेनसिच ने सप्ताह का अपना आठवां मुकाबला जीतते हुए निर्णायक मिश्रित युगल में याकूब पॉल के साथ मिलकर बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और जिजू बर्ग्स की जोड़ी को 6-3, 0-6, 10-5 से हराकर स्विट्जरलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचा दिया। इस टीम स्पर्धा में बेनसिच ने इस सप्ताह अपने चारों एकल मुकाबले और चारों मिश्रित युगल मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। बेनसिच ने इससे पहले मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र की अपनी अपराजेय एकल जीत का सिलसिला बरकरार रखा और स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने जा रहे स्टान वावरिंका को बर्ग्स ने 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हराकर मुकाबला मिश्रित युगल तक पहुंचा दिया। रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में स्विट्जरलैंड के सामने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

कोच जेलेज्नी से अलग हुए चोपड़ा, करार किया खत्म

नई दिल्ली। भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच जान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी को एक ही सत्र के बाद समाप्त करने की घोषणा की। चोपड़ा ने जेलेज्नी के साथ करार खत्म करने का कारण नहीं बताया लेकिन कहा कि यह सफर 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव' से भरा रहा। जेलेज्नी के नाम इस खेल का विश्व रिकॉर्ड है और इस प्रतिष्ठित दिग्गज के मार्गदर्शन में चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का थ्रो फेंका था।

गेंदबाजी एक्शन को लेकर जमां खान जांच के दायरे में

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज जमां खान बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच के दौरान अपने 'स्लिंगशॉट' गेंदबाजी एक्शन को लेकर जांच के दायरे में आ गए। सिडनी थंडर के लिए 82 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर को बार बार जमां के गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठाते और इस गेंदबाज का सामना करने के बाद मैदानी अंपायर से इस मुद्दे को उठाते देखा गया। पाक के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी की जगह ब्रिस्बेन हीट से जुड़े जमां सत्र के अपने पहले मैच में संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने तीन ओवर में 32 रन लुटा दिए।

दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट और 18 जनवरी को इंदौर में तीसरा वनडे

न्यूजीलैंड टीम में नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार

रो-को से बड़ी पारी की आस, आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में रविवार 11 जनवरी को खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिए से श्रृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे श्रृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

जडेजा ने किया पूरे दमखम के साथ अभ्यास

रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारुप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे श्रृंखला की मेजबानी कर चुका है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे , मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

खिलाड़ियों ने नेट में बहाया पसीना

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले शनिवार को रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरुरत पड़ी। रोहित तब नेट के बाहर इंतजार कर रहे थे जब जल्दी बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए।

सैंटनर इंजरी के कारण श्रृंखला से बाहर

नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। पूर्व कप्तान केन विलियमसन दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 लीग में अपनी टी20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है। पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 श्रृंखला पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। जेडन लेनॉक्स को सैंटनर के समान विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड टीम में कई नए और अनुभवहीन चेहरों के बीच डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल यंग और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाडियों की मौजूदगी से बल्लेबाजी मजबूत है।

तकदीर में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता: गिल

वडोदरा। टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे। गिल को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया लेकिन 26 साल का यह खिलाड़ी खेल के दो अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में भारत का नेतृत्व करता रहेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले गिल ने कहा, ' मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है।

बेंगलुरु ओपन 2026: पेड्रो मार्टिनेज ने एकल खिताब जीता

बेंगलुरु। स्पेन के शीर्ष वरीय पेड्रो मार्टिनेज ने शनिवार को यहां एकल फाइनल में कजाखस्तान के टिमोफे स्केटोव को 7-6(5), 6-3 से हराकर बेंगलुरु ओपन 2026 का खिताब जीत लिया। मार्टिनेज को इस जीत के लिए 33,650 अमेरिकी डॉलर का नकद पुरस्कार मिला। वहीं कोलंबियाई निकोलस बैरिएंटोस और अमेरिकी बेंजामिन किट्टे की जोड़ी ने फ्रांस के आर्थर रेमंड और लुका सांचेज को 7-6(9), 7-5 से हराकर युगल खिताब जीतकर 9,900 अमेरिकी डॉलर का नकद पुरस्कार हासिल किया।

डब्ल्यूपीएल: गुजरात जायंट्स ने जीत के साथ किया आगाज

खास बातें

- गुजरात की कप्तान गार्डनर ने 42 गेंद में बनाए 65 रन
- फीबी लिचफील्ड यूपी वॉरियर्ज की तरफ से सर्वोच्च स्कोरर रही

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

एश्ले गार्डनर की कप्तानी पारी के दम पर गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 में जीत के साथ आगाज किया। उसने चौथे सीजन के दूसरे मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 10 रन से मात दी। डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मैच में रनों की बारिश देखने को मिली। एश्ले गार्डनर के 41 गेंद में 65 और अनुष्का शर्मा (44) की आतिशी पारियों से चार विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाया। फिर बॉलिंग में एकजुट प्रदर्शन से यूपी को आठ विकेट पर 197 रन पर रोक दिया। उसकी तरफ से फीबी लिचफील्ड ने 78 रन की आतिशी पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी ने किरण नवगिरे (1) को पहले ही ओवर में गंवा दिया। वह रेणुका सिंह की गेंद पर बोल्ड हुई। लेकिन कप्तान मेग लैनिंग (30) और लिचफील्ड ने मिलकर टीम को संभाला। दोनों ने ही तेजी से रन जुटाते हुए गुजरात पर दबाव बनाया। दूसरे विकेट के लिए लैनिंग-लिचफील्ड के बीच 70 रन की साझेदारी हुई। लैनिंग 27 गेंद में पांच चौकों से 30 रन बनाने के बाद जॉर्जिया वारहैम की शिकार बनी। यूपी ने हरलीन देओल (0) और दीप्ति शर्मा (1) तीन गेंद में आउट हो गई। इससे यूपी की पारी बेपटरी हुई।

गुजरात की तेज शुरुआत

गुजरात को बेथ मूनी और सॉफी डिवाइन की जोड़ी ने तेज शुरुआत दी. दोनों ने 4.1 ओवर में 41 रन जोड़े। मूनी खुलकर नहीं खेल पाई वह 12 गेंद में 13 रन बनाने के बाद पहले विकेट के रूप में आउट हुई। सॉफी एकलेस्टन को उनका विकेट मिला। डिवाइन ने 20 गेंद में पांच चौकों व दो छक्कों से 38 रन बनाए। उनके जाने के बाद अनुष्का शर्मा और कप्तान गार्डनर ने तीसरे विकेट के लिए तूफानी अंदाज में 103 रन की साझेदारी की। शुरू में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने समय लिया लेकिन एक बार आंखें जमने के बाद उन्होंने रनगति को सुपरफास्ट कर दिया।

सेमीफाइनल में वांग से हारी सिंधू, टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू का शानदार सफर सत्र के पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 के महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की वांग झियी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू विश्व नंबर दो खिलाड़ी के दबाव को झेल नहीं पाई और 6-21, 15-21 से हार गई। उन्होंने मुकाबले में कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा पिछले साल अक्टूबर से पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर रहीं सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थीं। वह दूसरे गेम में एक समय 11-6 की बढ़त के साथ वापसी कर रही थी लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर भी समाप्त हो गया।

सिंधू ने शुरुआत में प्रतिद्वंद्वी को दी कड़ी चुनौती

सिंधू ने शुरुआत में बेहतर रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने दमदार शॉट्स लगाए और अपनी लंबी पहुंच का प्रभावी उपयोग किया।

निकहत व लवलीना ने खिताब जीते हुसामुद्दीन की गोल्ड जीतकर वापसी

एजेंसी ▶▶| ग्रेटर नोएडा

निकहत ज़रीन और लवलीना बोरगोहेन ने अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जबकि चोटिल होने के कारण लंबे समय बाद वापसी करने वाले विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) ने 12 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करके अपना दबदबा कायम रखा, जिसमें पुरुषों के वर्ग में नौ स्वर्ण पदक शामिल हैं। हुसामुद्दीन ने कड़े मुकाबले वाले फाइनल में सेना के अपने साथी मुक्केबाज और 60 किलोग्राम वर्ग के मौजूदा चैंपियन सचिन सिवाच को 3-2 के विभाजित फैसले में हराकर स्वर्ण पदक जीता। उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की। मुकाबला समाप्त होने के बाद थोड़ी देर के लिए भ्रम की स्थिति पैदा हो गई जब परिणाम पहले सचिन के पक्ष में घोषित किया गया, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद इसे ठीक कर दिया गया। हुसामुद्दीन ने जीत के बाद कहा, ''यह खिताब मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि इस साल कई टूर्नामेंट होने वाले हैं। इसके अलावा चोट के बाद वापसी करने पर मुझे यह साबित करना था कि मैं अभी भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं।'' विश्व कप के पदक विजेता जदुमणि सिंह ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए 55 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ पुरुषों के बाद भी चुना गया। मणिपुर के इस 21 वर्षीय मुक्केबाज ने सेमीफाइनल में दो बार के ओलंपियन और 2019 की विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पराजित किया था। फाइनल में उन्होंने सेना के अपने साथी पवन वर्त्वाल को हराया। सेना के आदित्य प्रताप ने 65 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में हिमाचल प्रदेश के मौजूदा चैंपियन अभिनश जमवाल को 3-2 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

अंडर19 : सूर्यवंशी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ वॉर्म अप मुकाबले में लगाए 9 चौके और 7 छक्के

वैभव ने 192 की स्ट्राइक रेट से जड़े 96 रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी का अंडर 19 वर्ल्ड कप से पहले जबरदस्त खेल जारी है। उन्होंने टीम इंडिया के पहले वॉर्म अप मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 96 रन की आतिशी पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने ओपन करते हुए 50 गेंद का सामना किया और नौ चौके व सात छक्के उड़ाए। उनकी स्ट्राइक रेट 192 की रही। सूर्यवंशी का यह लगातार तीसरा फिफ्टी प्लस स्कोर रहा।

इससे पहले साउथ अफ्रीका दौरे पर तीन वनडे की सीरीज में भी उन्होंने धूम मचाई थी। सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने भारत के लिए ओपनिंग की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सात ओवर में 70 रन की साझेदारी हुई। कलाई की चोट से उबर कर लौटे म्हात्रे ने 19 गेंद खेली और चार चौकों से 22 रन बनाए। सूर्यवंशी ने छक्का लगाकर 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उनके और एरॉन वर्गीज के बीच दूसरे विकेट के लिए 78 रन की पार्टनरशिप हुई। मनु सारस्वत की गेंद को उड़ाने की कोशिश में सूर्यवंशी आउट हुए।

वर्गीज,मल्होत्रा और कुंडु ने लगाए अर्धशतक

सूर्यवंशी के अलावा वर्गीज (61), विहान मल्होत्रा (77) और अभिज्ञान कुंडु (55) ने भी अर्धशतक लगाया। इससे टीम इंडिया ने 350 रन का आंकड़ा पार किया और आठ विकेट पर 374 रन का स्कोर बनाया। भारत का अगला वॉर्म अप मुकाबला 12 जनवरी को न्यूजीलैंड के साथ है।

वैभव ने साउथ अफ्रीका दौरे पर मचाया था धमाल

इससे पहले सूर्यवंशी ने साउथ अफ्रीका दौरे पर 11, 68 और 127 रन की पारियां खेली थी। वह पहले मुकाबले में ज्यादा कुछ नहीं कर पाए लेकिन अगले दो मैचों में उनका तूफानी प्रदर्शन देखने को मिला। आखिरी वनडे में सूर्यवंशी ने केवल 74 गेंद में 127 रन कूट दिए थे। तब उन्होंने नौ चौके व 10 छक्के लगाए। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने के बाद से कमाल का प्रदर्शन किया है। वे तब सबसे कम उम्र में इस लीग में खेलने और शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। इसके बाद उन्होंने अंडर 19 टीम इंडिया के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी तूफानी पारियां खेली थी। हाल ही में बिहार की तरफ से खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 190 रन की पारी खेली थी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हरमनप्रीत-ब्रंट चमकीं, मुंबई ने दिल्ली को हराया

नवी मुंबई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 74) के अर्धशतक, नटाली साइवर ब्रंट (70 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और निकोला कैरी की शानदार गेंदबाजी से मुंबई इंडियंस ने शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से हरा दिया। मुंबई इंडियंस के चार विकेट पर 195 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर के जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम चिनेली हेनरी (33 गेंद में 56 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। कैरी और अमेलिया केर के तीन तीन विकेट झटके। साइवर ब्रंट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी अपने नाम किए। शबनीम इस्माइल को एक विकेट मिला जबकि संस्कृति गुप्ता ने अपने एकमात्र ओवर में अंतिम विकेट झटका।

आधुनिक ढांचागत सुविधाओं से लैस होगा नौसेना का यह ठिकाना

पश्चिम-बंगाल के हल्दिया में बेस बनाकर चीन, बांग्लादेश पर नजर रखेगी भारतीय नौसेना!

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी के इलाके में अक्सर सुनाई देने वाली चीन के युद्धपोतों की गोपनीय मौजूदगी की सूचनाओं, बांग्लादेश से बढ़ती उसकी नजदीकियों और पाकिस्तान के नापाक इरादों के बीच अब वो दिन दूर नहीं जब भारतीय नौसेना की भी क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति होगी। जी हां, देश की समुद्री सेना पश्चिम-बंगाल के हल्दिया में अपना एक नया और आधुनिक सुविधाओं से लैस नौसैन्य बेस बनाने जा रही है। जो चीन, बांग्लादेश की हर छोटी-बड़ी गतिविधि के अलावा वर्तमान में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच तेजी से बढ़ते नापाक गठजोड़ पर भी पैनी नजर रखेगा। अपने इस बेस के जरिए नौसेना बंगाल की खाड़ी के उत्तरी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाने का इरादा रखती है। क्योंकि

छोटे युद्धपोतों संग 100 अधिकारियों, नाविकों की होगी बेस पर तैनाती

इसकी मदद से तेजी से बदलते भू-रणनीतिक परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा की जा सकती है। जानकारों की राय में बंगाल की खाड़ी के उत्तरी इलाके में नौसेना के पास यह बेस होना रणनीतिक लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि चीन न केवल इस क्षेत्र में बल्कि समूचे हिंद महासागर (आईओआर) के इलाके में लगातार अपने समुद्र पदचिन्हों को मजबूत बनाने में लगा हुआ है। बांग्लादेश में बढ़ती ड्रैगन की नौसैन्य गतिविधियां इसका प्रमाण प्रस्तुत करती हैं।

इस तरह से काम करेगा ये बेस

नौसेना का यह नया ठिकाना उसकी एक सुविधा के रूप में काम करेगा। जो छोटे युद्धपोतों की तैनाती पर ध्यान केंद्रित करेगा। बेस के गठन के दौरान नौसेना पहले से मौजूद हल्दिया गोदी कॉम्प्लेक्स को एक प्रकार से विस्तार देगी या उसका विकसित अंदाज में इस्तेमाल करेगी। जिसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि नौसेना इस सुविधा के माध्यम से जल्द ही इलाके में अपने आपको को बहुत कम अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ रणनीतिक रूप से तैनात करेगी। बेस के शुरुआती निर्माण कार्य में एक समर्पित जेट्टी और तटीय सहयोग सुविधाएं शामिल रहेंगी।

नौसेना के पास हैं 3 प्रमुख ठिकाने

गौरतलब है कि नौसेना की देश के अलग-अलग भागों में कुल 3 कमांड हैं और उनके तहत भी कई बेस आते हैं। जिनमें आर्थिक राजधानी मुंबई में पश्चिमी-कमांड, आंध्र-प्रदेश के विशाखापट्टनम में पूर्वी कमांड और केरल के कोच्चि में दक्षिणी कमांड के तहत आने वाले नौसेना के बेस मुख्य रूप से शामिल हैं। अब हल्दिया की मदद से यह संख्या और अधिक बढ़ जाएगी।

100 अधिकारियों की होगी तैनाती

हल्दिया में नौसेना की तरफ से जिन छोटे युद्धपोतों या जहाजों की तैनाती की जाएगी। उनमें तीव्र गति से चलने वाले अवरोधक जहाज (एफआईसी) और लगभग 300 टन वाले पानी में तीव्र गति से चलने वाले नए जहाजों (एनडब्ल्यूजेएफएकसी) के अलावा कुछ अधिक गति जैसे समुद्र में 40 समुद्री मील (नॉट्स) की गति से चलने वाले जहाजों को तैनात किया जा सकता है। यहां बता दें कि यह तमाम जंगी उपकरण नौसेना के ऐसे संसाधन हैं। जिन्हें बेहद कम समय में इलाके में आवश्यकता पड़ने पर किसी भी आपातकालीन तत्काल समुद्री अभियानों के लिए तैनात किया जा सकता है। यह तमाम जहाज सीआरएन-91 बंदूकों, लॉयटरिंग म्युनिशन के साथ-साथ नागास्त्र सिस्टम से लैस होंगे। वहीं, संख्याबल के लिहाज से ये बल का बहुत बड़ा ठिकाना नहीं होगा। लेकिन इसमें कुल करीब 100 अधिकारियों और नाविकों की तैनाती की जाएगी।

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के उद्घाटन समारोह में एनएसए डोभाल की सीख

आत्मविश्वास नहीं, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार, आप शक्तिशाली हैं तो स्वतंत्र रह सकेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में चल रहे सभी संघर्ष और युद्ध इसलिए हैं क्योंकि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं और इसके लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार हैं।

आज हमारे देश में ऐसा नेतृत्व होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत हम सभी के लिए प्रेरणा है। जैसा कि नेपोलियन ने एक बार कहा था कि मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, बल्कि एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।

- आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे
- दुनिया के देश अपनी इच्छा थोप रहे हैं

एनएसए अजीत डोभाल

भारत विकसित होगा, यह निश्चित है

अजीत डोभाल ने कहा कि आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें - एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती है: निर्णय लेने की क्षमता। आप सभी हर दिन छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे।

स्वतंत्रता के लिए कई लोगों ने जान दी

एनएसए ने कहा कि यह भारत वैसा स्वतंत्र नहीं था जैसा आप आज देखते हैं। हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिए, अपमान सहे और कई लोगों को फांसी दी गई। भगत सिंह को फांसी दी गई, सुभाष चंद्र बोस ने जीवन भर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग प्रशस्त किया।

राष्ट्रवाद और राष्ट्र को निरंतर मजबूत करना होता है

एनएसए ने युवाओं को बताया कि भारत ने कई सफलताएं देखी हैं। हम कभी विज्ञान, अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी के शिखर पर थे, लेकिन हमारा पतन हुआ क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं है। यह एक निरंतर संघर्ष है। राष्ट्रवाद और स्वयं राष्ट्र को मजबूत बने रहने के लिए निरंतर कोशिश की जरूरत होती है, और यह संघर्ष कभी समाप्त नहीं होता।

1700 वर्षों तक भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी रही

डोभाल ने कहा कि पश्चिम में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि क्या कोई एशियाई देश पश्चिम से आगे निकल सकता है। कैम्ब्रिज के एक प्रोफेसर को इस पर अध्ययन करने के लिए कहा गया और बाद में उन्होंने 'विश्व अर्थव्यवस्था का इतिहास' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें पहली से उन्नीसवीं शताब्दी तक का इतिहास शामिल है। इसमें 1700 वर्षों तक की भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख है।

मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी

एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि 'मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है।

ईरान में प्रदर्शन 31 प्रांतों के 100 से अधिक शहरों और कस्बों में फैला

सेना की देशवासियों से अपील दुश्मन की साजिश करें नाकाम

एजेंसी ⏭ तेहरान

ईरान इस समय गंभीर आर्थिक संकट के बीच देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और डॉलर के मुकाबले कमजोर होती मुद्रा (ईरानी रियाल) ने आम जनता के गुस्से को और भड़का दिया है। सरकार द्वारा इंटरनेट और फोन सेवाओं पर सख्त पाबंदियां लगाए जाने के बावजूद प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मानवाधिकार समूहों के अनुसार विरोध प्रदर्शन देश के सभी 31 प्रांतों के 100 से अधिक शहरों और कस्बों में फैल चुके हैं, जिससे यह हाल के इतिहास में देश के सबसे व्यापक विरोध आंदोलनों में से एक बन गया है। प्रदर्शकारियों ने अयातुल्ला अली खामेनेई के सत्ता के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ये आंदोलन 2022 के बाद इस्लामिक गणराज्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती माने जा रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक ईरान में अब तक कम से कम 62 लोगों की मौत हो चुकी है।

सड़कों पर प्रदर्शनकारी

'एक्स' ने बदला ईरान का झंडा

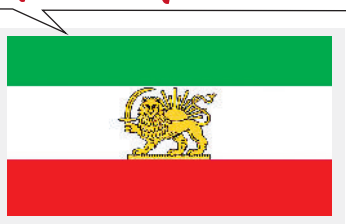

ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने एक महत्वपूर्ण डिजिटल बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत ईरान के आधिकारिक झंडे के प्रतीक को बदल कर उसमें 1979 की इस्लामिक क्रांति से पहले इस्तेमाल होता था शाही प्रतीक 'लायन एंड सन' को शामिल किया गया है। यह प्रतीक सदियों तक ईरान के झंडे पर शाही शासन के दौरान रहा है और इसे ईरान की पारंपरिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जाता है। इस बदलाव का असर पूरे प्लेटफॉर्म पर दिख रहा है, यहां तक कि ईरान सरकार और उससे जुड़े मीडिया संस्थानों, जैसे तसनीम न्यूज़ के अकाउंट्स पर भी अब यही पुराना शाही प्रतीक नजर आ रहा है। एक्स के प्रोडक्ट हेड निकिता बियर ने इस अपडेट को एक यूज़र की मांग पर लागू करने की बात स्वीकार की थी, और इससे पहले संकेत दिया था कि वे इस पर काम कर रहे हैं।

वहीं मारेंगे जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के हालात पर बहुत करीब से नजर रखी जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि देश में प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहेंगे। वहीं उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया, तो अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबिया ने एक्स पोस्ट में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बहादुर लोगों का समर्थन करता है।

अमेरिका में गोलाबारी छह लोगों की मौत

वेस्ट प्वाइंट। अमेरिका के पूर्वी मिसिसिपी में गोलीबारी की घटनाओं में छह लोगों की मौत के बाद शनिवार को एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि अलबामा सीमा के पास वेस्ट प्वाइंट कस्बे में हिंसा के कारण कई निर्दोष लोगों की जान गईं। शेरिफ ने बताया कि तीन स्थानों पर छह लोगों की मौत हुई। एक संदिग्ध हिरासत में है और लोगों को कोई खतरा नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां जांच में व्यस्त हैं और ताजा जानकारी जल्द से जल्द जारी करेंगी।

आग लगने से परिवार के तीन सदस्यों की मौत

मुंबई। मुंबई के उपनगर गोरेगांव के भगत सिंह नगर इलाके में शनिवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लग जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह एक मंजिला इमारत राजाराम लेन में स्थित है। दमकलकर्मियों ने बताया कि परिवार के तीनों सदस्यों को ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया, मृतकों की पहचान हर्षदा पावस्कर (19), कुशल पावस्कर (12) और संजोग पावस्कर (48) के रूप में हुई है।

ओडिशा में विमान हादसा

6 घायल, पायलट गंभीर रूप से जख्मी, डीजीसीए ने शुरू की जांच

एजेंसी ⏭ राउरकेला

ओडिशा के राउरकेला में शनिवार को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान प्राइवेट एयरलाइन का बताया जा रहा है, जिसमें छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में पायलट को गंभीर चोंटे आई हैं। राज्य के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने बताया कि प्राइवेट एयरलाइन के छोटे विमान की क्रैश लैंडिंग में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। मंत्री जेना ने बताया कि यात्रियों को ले जा रहा एक ए-1 नौ सीटर प्राइवेट विमान हादसे का शिकार हो गया है। यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है। यह घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जल्दा में हुई। हादसे में घायल यात्रियों को बचाकर पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

नौसेनाप्रमुख एडमिरल डी.के. त्रिपाठी 12 जनवरी को करेंगे उद्घाटन

अगले सप्ताह नौसेना लक्षद्वीप में करेगी संयुक्त सैन्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से हजारों किलोमीटर दूर केंद्रशासित प्रदेश 'लक्षद्वीप' में अगले सप्ताह भारतीय नौसेना एक अनोखे संयुक्त सेवा बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का आयोजन करेगी। जिसमें तीनों सशस्त्र सेनाएं (सेना, वायुसेना, नौसेना) संयुक्त रूप से भागीदारी करेंगी। शिविर की कुल अवधि पांच दिवसीय होगी। जिसकी शुरुआत 12 जनवरी को नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी करेंगे और समापन 16 जनवरी को होगा।

नौसेना ने शनिवार को बताया कि इस चिकित्सा शिविर के माध्यम से नौसेना लक्षद्वीप जैसे सुदूर इलाकों में रहने वाले लोगों तक व्यापक और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने (मोतियाबिंद की सर्जरी, चुनिंदा शल्य चिकित्सा शामिल), आमजन के कल्याण को सैन्य-नागरिक सहयोग के जरिए बढ़ावा देना है। शिविर की मदद से देश की समुद्री सेना द्वीपीय भूभाग में अपने नियमित प्रयासों, सहयोग के माध्यम से मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देना चाहती है। साथ ही लक्षद्वीप के लोगों के बीच साझा विश्वास और सद्भावना को

अत्यधिक बढ़ावा देना भी बल का उद्देश्य है।

इन इलाकों को कवर करेगा शिविर

लक्षद्वीप में एक सुस्थापित सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली है। जिसमें जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं मुख्य रूप से शामिल हैं। इन सबके बीच इस शिविर को इन सेवाओं के पूरक के रूप में बनाया गया है। जो समन्वित, रोगी केंद्रित तरीके से विशेषज्ञ, अति-विशेषज्ञ चिकित्सा विशेषज्ञता तक पहुंच प्रदान करता है। सामान्य-दीर्घकालिक बीमारियों के शीघ्र निदान, समय पर उपचार और उचित नैदानिक प्रबंधन पर भी शिविर में जोर दिया जाएगा। नौसेना ने कहा, ये शिविर लक्षद्वीप के अगाटी, कवरत्ती, एंड्रोथ, अमिनी और मिनिकॉय द्वीपों में आयोजित किया जाएगा।

तीनों सेनाओं के विशेषज्ञ देंगे सलाह

तीनों सेनाओं के अनुभवी चिकित्सा अधिकारियों, विशेषज्ञों वाला एक संयुक्त सेवा चिकित्सा दल शिविर का संचालन करेगा। दंत शल्य चिकित्सा के साथ ही कई बुनियादी विशिष्टताओं, कार्डियोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी जैसी कुछ अति-विशिष्टताओं में चिकित्सा परामर्श भी प्रदान किए जाएंगे।

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के समन्वय से बाह्य रोगी परामर्श के अलावा शिविर के दौरान शल्य चिकित्सा दल द्वारा मोतियाबिंद की सर्जरी और चुनिंदा सामान्य शल्य चिकित्सा की जाएंगी। शल्य चिकित्सा से ऑपरेशन की आवश्यकता वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में इस चिकित्सा कवायद के जरिए उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

भविष्य में भी जारी रहेगा मार्गदर्शन

इस शिविर की पांच दिनों की अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अनुवर्ती देखभाल संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उपचारात्मक, शल्य चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके साथ ही चिकित्सा अधिकारी जीवनशैली समस्याओं, मातृ-शिशु संबंधी स्वास्थ्य मुद्दों, पोषण और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चा करने के लिए समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगे।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर नौसेनाध्यक्ष के अलावा बल की दक्षिणी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, नौसेना चिकित्सा सेवा महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय और यूटीएल के प्रशासक के सलाहकार-लक्षद्वीप प्रशासन व सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109